गरुड़

कीरो

अंक ज्योतिष

NUMEROLOGY



अंक ज्योतिष द्वारा आपको सफलता एवं खुशहाली
की ओर अग्रसर करती सचित्र प्रमाणिक पुस्तक

कीरो
अंक ज्योतिष

आकाश में नौ ग्रहों के बीच ही संसार का सारा रहस्य छुपा है। मनुष्य के स्वभाव एवं व्यवहार को इन्हीं नौ ग्रहों ने प्रभावित कर रखा है। प्रत्येक व्यक्ति किसी-न-किसी ग्रह में जन्म लेता है तथा उससे प्रभावित रहता है। मनुष्य की इसी प्रभावित दशा का विज्ञान ही अंक विज्ञान है। प्रस्तुत पुस्तक में आपकी जन्म तिथि के आधार पर आपका भाग्यशाली अंक, आपके स्वभाव की जांच-परख, आपके भाग्य के अनुसार कौन-सा रत्न और रंग आपके अनुरूप है का सम्पूर्ण वर्णन दिया गया है। जिसे पढ़कर एवं कार्यान्वित कर आप अपना तथा अपने परिवारजन का भविष्य बदल सकते हैं।

अंक विज्ञान के जिज्ञासुओं को कीरो
की एक अनमोल उत्कृष्ट भेंट-
अंक ज्योतिष।

कीरो
अंक ज्योतिष

मूल लेखक :

काउन्ट लुइस हैमन (कीरो)

रूपांतरकार

प्रेम कपाड़िया

गोल्ड बुक्स (इण्डिया)

4537, दाईवाड़ा, नई सड़क,

दिल्ली - 110 006

प्रकाशक :
गोल्ड बुक्स (इण्डिया)
4537, दाईवाड़ा, नई सड़क,
दिल्ली-110 206
दूरभाष : 2918311, 3954060

मूल्य - चालीस रुपये

मुद्रक
शुभम् ऑफसेट प्रिंटर्स
मानसरोवर पार्क, शाहदरा
दिल्ली- 32

विषय सूची

प्रस्तावना

यह बात मैं बेहिचक कह सकता हूं कि अगर कोई व्यक्ति किसी ज्ञान के लिए गहन श्रम करे तो वह अवश्य ही उस ज्ञान के रहस्य और उसकी सूक्ष्मता की जानकारी हासिल कर सकता है। जब कोई व्यक्ति किसी विषय पर रिसर्च करता है तो वह उस विषय के रहस्य को अवश्य ही जान लेता है। जब भी कोई कलाकार अपनी कृति के आकार-स्वरूप को मूर्त रूप देता है, तब उस कलाकार को रंग और रूप स्वतः ही उपलब्ध हो जाते हैं, वह अपने द्वारा निर्मित कृति को देख कर अचम्भित रह जाता है और यही ज्ञान आम व्यक्ति को नहीं होता है। ठीक इसी तरह जीव-विज्ञान के छात्र को वनस्पति अपने एक-एक पत्ते की जानकारी दे देती है। हर एक वृक्ष अपनी उम्र, अपने फूल और अपने वंश की कथा स्वयं कह देता है।

उसी परम्परा में अंक विज्ञान का शोधकर्ता इसके रहस्यों को बड़ी ही सहजता से जान लेता है और जो व्यक्ति इसके रहस्य को नहीं जानता है उसके लिए यह रहस्य चमत्कार जैसा है क्योंकि हमारी अपनी सोच है कि हम किसी रहस्य को जान लेते हैं तो हम जैसे चमत्कृत हो उठते हैं।

यह पुस्तक प्रस्तुत करते वक्त पाठकों के लिए मुझे किसी इकरार या स्पष्टीकरण की आवश्यकता कतई नहीं है। मुझे सिर्फ इतना कहना है कि मैं विज्ञान के इस रहस्यमय ब्रांच की स्टडी काफी समय से करता चला आ रहा हूं और मैंने इन 'सो काल्ड' सिद्धान्तों को अनगिनत टेस्टों और अनुभवों से सही साबित करने का प्रयास किया है। मैं अहसास करता हूं कि आज मैं इस अवस्था में हूं कि समस्त संसार को इस स्टडी के रिज़ल्ट की जानकारी दे सकता हूं।

हम सब इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं कि संसार की हर एक चीज का हर पक्ष उसके गूढ़ रहस्यों से सम्बन्ध रखता है। मानव जीवन के इस गूढ़ रहस्य के सम्बन्ध में अल्प मात्रा में रिसर्च और अनुसंधान हुए हैं। इस बात को सब लोग स्वीकार करते हैं कि मनुष्य-जीवन अनसुलझा है। विश्व

के अधिकांश चिंतकों ने इस गूढ़ रहस्य को न तो जानने की ही कोशिश की, न ही उन्होंने इसके लिए कोई प्रयास ही किया।

आज के आधुनिक युग में हमारा ध्यान भौतिक एवं यांत्रिक विज्ञान की ओर अधिक गया है, हममें से अधिकांश लोग बेतार के तार जैसे संचार-साधनों और रेडियम से परिचित हैं, जबकि सच्चाई तो यह है कि ये चीजें हमें अनायास देव कृपा से ही प्राप्त हुई हैं। इन बातों से यह बात सिद्ध हो जाती है कि मानव उन्हीं रहस्यों को जान सकता है जिनके विषय में उसे रुचि हो या जिनके लिए उसने प्रयास किया हो। विज्ञान से हमें जिन-जिन चीजों की जानकारी होती है वे मानव जीवन के लिए लाभकारी सिद्ध होते हैं।

वर्तमान शताब्दी में मानव के विचारों को जिन चीजों ने प्रभावित किया है, उनमें भौतिक और तकनीकी क्षेत्र ही प्रमुख हैं। सिर्फ मानव जीवन के गूढ़ रहस्यों से सम्बन्ध रखने वाले पक्षों का अध्ययन अभी तक नहीं हो पाया है, जबकि स्थिति इसके विपरीत है। मनुष्य आज अपने जीवन की समस्याओं को ही सुलझाने में लगा हुआ है और साथ-ही-साथ विनाश के कारक उपकरणों को बनाने में अधिक ध्यान दे रहा है।

न्यूटन ने जब ग्रैविटी ऑफ सेंटर (गुरुत्वाकर्षण) के सिद्धान्त को जाना था तब उन्हें यह अहसास कतई नहीं था कि उन्होंने अन्तरिक्ष में बिखरे तारों और ग्रहों आदि की समस्याओं को भी सुलझा लिया है। तब इस बात को नजरअंदाज कर दिया गया था कि सूर्य, चन्द्रमा और तारों के पीछे भी कोई गूढ़ एवं गुप्त रहस्य कार्यरत हैं। प्रस्तावना के रूप में मैं इन थोड़े से शब्दों के साथ अपने सिद्धान्तों को स्पष्ट करने और समझाने की कोशिश करूंगा और मैं आशा करूंगा कि कोई भी साधारण बुद्धि वाला व्यक्ति इन्हें समझ लेगा और इन अध्यायों में बताए गये नियमों के अधीन इनका सफल परीक्षण भी कर सकेगा।

अपने अध्ययन के दौरान जब मैंने पूर्व के देशों की यात्रा की तो मुझे हैरानी हुई कि कुछ ब्राह्मणों के पास तंत्र विद्या के गुप्त रहस्य सुरक्षित थे और जिन्हें वे धार्मिक मान्यताओं के रूप में पवित्र भी मानते थे। उन दिनों जो हिन्दू थे, वे चाहते थे कि तंत्र के गूढ़ रहस्यों का ज्ञान आम आदमी को न हो सके और शायद इसीलिए उन्होंने इस ज्ञान को दूसरों तक जाने नहीं दिया। इससे सबसे अधिक नुकसान यह हुआ कि जिस ज्ञान से प्रकृति की तमाम समस्याओं का हल हो सकता था, वह ज्ञान हमसे छिन गया और धीरे-धीरे

इनके पीछे अंध-विश्वासों का जाल-सा बुन गया। मैं आशा करता हूं कि शीघ्र ही हमारा ध्यान प्रकृति के इस पक्ष की ओर अवश्य जाएगा।

सबसे चकित कर देने वाली बात यह है कि प्राचीन कैलॅडियन लोगों ने वर्षों के अनुरूप ग्रहों की चाल की जो समय सीमा निश्चित की वह 25,827 वर्षों के बाद भी सही चली आ रही है और विज्ञान के अनुसंधानों ने इन्हें सही भी पाया है। जैसे संगीत में सात सुर होते हैं, उसी प्रकार 1 से 9 तक की संख्याएं हमारी समस्त गणनाओं का मूल आधार हैं और उनके स्वरूप भी हैं। यहां मैं एक बात और भी कहना चाहूंगा कि जीवन में जहां कभी भी सात अंक की चर्चा होती है वहां धर्म और बाइबिल की चर्चा भी अवश्य होती है। किसी भी ग्रंथ में प्रभु की रहस्यमयी शक्तियों का आधार धर्म ही है और उसका अपना विशिष्ट महत्त्व भी है।

यहां मैं पवित्र बाइबिल का जिक्र करना चाहूंगा। बाइबिल में बतलाये गए सृष्टि के उत्पादन से संबंध रखने वाले 7 दिनों को ही लेना चाहता हूं।

-बाइबिल में सात स्वर्गों का वर्णन हुआ है।

-उसमें सात सिंहासनों का वर्णन मिलता है।

-सात मुहरों का वर्णन मिलता है।

-और प्रभु के सात मंदिरों एवं गिरजाघरों का वर्णन मिलता है।

हैरत की बात है कि डेविड से लेकर ईसा तक सात ही पीढ़ियां भी बनती हैं। बाइबिल में हमें यह भी पढ़ने को मिलता है कि प्रभु की सात रूहें धरती पर उतरीं। इजेकील का कथन है कि प्रभु के साथ देवता इस समस्त पृथ्वी पर भ्रमण कर रहे हैं। इनको सात मौलिक ग्रहों के चुम्बकीय प्रभाव के अधीन माना जाता है जिससे यह सारी पृथ्वी प्रकाशित है।

मिस्र की धार्मिक पुस्तक में भी केवल सात आत्माओं का उल्लेख मिलता है।

हिन्दू धर्म ग्रन्थों में भी सात देवताओं का उल्लेख है।

पारसी लोगों के धार्मिक सिद्धांतों में भी सात बातों का उल्लेख है।

हिब्रु रहस्य के सिद्धांत भी सात ही हैं।

यहां तो अब आप स्वयं ही कह सकते हैं कि यह तो बड़ी आश्चर्यजनक बात है। दरअसल यह चमत्कार नहीं, बल्कि प्रकृति में छिपा हुआ गूढ़ रहस्य है।

आप सबसे पहले एक अंक को लें-

1. इसमें अपनी स्वेच्छा से 0 लगाते जाइए, जब तक 1,00,00,00 न प्राप्त हो जाये।

अब इसे 7 से भाग दें।

अब आपको यह अंक प्राप्त होगा।

142857

भाग करके देख लीजिए-

7) 10,00,000 (142857
7
30
28
20
14
60
56
40
35
50
49
1

इसके बाद आप चाहें तो शून्य लगाते जाएं और भाग देते जाएं, किन्तु संख्या प्राप्त होगी-

142857

अब इसे आपस में जोड़ें-

1+4+2+8+5+7=27

अब इसे फिर आपस में जोड़ें-

2+7=9

सप्ताह के सात दिन

यहां वही प्रश्न हमारे सामने आता है कि सप्ताह के दिन भी सात ही हैं। इसके पीछे भी क्रियाशील ग्रहों का ही प्रभाव है। राष्ट्र की पन्द्रहों भाषाओं में इन्हीं सात दिनों का सप्ताह रखा गया है।

इस रहस्यपूर्ण विधान का ज्ञान होने पर ही चिंतकों ने अपने अध्ययनों से कुछ खास नियम भी निर्धारित किये जो जीवन को शासित करने में सक्षम हैं और ये नियम भी उतने ही सटीक हैं जितने उनके आविष्कार के 25,827

वर्षों के बाद सम्पात की स्थिति आती है। इसी के आधार पर यह ज्ञात हुआ कि राशि चक्र के 30 अंश को 12 काल खंडों में विभाजित किया जा सकता है। इन्हीं बारह काल खण्डों में हर एक कालखण्ड में, विभिन्न व्यक्ति जन्म लेते हैं, यही कारण है कि मानव जीवन पर इनका विशिष्ट एवं विभिन्न प्रकार का प्रभाव पड़ता है। इसके आगे 30 अंश की अवधि को दस-दस अंशों के तीन हिस्सों में भी बांटा गया है। इन उपखण्डों का भी ग्रहों पर प्रभाव पड़ता है।

हम यह मानते हैं कि अंतरिक्ष में भिन्न-भिन्न ग्रह अपनी कक्षा में करोड़ों वर्षों से इस सुनिश्चित गति में घूमते चले जा रहे हैं और यही कारण है कि करोड़ों वर्षों के समय में एक मिनट का भी अंतर नहीं पड़ा है। क्या यह एक चमत्कार जैसी बात नहीं है! हम यह भी जानते हैं कि वे इस पृथ्वी पर अपना प्रभाव डालते हैं और इनका प्रभाव छोटे-से-छोटे अणु पर भी पड़ता है। आज भी यह एक रहस्य बना हुआ है। प्राचीन दार्शनिकों ने अपने अध्ययन, मनोयोग से कुछ ऐसे मुख्य नियम भी निर्धारित किये जो जीवन को शासित करते हैं। ये नियम आज भी उतने ही सत्य और सटीक हैं जितने उनके आविष्कार के 25,827 वर्षों के बाद सम्पात की में आती है।

वैज्ञानिकों ने अपनी खोज को तब तक जारी रखा जब तक कि उन्होंने यह नतीजा नहीं निकाल लिया कि प्रत्येक दिन या वार का अपना विशिष्ट अर्थ होता है, क्योंकि ईश्वर में स्पंदन है जो कि पूरी-पूरी पृथ्वी को पूरी सौर व्यवस्था से निरंतर जोड़े रखता है और अंत में जब सूर्य मध्य शीतकाल में राशि चक्र की नई डिग्री में 2.5 से 3 मिनट की गति और ग्रीष्म काल में 3 से 4.45 मिनट की गति से प्रवेश करता है तब हर एक ग्रह की ईथर लहरों और स्पंदन पर उसका चुम्बकीय प्रभाव अलग-अलग रहता है। इस विवेचना से प्रकृति के इन अध्येताओं ने समय के छोटे से छोटे अंश तक इस प्रभाव का मापन आरम्भ कर दिया। यह मान्यता प्राच्य देशों में प्रचलित राशि चक्र में से सूर्य यात्रा के सन्दर्भ में मान्य है।

हम सभी जानते हैं कि मानसिक रूप से असामान्य व्यक्तियों के दिमाग पर चन्द्रमा का प्रभाव रहता है। हम जानते हैं कि समुद्र के ज्वार-भाटों पर इसका कितना प्रभाव पड़ता है, किन्तु, फिर भी हम यह नहीं मानना चाहते हैं कि गहरे समुद्र में भी इसका आकर्षण इतना प्रबल है कि यह फंडी की खाड़ी

के ब्रिस्टल चैनल में लाखों टन पानी को 70 फुट की ऊंचाई तक ऊपर उठा देता है।

अब मैं विश्व की अनदेखी शक्ति से संचालित तत्त्वों का वर्णन करता हूं। हमारा विश्व मूलरूप से 5 तत्त्वों में समाविष्ट है।

-अग्नि [FIRE]
-वायु [AIR]
-आकाश [SKY]
-जल [WATER]
-पृथ्वी [EARTH]

मैंने अपने अथक परिश्रम और दृढ़ इच्छा शक्ति के बल पर जो प्राप्त किया है वह मैं अपने पाठकों के लिए यहां पुस्तक के रूप में प्रस्तुत कर रहा हूं। आशा है कि आप इस विज्ञान से लाभ उठा कर अपने-आपको सफल व्यक्ति की श्रेणी में खड़ा कर सकेंगे।

- कीरो

$3+1+3+1+4 = 12$

$1+2 = 3$

$8+2+1+4+1+2+5+1$
$= 24 = 2+4 = 6$

$4+1+2+1+2+1+4$
$= 6$

अंक और मानक मूल्य

मैने इस विज्ञान में ऐसा पाया है कि अंग्रेजी वर्णमाला के सभी अक्षरों का एक मूल्यांक निर्धारित कर दिया गया है। उसी के अनुसार इनके अंक तय किये हुए हैं। जैसे:-

ए A = 1	बी B = 2	सी C = 3
डी D = 4	ई E = 5	एफ F = 8
जी G = 3	एच H = 5	आई.जे. I.J. = 1
के K = 2	एल L = 3	एम M = 4
एन N = 5	ओ O = 7	पी P = 8
क्यू Q = 1	आर R = 2	एस S = 3
टी T = 4	यू.वी.डब्लू U.V.W = 6	एक्स X = 5
वाई Y = 1	जेड Z = 7	

मेरे इस विज्ञान की गणना सर्वत्र इन्हीं सिद्धांत पर आधारित है। इन अंग्रे वर्णमाला के अक्षरों का मूल्य निश्चित है।

जन्मतिथि और राशि का महत्त्व

अब मैं एक और महत्त्वपूर्ण बिन्दु आपके सामने प्रस्तुत विद्या में इतनी प्रगति हो चुकी है कि अब दिन, माह अ घंटे और मिनट की भी जानकारी शुभ और अशुभ त सभी जानते हैं कि एक वर्ष में 12 माह होते भागों में विभक्त है। सूर्य की भिन्न-भि निर्धारित की गई हैं। जन्म, समय अ जाता है। अगर किसी को प्रथम अक्षर से गणि

क्रमांक	नाम का पहला अक्षर	राशि	अंग्रेजी नाम
1.	चू चे चो ला लू ले लो आ	मेष	ARIES
2.	इ उ ए ओ वा वी बू बे वो	वृष	TAURUS
3.	का को कू ध ड़ घ के को हा	मिथुन	GEMINI
4.	ही हु हे हो डि डी ड डे डो	कर्क	CANCER
5.	मा मी मू मे मो टा टी टू टे	सिंह	LEO
6.	टो पा पी पू ष ण ढ पे पो	कन्या	VIRGO
7.	रा री रू रे रो ता ती तू ते	तुला	LIBRA
8.	नो ना नी नू ने ना या यी यू	वृश्चिक	SCORPIO
9.	थे थो या भी धा फा ढा भे	धनु	SAGITTARIUS
10.	भो जा जी खा खी खू	मकर	CAPRICORN
11.	गू गे गो सा सी सू से सो दा	कुम्भ	AQUARIUS
12.	दी द थ फ ज दे दो चा ची	मीन	PISCES

राशियों के स्वामी

राशियों की जानकारी के बाद सभी 12 राशियों के स्वामी की भी जानकारी लेना जरूरी है। हर एक राशि का स्वामी अपनी-अपनी विशिष्टता रखता है। यहां क्रमवार राशि और उसके स्वामी का विवरण दिया जा रहा है।

राशि	स्वामी
मेष	मंगल
वृष	शुक्र
[illegible]	बुध
[illegible]	चन्द्रमा
[illegible]	सूर्य
[illegible]	बुध
[illegible]	शुक्र
[illegible]	मंगल
[illegible]	गुरु
[illegible]	शनि
[illegible]	शनि

4+1+2+1+
=6

मित्र-शत्रु अंक तालिका

अंक	अति मित्र	मित्र	सम	शत्रु	घोर शत्रु
1	2, 7	5	3, 9, 4	6	8
2	5	6, 3, 8	1, 4	7, 9	-
3	2, 7, 9	8	1, 4	-	6, 5
4	2, 7	5	1, 9	1, 6	8
5	1, 4	3	2, 7, 6	9, 8	-
6	-	3	2, 7, 1, 4, 5, 8	9	-
7	5	6, 3, 8	1, 4	2, 9	-
8	-	3	2, 7, 9, 5, 6	-	1, 4
9	-	8	1, 4, 2, 7, 3	7	5

ऊपर दी गई तालिका से आप जीवन के किसी भी क्षेत्र में सफलता का रास्ता ढूंढ सकते हैं।

■■

अंक एवं राशि महत्त्व

हर एक अंक का अपना विशिष्ट स्थान है, जो बराबर अपने अंक वाले व्यक्ति को प्रभावित करता रहता है। मैं यहां अंकों की क्रमवार विशेषता बतला रहा हूं।

अंक	राशि
1	सिंह राशि
2	कर्क राशि
3	धनु राशि
4	कुम्भ राशि
5	मिथुन, कन्या राशि
6	वृष, तुला राशि
7	मीन राशि
8	मकर राशि
9	मेष, वृश्चिक राशि

सम्बंधित शुभ अंक और दिन

अंक	दिन	शुभ दिन
1	रविवार SUNDAY	रवि, बुध, गुरु
2	सोमवार MONDAY	सोम, मंगल, बुध
3	गुरुवार THURSDAY	रवि, मंगल, गुरु
4	शनिवार SATURDAY	सोम, मंगल, शुक्र
5	बुधवार WEDNESDAY	रवि, गुरु, शनि
6	शुक्रवार FRIDAY	सोम, मंगल, शुक्र
7	गुरुवार THURSDAY	रवि, सोम, बुध, गुरु
8	शनिवार SATURDAY	गुरु, शनि
9	मंगलवार TUESDAY	सोम, मंगल, गुरु, शुक्र

अंक और व्यवसाय

अंक	व्यवसाय
1	विद्युत कार्य, राजदूत, सर्जरी, अग्नितत्त्व प्रधान कार्य, विज्ञान, जवाहरात सम्बंधी व्यवसाय, जहाजी कार्य तथा नेतृत्व का कार्य एवं शोध-सम्बंधी कार्य।
2	तरल एवं रसदार पदार्थों का व्यवसाय, चांदी का व्यापार, गायन, नृत्य, कविता, लेखन, होटल, पत्रकारिता।
3	शिक्षण, सेवा कार्य, राजदूत, न्यायाधीश, वकालत, बैंक, विज्ञापन, पुलिस, प्रशासनिक एवं भौतिक कार्य।
4	रेलवे, वायुमण्डल, खान, स्टेनोग्राफर, लेक्चरर और इंजीनियरिंग के कार्य, ज्योतिष एवं जादू।
5	इंजीनियरिंग, सेल्समैन, एकाउंटेंट, वकालत, तम्बाकू
6	संगीतकार, आर्टिस्ट, होटल, उत्पादन, वास्तुकला
7	मछली विक्रेता, पहलवानी, सी.आई.डी., फिल्म व्यवसाय
8	मजदूरी, संगीत, मेयर, खिलाड़ी और इंजीनियर
9	कमांडर, डॉक्टर, अग्नि कार्य, सिपाही, जनरल, वकालत

आइए! अब अंक और दिशाओं की जानकारी हासिल करें।

अंक और दिशाएं

अंक	दिशा
1	पूर्व दिशा
2	वायव्य कोण
3	ईशान कोण
4	पूर्व दिशा
5	उत्तर दिशा
6	अग्नि कोण
7	वायव्य कोण
8	पश्चिम दिशा
9	दक्षिण दिशा

अब मैं मानव आकृति का भी वर्णन कर रहा हूं। अंकों से मानव आकृति का हिस्सा भी प्रभावित होता है।

अगर इस विज्ञान का सही तरह से अभ्यास करके आप प्रयोग करेंगे तो आप जीवन में सुखी और सम्पन्न रह सकते हैं। आप आलस्य न करें। कैलकुलेशन तो करनी ही पड़ेगी। बिना श्रम क्या कभी कुछ मिलता है?

अंक और मानव आकृति

अंक	आकृति
1	मस्तिष्क और ललाट
2	हृदय, फेफड़े, छाती, गला
3	जांघ, पैर
4	पिण्डलियां, एड़ी, पंजे
5	गर्दन, सांस, कान, हाथ, ऊंचाई
6	आंखें, चेहरा, नाक, जीभ, अंगुलियां, नाखून, दांत और हड्डियां
7	रक्त
8	टखने
9	गुप्तांग, मूत्रद्वार, केश

अंक और तत्त्व

अंक	तत्त्व	गुण
1	अग्नि तत्त्व	दैविक गुण
2	जल तत्त्व	भावनात्मक गुण
3	अग्नि तत्त्व	दैविक गुण
4	वायु तत्त्व	बौद्धिक गुण
5	वायु तत्त्व	बौद्धिक गुण
6	पृथ्वी तत्त्व	व्यावहारिक गुण
7	जल तत्त्व	भावनात्मक गुण
8	पृथ्वी तत्त्व	व्यावहारिक गुण
9	अग्नि तत्त्व	दैविक गुण

अंक और रत्न

अंक और तत्त्व के बाद अब मैं रत्नों का जिक्र करूंगा। रत्नों का महत्त्व भाग्य और स्वास्थ्य दोनों पर प्रभावी होता है। इसके साथ-साथ रंग और वजन का भी महत्त्व होता है। माना कि आप पुखराज का प्रयोग करेंगे तो इसमें यह भी जानना अनिवार्य है कि पुखराज शुद्ध है कि नहीं। असली पुखराज की पहचान है कि जब आप उसे दूध में डालकर निकालेंगे तो उसकी चमक पर कोई असर नहीं पड़ेगा, और अगर उस पर असर पड़ा, मसलन कि चमक बढ़ी तो समझ जायें कि वह विशुद्ध पुखराज नहीं है।

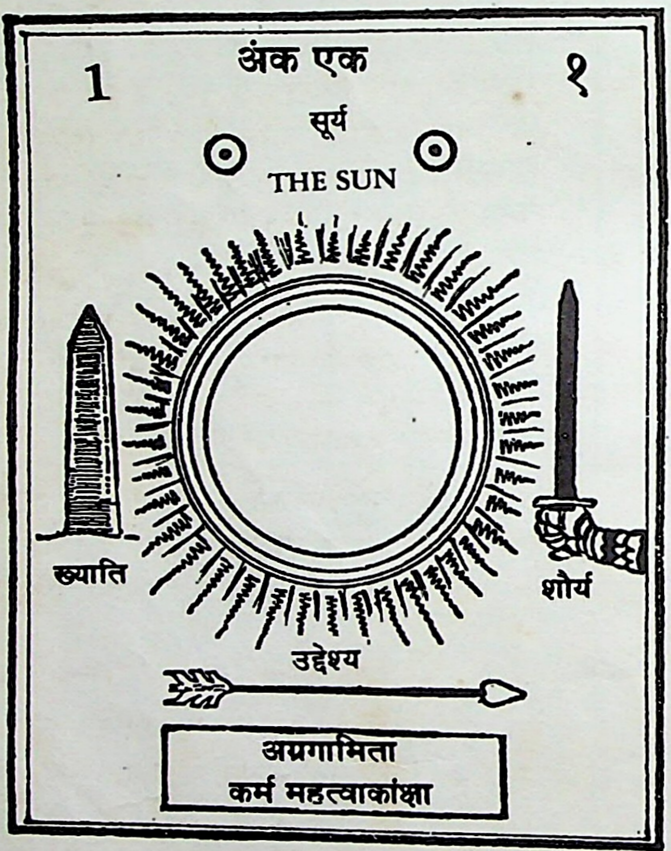
अंक	रत्न	रंग
1	माणिक्य	गुलाबी, नारंगी
2	मोती	सफेद, क्रीम, नीला
3	पुखराज	पीला और हरा
4	गोमेद	रंगीन (जैसा उपलब्ध हो)
5	पन्ना	हरा और काला
6	हीरा	सफेद, नीला
7	लहसुनिया	गुलाबी, पीला, हरा
8	नीलम	काला, हरा
9	मूंगा	लाल, पीला

अंक और दिनांक

अंक	दिनांक
1	1, 3, 5, 10, 14, 16, 19, 23, 25, 28
2	2, 4, 6, 9, 11, 13, 20, 22, 31
3	1, 3, 5, 7, 9, 10, 23, 27
4	2, 4, 6, 8, 9, 13, 24, 27
5	1, 4, 8, 10, 19, 23, 28
6	2, 4, 6, 15, 18, 22, 24, 29
7	1, 3, 5, 15, 18, 22, 24
8	3, 5, 7, 12, 13, 21, 25, 31
9	1, 2, 3, 4, 6, 7, 9, 11, 13, 15, 19, 20, 21, 28, 29

अंक 1

01, 10, 19, 28



शुभ दिन-	रविवार, बृहस्पतिवार
शुभ मास-	जनवरी, मार्च, मई, जुलाई, अक्टूबर
वर्ष का श्रेष्ठ समय:	प्रत्येक कैलेंडर वर्ष में 20 जून से 21 अगस्त के मध्य।

इस अंक को सूर्य अंक के रूप में जाना जाता है। यह अपने-आपमें विशेष गुण भी रखता है। यह अंक सक्रियता और प्रबल ऊर्जा शक्ति का प्रतीक है।

इन तारीखों में पैदा हुए लोगों के प्रबल प्रभावशाली ग्रह सूर्य और यूरेनस हैं।

आपके जीवन में इन्हीं का प्रभाव प्रबल रूप से दिखलाई पड़ता रहेगा। इस राशि का मूलांक अथवा भाग्यांक 1 है।

इस अंक के व्यक्ति स्वभाव से उदार होते हैं। साथ-ही-साथ कला के प्रति विशेष प्रेम रखते हैं। हंसमुख और आशावादी होना इस अंक के लोगों की विशेषता होती है। इस अंक वाले कभी हताश नहीं होते हैं। संघर्ष की क्षमता इनमें कूट-कूट कर भरी होती है। साथ ही इनमें अदम्य साहस भी होता है। इस अंक वालों को अपने जीवन में उथल-पुथल का सामना भी करना पड़ता है। यही स्वभाव इनको समाज में मान-सम्मान प्रदान कराता है।

इस अंक वाले लोगों के अनेक मित्र होते हैं। इस अंक के लोग दार्शनिक और दूरदर्शी विचारधारा वाले होते हैं। ये लोग एक बार जिस बात का संकल्प कर लेते हैं उसे पूरा करके ही दम लेते हैं। इस अंक वालों की सबसे वड़ी विशेषता यह होती है कि अगर किसी को निराश होते देखते हैं तो उसमें ऊर्जा और उत्साह भरने का जी-तोड़ प्रयास करते हैं और सीमा की हद तक उसको तनाव मुक्त करा देते हैं।

कार्य क्षेत्र की नज़र से इस अंक वाले व्यक्ति शोध कार्य, सर्वेक्षण, रेलवे, वायुयान और पत्रकारिता आदि के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण स्थान बना लेते हैं। इनको जीवन में कुछ कर गुजरने की इच्छा रहती है। अपने उद्देश्य में सफल भी होते हैं।

इस अंक वाले व्यक्ति उदार और भावुक होते हैं। इसीलिए लेन-देन में हानि भी उठाते हैं। इस अंक वालों को इस क्षेत्र में सावधान रहना चाहिए।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म जनवरी या फरवरी माह की उक्त तिथियों को हुआ है तो सूर्य और यूरेनस के साथ-साथ शनि भी आपके कारक ग्रह में आएगा। अतः शनि के साथ वर्ष पति मंगल की युति विस्फोटक होती है। इस स्थिति में इस अंक वालों को खासतौर से मानसिक और कोर्ट की उलझनों का सामना करना पड़ सकता है। साथ-ही-साथ पारिवारिक कलह का पात्र भी बनना पड़ सकता है। यहां यह बात उल्लेखनीय है कि इन

परिस्थितियों का प्रभाव सिर्फ जनवरी और फरवरी माह में ही होता है। शेष माहों में सार्थक परिणाम प्राप्त होते हैं।

यदि एक अंक वाले मार्च में पैदा हुए हैं तो सूर्य और यूरेनस के साथ-साथ ग्रह देव गुरु बृहस्पति भी हैं। सूर्य, गुरु और वर्ष पति मंगल का त्रिगुणात्मक योग इनकी सफलता में अहम् भूमिका निभाता है। इन लोगों को कई तरह के अनुबंध भी प्राप्त होते हैं। इस अंक और माह में जन्मे लोगों को निम्न क्षेत्रों में प्रयास करना चाहिए-

सर्विस, शिक्षा

इस अंक वालों को नवम्बर और दिसम्बर में अपने व्यवसाय में विशेष प्रयास करने चाहिए।

यदि एक अंक वालों का अप्रैल में उक्त तिथियों को जन्म हुआ है तो उन्हें हर एक क्षेत्र में सार्थक परिणाम ही प्राप्त होगा। इस अवधि में आपके कारक ग्रह मंगल खुद ही होंगे जो कि वर्ष पति भी हैं।

अतः आपको निम्न क्षेत्रों में प्रयास करना चाहिए-

- रक्षा सेवा
- सेना सेवा
- पुलिस विभाग
- अग्नि तत्त्व
- नेतृत्व प्रधान कार्य

इन क्षेत्रों में विशेष प्रयास करने होंगे। इन लोगों को कृषि कार्य, जमीन-जायदाद एवं ठेकेदारी के क्षेत्र में भी लाभ प्राप्त होता है। इंजीनियर, डॉक्टर के रूप में भी इस अंक और माह में पैदा हुए लोग प्रतिष्ठा प्राप्त करते हैं।

यदि इस अंक वाले लोग मई माह में पैदा हुए हैं तो सूर्य और यूरेनस के साथ-साथ असुर गुरु शुक्र का प्रभाव भी इनके जीवन पर पड़ता है। शुक्र की युति वर्ष पति मंगल के साथ अच्छी नहीं कही जा सकती। यह आपके स्वास्थ्य तथा वैवाहिक जीवन में बाधा और विद्रोह का अवसर प्रदान करेगा। धन की प्राप्ति खूब होगी, किन्तु खर्च की अधिकता भी बनी रहेगी। इस अंक के उपर्युक्त माह में जन्मे व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य, खास तौर पर आंखों की ओर से सतर्क रहना चाहिए।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म जून महीने में हुआ है तो इनके

कारक ग्रह सूर्य और यूरेनस के साथ बुध की युति अच्छा लाभ और उच्च स्थान प्राप्त कराती है। मंगल की युति इसमें कर्मठता लाती है और व्यवस्था तथा कार्य-क्षमता में वृद्धि होती है। इन्हें विपरीत लिंगी लोगों के प्रति रिश्तों में सावधानी बरतनी चाहिए, वरना हानि और अपमान का सामना करना पड़ सकता है। इनकी दार्शनिक विचारधारा इन सब समस्याओं से छुटकारा दिलाएगी तथा किसी समृद्धिशाली व्यक्ति अथवा संस्थान से लाभ दिलायेगी।

यदि इनका जन्म जुलाई की उक्त तिथियों को हुआ हो तो सूर्य और यूरेनस के साथ-साथ चन्द्र भी इनके कारक ग्रह हैं। मंगल के साथ यह युति आत्मबल एवं दृढ़ इच्छाशक्ति प्रदान कराती है। इन लोगों के लिए कमीशन का कार्य अच्छा रहता है। इन व्यक्तियों को आध्यात्मिक क्षेत्र में भी रुचि होती है। इनके जीवन में परिवर्तन अवश्य ही आता है। स्थायित्व का माहौल कम ही रहता है। ये लोग स्वभाव से शांत, सीमित सरोकार वाले होते हैं। भौतिक कार्यों में इन्हें विशेष लाभ मिलता है।

यदि इस अंक वाले का जन्म अगस्त माह में हुआ है तो कारक पति सूर्य और यूरेनस का दोहरा प्रभाव रहता है। इनकी युति बृहस्पति और मंगल के साथ अच्छी बैठती है। इनके लिए पूर्ण वर्ष लाभकारी परिणाम प्रदान करता है। रुके हुए कार्य बनते हैं तथा बाधाएं समाप्त होती हैं। इस अंक वाले जो व्यक्ति बेरोजगार हों, उन्हें नौकरी के लिए आवेदन अवश्य करना चाहिए। सफलता अवश्य मिलेगी।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म सितम्बर माह में हुआ है तो इनके कारक ग्रह सूर्य और यूरेनस के साथ-साथ युवराज बुधदेव जी भी हैं। मंगल के साथ यह युति कार्यों और निर्णयों में भय की स्थिति पैदा करेगी। इस अंक वाले अपना कार्य सावधानी और सतर्कता के साथ पूर्ण करें। विश्वासघात से बचने का प्रयास करें।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म अक्टूबर माह में हुआ है तो सूर्य और यूरेनस के साथ शुक्र भी इनके कारक ग्रह हैं। यह योग वर्ष पति के साथ इनके न्यायिक कार्यों में सन्तुलन प्रदान करेगा। ये अति महत्त्वाकांक्षी होते हैं। इनका सारा वर्ष अच्छा गुजरता है। इन लोगों को मकान, वाहन आदि के व्यवसाय में खरीद-बिक्री से आशातीत लाभ प्राप्त होता है। यात्रा से व्यापारिक कार्य-क्षेत्र में लाभ होता है।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म नवम्बर माह में हुआ है तो सूर्य और

यूरेनस के साथ-साथ मंगल का दोहरा प्रभाव प्राप्त होगा। यदि इस माह में पैदा हुए, इस अंक वाले व्यक्ति तकनीकी कार्य, पुलिस अथवा सेना के क्षेत्र में, जमीन-जायदाद की खरीद-फरोख्त में आवेदन करते हैं तो सफलता अवश्य मिलती है।

यदि इस अंक वालों का जन्म दिसम्बर माह में हुआ है तो कारक ग्रह सूर्य और यूरेनस के साथ-साथ देवगुरु का प्रभाव इनके जीवन के हर क्षेत्र में सफलता दिलाता है। कारकपतियों के साथ-साथ बृहस्पति, मंगल की युति प्रशासनिक कार्य एवं आई.पी.एस. जैसे पद प्राप्त करवाती है। इनके जीवन के जनवरी, अप्रैल, अगस्त और अक्टूबर माह विशेष महत्त्वपूर्ण और फलदायी होते हैं। इस अंक वालों के लिए ज्यादातर शुभ फल और घटनाएं इन्हीं महीनों में होंगी। इन महीनों की अथवा किसी भी माह की 1, 10, 19, 28 तारीखें विशेष महत्त्व की होंगी।

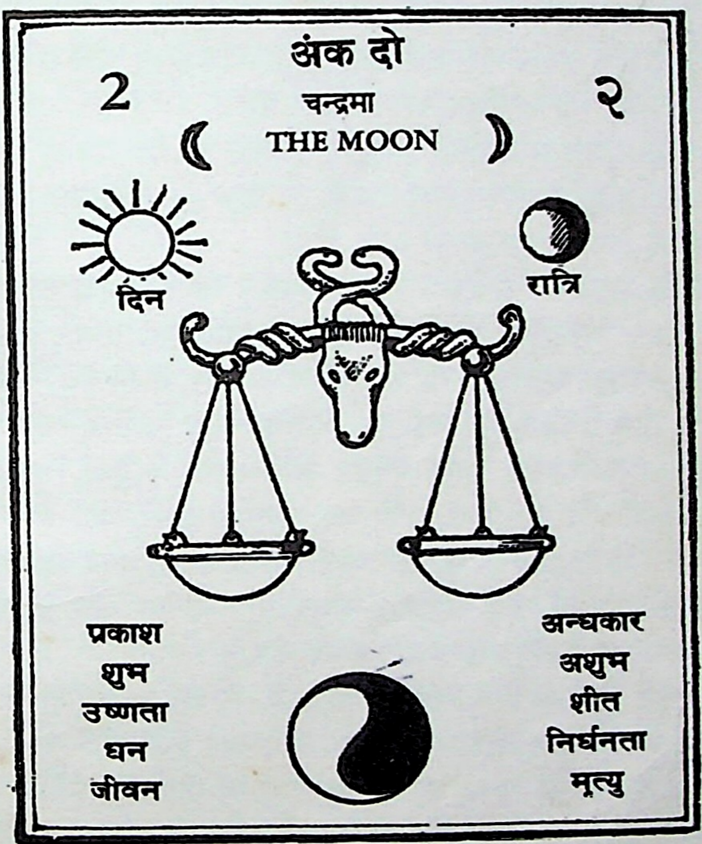
रविवार तथा बृहस्पतिवार इस अंक वालों के शुभ दिन हैं।

अंक 1 के अन्तर्गत उत्पन्न विशिष्ट व्यक्ति

ऐनी बेसेंट	1 अक्टूबर
राष्ट्रपति मुनरो	28 अप्रैल
जनरल बूथ	10 अप्रैल
सिकन्दर	1 जुलाई
जार्ज प्रथम	28 मई
मेरी एण्डरसन	28 जुलाई
कीरो	1 नवम्बर
गेरे	28 अगस्त
सर जार्ज नेपियर	10 अगस्त
शोपिन संगीतज्ञ	1 मार्च
क्वीन एलेक्जेण्ड्रा	1 दिसम्बर
कैप्टन कुक (यात्री)	28 अक्टूबर
जेम्स प्रथम	28 जून
सर आर्नोल्ड (लेखक)	10 जून

अंक 2

2, 11, 20, 29



शुभ दिन :	सोमवार, बुधवार
शुभ मास :	फरवरी, अप्रैल, अगस्त, नवम्बर
वर्ष का श्रेष्ठ समयः	प्रत्येक कैलेंडर वर्ष में 20 जुलाई से 20 अगस्त के मध्य।

चंद्र और नेपच्यून आपको जीवनपर्यन्त लाभान्वित करने वाले ग्रह हैं। यदि आप उपर्युक्त किसी भी तारीख में पैदा हुए हैं तो आपका मूलांक अथवा भाग्यांक 2 ही होगा। मूलांक कैसे बनेगा। यह आप मूलांक 1 का फल पढ़कर समझ सकते हैं।

इन्हीं अंकपति चंद्र और नेपच्यून के प्रभाव में आप जीवनपर्यन्त चलते रहेंगे। इसके साथ युति भी बनायेंगे।

वर्ष पति पृथ्वीपुत्र मंगल होने के कारण आपको स्थायित्व नहीं मिलेगा, लेकिन कमीशन अथवा दलाली का कार्य हर तरफ से लाभ दिलाएगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से आपको कफ रोगों से सावधान रहना चाहिए। जलीय रोग जो भी होंगे वह आपके लिए घातक सिद्ध होंगे।

स्वभावतः आप सौंदर्यप्रेमी, भावुक, कलाप्रिय और रूमानी विचारधारा वाले व्यक्ति होंगे। मनोरंजन तथा किसी भी तरह के जनसंपर्क से संबंधित कार्य आपके लिए हमेशा अच्छे सिद्ध होंगे।

राजनीति, सामाजिक सेवा तथा फिल्म व्यवसाय आपको हमेशा लाभ-ही-लाभ दिलाएंगे। यदि आप चाहें तो स्वयं भी उपर्युक्त कार्यों को अंजाम दे सकते हैं। जीवन में प्रारंभिक सफलताएं तो 24 वें वर्ष के बाद ही मिलेंगी, लेकिन जब तक आप 29वें वर्ष को पार नहीं कर लेते तब तक आपको अस्थिरता और उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ेगा। आप सफेद वस्तुओं, खाद्य पदार्थ, समुद्री वस्तुओं और आभूषणों आदि का व्यवसाय कर सकते हैं। आप दृढ़ इच्छा शक्ति और स्वतंत्र विचारधारा वाले व्यक्ति होंगे। अपने आत्मबल और प्रबल मानसिकता के बल पर आप जीवन में उच्च पद और प्रतिष्ठा प्राप्त करते जाएंगे। आपको पूर्वाभास शक्ति का वरदान रहेगा।

जीवन में प्रेम-प्रसंगों की अधिकता रहेगी, लेकिन किसी का भी आपके जीवन पर स्थाई प्रभाव नहीं पड़ेगा। आपको हमेशा ऐसे कार्यों की ओर हाथ बढ़ाना चाहिए जिनका सीधा सम्बंध जनसंपर्क से हो। आप किसी भी कार्य को करने में हताश या निराश नहीं होंगे। कारकपति चंद्र और नेपच्यून के साथ वर्ष पति मंगल आपको कई बार विषम परिस्थितियों में फंसा देंगे, लेकिन आप साहस के साथ उसका सामना करते रहेंगे और सफलताएं आपको ही प्राप्त होंगी।

यदि आप जनवरी माह की उपर्युक्त तारीखों 2, 11, 20 और 29 में पैदा हुए हों तो चंद्र और नेपच्यून के साथ शनि का योग बनेगा और ऐसे में मंगल

रुकावटें और अस्थिरता पैदा करेगा, किंतु आर्थिक स्थिति सबल ही रहेगी। कारक पति चन्द्र और नेपच्यून के साथ शनि ही आपके स्वामी होंगे। यद्यपि मंगल की युति यहां भी परेशानियां पैदा करेगी, किंतु फरवरी मांह में आपको हमेशा सफलता ही दिलाएगी। आपको जो भी कार्य करना हो अथवा निर्णय लेना हो, ले सकते हैं, सफलताएं अवश्यंभावी हैं। यदि आप जीवन के 2 मूलांक वाले वर्षों में चल रहे हों तो समय अच्छा रहेगा। हर क्षेत्र से सार्थक परिणाम प्राप्त होंगे।

यदि आप मार्च माह की उपर्युक्त तारीखों में पैदा हुए हैं तो चन्द्र और नेपच्यून के साथ देवगुरु बृहस्पति की युति अति लाभप्रद सिद्ध होगी। इन्हीं के साथ गुरु भी आपके कारक ग्रह हैं। अतः मंगल यहां पर सुपरिणाम ही दिलायेगा। आपको प्रशासनिक पदों का लाभ प्राप्त होगा। शिक्षण कार्य, न्यायाधीश, वकील तथा किसी भी तरह के आध्यात्मिक कार्यों में विशेष सफलताएं प्राप्त होंगी।

यदि आप अप्रैल माह की उपर्युक्त तारीखों में पैदा हुए हैं तो कारक पति चन्द्र और नेपच्यून के साथ पृथ्वीपुत्र मंगल भी आपका कारक ग्रह हैं। वर्ष पति भी मंगल ही होने के कारण यह दोहरे प्रभाव से बना हुआ योग प्रशासन, शीघ्र कार्य तथा खेल के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण उपलब्धियां दिलाएगा। आप किसी भी तरह का कार्य करें अथवा निर्णय लें उसके परिणाम सार्थक और लाभदायक सिद्ध होंगे।

यदि आप मई माह की उपर्युक्त तारीखों में पैदा हुए हैं तो चन्द्र और नेपच्यून के साथ असुर गुरु शुक्र का प्रभाव भी आपके जीवन में हमेशा लाभप्रद भूमिका निभायेगा। यह आपको कलाप्रिय और भौतिकवादी बनाएगा। फिल्म व्यवसाय, होटल-रेस्टोरेंट अथवा किसी भी तरह के मनोरंजन कार्य अच्छे रहेंगे। वर्ष पति मंगल की युति सामान्य असरदार रहेगी। आप एकाग्र होकर अपनी कर्म-रेखा पर ध्यान दें।

यदि आप जून के माह की उपर्युक्त तारीखों में पैदा हुए हैं तो चन्द्र और नेपच्यून के साथ-साथ युवराज बुध का प्रभाव आपके जीवन पर बना रहेगा। यह आपको उच्च विचारधारा और नैसर्गिक प्रतिभा का धनी बनाएगा। वर्ष पति मंगल के साथ यह युति असामान्य परिस्थितियां पैदा करेगी, लेकिन यदि आपका निश्चय दृढ़ रहेगा तो आप असफल नहीं होंगे। शिल्पकला में लाभ तथा चित्रकारी के लिए यह योग श्रेयस्कर रहेगा।

यदि आप जुलाई माह की उपर्युक्त तारीखों में पैदा हुए हैं तो आपको कारक पति के साथ-साथ सूर्य की युति लाभ मार्ग प्रशस्त करेगी। मंगल का प्रभाव वैवाहिक अथवा प्रेम-सम्बंधों में दूरियां लाएगा।

रचनात्मक तथा सृजनात्मक कार्यों में लाभ प्राप्त होगा। इस अवधि में यदि सर्विस हेतु आवेदन करना चाहें तो श्रेयस्कर रहेगा।

यदि आप उपर्युक्त तारीखों में अगस्त माह में पैदा हुए हैं तो आपको चंद्र, नेपच्यून और सूर्य देवता का प्रभाव प्राप्त होगा। मंगल की युति यहां पर मित्रवत सम्बंध बनाएगी। अतः आपको लाभ के नए-नए स्रोत्र प्राप्त होंगे। किंतु व्यंय की अधिकता रहेगी और अर्थ संचय में परेशानी रहेगी। सम्बंध अधिकाधिक बनेंगे। पूर्वाभास शक्ति अधिक बढ़ेगी।

यदि आप सितम्बर माह की उपर्युक्त तारीखों को पैदा हुए हैं तो आपका कारक ग्रह चंद्र और नेपच्यून की युति बुध के साथ अच्छी रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी, मंगल के साथ यह युति तनाव पैदा करेगी। रक्षा विभागों अथवा केन्द्र सरकार के प्रमुख पदों को आप सुशोभित करते रहेंगे।

यदि आप अक्टूबर माह की उपर्युक्त तारीखों में पैदा हुए हैं तो आपके कारक ग्रह चंद्र और नेपच्यून के साथ शुक्र की युति सुपरिणाम दिलाएगी। आप किसी को भी ऋण देते समय विशेष सावधानी बरतें; अन्यथा आपका दिया गया पैसा वापस नहीं आएगा।

यदि आपका जन्म नवम्बर माह में हुआ है तो चंद्र और नेपच्यून के साथ गुरु की युति से प्रशासनिक क्षेत्रों में सफलता प्राप्त होगी।

यदि आपका जन्म दिसम्बर माह की उपर्युक्त तारीखों को हुआ हो तो गुरु की युति से स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें।

कारकपति चंद्र और नेपच्यून के साथ-साथ गुरु की युति (जो कि आप के कारक ग्रह हैं) अधिकाधिक लाभ दिलाएगी।

यहां पर वर्ष पति मंगल की युति आपको प्रशासनिक क्षेत्रों में लाभ दिलाएगी। आप जिस क्षेत्र में भी चाहेंगे सफलताएं अवश्यंभावी हैं। आपके जीवन में फरवरी, जुलाई और नवम्बर के माह अधिक लाभप्रद सिद्ध होंगे।

वर्ष के किसी भी माह की 2, 11, 20 तारीखें अति लाभप्रद सिद्ध होंगी।

सोमवार तथा बुधवार इस अंक वालों के शुभ दिन हैं।

अंक 2 के अन्तर्गत उत्पन्न विशिष्ट व्यक्ति

इब्सन	20 मार्च
पोप दसवां	2 जून
हेनरी जार्ज (लेखक)	2 सितम्बर
थामस हार्डी	2 जून
ग्लैडस्टन	29 दिसम्बर
नेपोलियन तृतीय	20 अप्रैल

अंक 3

03, 12, 21, 30

अंक तीन

3 बृहस्पति ३

JUPITER



प्रतिभा तीव्र बुद्धि उल्लास

शुभ दिन : मंगलवार, शुक्रवार

शुभ मास : मार्च, मई, जुलाई, जून, सितम्बर, दिसम्बर

वर्ष का श्रेष्ठ समय: प्रत्येक कैलेंडर वर्ष में 18 सितम्बर से 20 जनवरी के मध्य।

देवगुरु बृहस्पति आपको जीवनपर्यन्त लाभान्वित करने वाले ग्रह हैं। यदि आप उपर्युक्त तिथियों में पैदा हुए हैं तो आपका भाग्यांक अथवा मूलांक 3 है जिसके मूलअधिपति जीवनपर्यन्त देवगुरु बृहस्पति ही रहेंगे, लेकिन अलग-अलग माहों में पैदा होने पर सहयोगी कारक ग्रहों की युति से उनकी स्थिति बदलती जाएगी।

आपका वर्षांक पति (वर्ष पति) मंगल के होने के कारण यह वर्ष आपको शुभ योग अथवा शुभ फल ही प्रदान करेगा।

देवगुरु बृहस्पति जो कि आप के अंक अधिपति हैं, उनकी युति मंगल के साथ सार्थक परिणाम दिलाएगी, लेकिन यह विशेषकर इस बात पर निर्भर करेगा कि आप किस माह में पैदा हुए हैं और आपका द्वितीय कारकपति कौन है।

स्वास्थ्य की दृष्टि से आपका वर्ष अच्छा रहेगा, किंतु मुकदमे अथवा झगड़े-विवाद आदि से बचना पड़ेगा।

स्वभाव से आप उदार, साहसी और तटस्थ विचारधारा वाले व्यक्ति होंगे, जीवन में सफलताओं का सिलसिला 21वें वर्ष से शुरू होगा, तथा 27वें वर्ष से आपकी स्थिति अच्छी होनी आरम्भ हो जाएगी। साहित्य, संगीत, अध्यात्म तथा कला के क्षेत्र में आपकी गहरी रुचि रहेगी। समाज में आप अपना छोटा-सा स्थान बनाने के बाद अच्छी और उच्च स्तर की सफलताएं अर्जित करते जाएंगे। एक बार आप जो ठान लेंगे उसे पूरा करके ही छोड़ेंगे। यही कारण है कि कम समय में आपको अधिक सफलता हासिल हो जाएगी।

आपकी महत्त्वाकांक्षा उच्च कोटि की होती है। छोटा पद और छोटा प्रभुत्व आपको अच्छा नहीं लगेगा और न ही आप अपने ऊपर किसी का प्रभाव स्वीकार करेंगे।

आप जो भी कार्य करेंगे उसे व्यापक रूप देना चाहेंगे। आप अधिक कल्पनाशील और भावुक होते हैं और यही स्वभाव आपको लेन-देन के क्षेत्र में परेशानियां पैदा कराता रहेगा।

विशेषकर आप किसी को भी ऋण देते समय विशेष सावधानी बरतें, अन्यथा आप द्वारा दिया गया पैसा वापस नहीं आएगा। कलम की शक्ति में आपका गहरा विश्वास होगा और आप अपनी वाणी तथा लेखन-शैली के बल पर समाज में उच्च सम्मान प्राप्त करते जाएंगे। आप धार्मिक अथवा समाजसेवी संस्थाओं में गुप्त रूप से धन दान करेंगे।

आपको शीघ्र ही क्रोध आएगा और शांत भी शीघ्र ही हो जायेंगे। यदि आपको 'क्षणे रुष्टा-क्षणे तुष्टा' कहा जाए तो गलत नहीं होगा।

अपने स्वाभिमान को आप न तो झुकने देंगे और न ही स्वाभिमान के साथ किसी प्रकार का समझौता ही करेंगे।

कार्यक्षेत्र की दृष्टि से आपको लेखन, सम्पादन, बैंक-विज्ञापन तथा बीमा एजेंट आदि के रूप में सफलता मिलेगी।

एक कुशल प्राध्यापक, कानूनविद्, सचिव अथवा राजदूत के पद को आप सुशोभित करेंगे।

यदि आप कठिन-से-कठिन परिश्रम करें तो आपको सरकार में प्रमुख पद लेने से कोई नहीं रोक सकता।

यदि, आप जनवरी माह की उपर्युक्त तारीखों में पैदा हुए हैं तो देवगुरु बृहस्पति के साथ-साथ सूर्यपुत्र शनि का प्रभाव आपके जीवन पर पड़ेगा।

यह एक प्रबल समृद्धिदायक योग है और आपको सामान्य स्तर के जीवन में उच्च सम्मान दिलायेगा।

आप जिधर भी चाहेंगे सफलताएं अर्जित करते जाएंगे। मंगल के साथ यह युति एकाएक चौंकाने वाला परिणाम दिलाएगी। इससे आपको नये अनुभव, जमीन-जायदाद का लाभ तथा प्रमोशन आदि प्राप्त होंगे। आप किसी भी प्रकार के निर्णय लेने में स्वंतत्र रहेंगे।

3 अंक वाले व्यक्ति यदि फरवरी माह की उपर्युक्त तारीखों में पैदा हुए हैं तो उनके लिए यह माह जनवरी माह में पैदा हुए व्यक्तियों के समान ही फलदायी सिद्ध होगा, किन्तु व्यय की अधिकता रहेगी और अर्थसंचय में परेशानी होगी। यदि आप व्यवसाय आदि प्रारंभ करना चाहें तो यह माह अति उत्तम रहेगा। आपके लिए विशेष सलाह यह है कि आप यात्रा आदि सावधानीपूर्वक करें। यदि सम्भव हो तो आप फरवरी के माह में शनि स्तोत्र का पाठ करें।

मूलांक 3 वाले व्यक्ति का यदि मार्च माह की उपर्युक्त तारीखों में जन्म हुआ है तो देवगुरु बृहस्पति का दोहरा प्रभाव आपके जीवन में तरह-तरह से लाभ देगा। आप जिस क्षेत्र में चाहेंगे उसी में सफलता प्राप्त करते जाएंगे। वर्ष पति मंगल के साथ यह युति और भी अधिक सुलाभ देगी।

शिक्षा, कार्यकुशलता तथा सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यदि आप किसी भी तरह की प्रतियोगिता में बैठना चाहते हैं तो जरा भी पीछे न हटें, सफलता आपके कदम चूमेगी।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म अप्रैल माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो कारक पति गुरु के साथ-साथ मंगल देव जी आपको प्रभावित करेंगे, और इनके साथ यह दोहरा प्रभाव बना रहेगा।

यह आपको प्रशासनिक, तकनीकी, पुलिस विभाग तथा सेना के महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों अथवा किसी भी तरह के साहसिक और जोखिमपूर्ण कार्यों में लाभ दिलाएगा। आपको इस अवधि में सर्विस हेतु आवेदन अवश्य करना चाहिए।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म मई की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो असुर गुरु शुक्र का प्रभाव आपको जिस क्षेत्र में चाहेंगे उसी में सर्वेसर्वा बनाएगा, किन्तु आपको अपनी आंखों तथा गुप्त रोगों की बीमारियों से बचना पड़ेगा। मंगल के साथ यह युति मकान, वाहन आदि के क्रय-विक्रय में लाभ देगी, किंतु पारिवारिक कलह अथवा अंशाति बढ़ सकती है। किसी से सम्बंध-विच्छेद की भी संभावना है।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म जून माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो यहां पर आपको गुरु के साथ-साथ बुध देव भी लाभ देंगे, मंगल के साथ यह युति विरोध पैदा करेगी। मान हानि अथवा विवाद में फंसने की आशंका है, लेकिन व्यावसायिक दृष्टिकोण से युति सार्थक परिणाम देगी।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म जुलाई माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो गुरु के साथ-साथ चन्द्र की युति सौम्य फलदायी सिद्ध होगी। मान-सम्मान, पद तथा गरिमा की वृद्धि होगी। मंगल के साथ यह युति लाभ ही देगी, किन्तु दाम्पत्य जीवन में कुछ कटुता ला सकती है। परिस्थिति के अनुसार अपने निर्णय तथा कार्य करें।

यदि आप अगस्त माह की उपर्युक्त तारीखों में पैदा हुए हैं तो यह गुरु के साथ-साथ सूर्य देव की युति हर प्रकार के प्रशासनिक कार्यों में लाभ तथा पद दिलाएगी।

मंगल की युति भी हर प्रकार से सफलताएं दिलाएगी। यह युति आपके लिए आय के नए-नए स्रोत बनाएगी।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म सितम्बर माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो सामान्यतः जून में पैदा हुए लोगों जैसा ही फल रहेगा। मंगल की युति और नवां माह होना सार्थक परिणाम देगा। रचनात्मक तथा सृजनात्मक कार्यों में सफलता हासिल होगी।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म अक्टूबर माह की उपर्युक्त तिथियां

में हुआ है तो गुरु व शुक्र की युति सौन्दर्य प्रधान वस्तुओं का लाभ देगी। मनोरंजन तथा फिल्म व्यवसाय के क्षेत्र में सफलताएं हासिल होंगी। प्रिय सम्बंधों में प्रगाढ़ता आएगी, मई जैसा फल होगा।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म नवम्बर माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो गुरु के साथ-साथ पृथ्वीपुत्र मंगल का दोहरा प्रभाव प्रबन्धात्मक कार्य, बैंकिग कार्य तथा लेखन कार्य में सफलता देगा। यह आपके लिए प्रबल समृद्धिदायक योग है। आप जिधर भी चाहेंगे वहीं पर सफलताएं आपको मिलती जाएंगी। शोध तथा नेतृत्व कार्य लाभप्रद रहेंगे।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म दिसम्बर माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो यह आपके लिए चहुंमुखी और बहुआयामी योग बनाएगा। धार्मिक कार्यों में तथा प्रवचन आदि में रुचि रहेगी। यह माह गुरु के दोहरे प्रभाव से परिपूर्ण है और उस पर वर्ष पति मंगल के द्वारा आपके अन्दर साहस और वाणी में प्रखरता आएगी।

सरकार द्वारा सहायता अथवा अच्छे पद प्राप्त होंगे। जीवन में मार्च, जून, सितम्बर और दिसम्बर के माह अति लाभप्रद रहेंगे। जीवन भर आपका भाग्यांक 3 ही रहेगा।

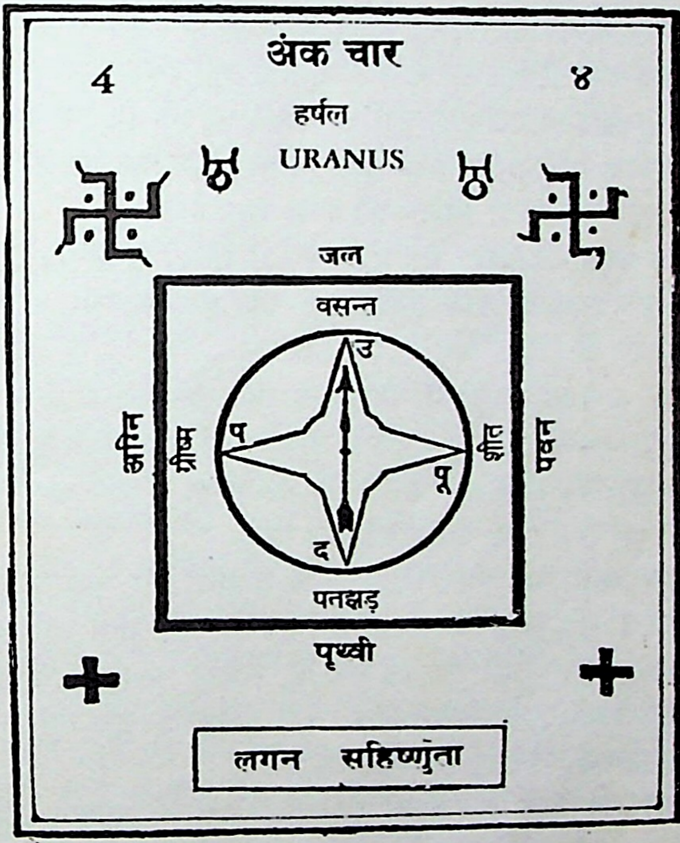
अंक 3 की शुभ तारीखें 3, 6, 9, 12 हैं तथा मंगलवार और शुक्रवार इनके शुभ दिन हैं।

अंक 3 के अन्तर्गत उत्पन्न विशिष्ट व्यक्ति

जोसेफ स्तालिन	21 दिसम्बर
रूज वेल्ट	30 जनवरी
किंग जार्ज पंचम	3 जून
डार्विन	12 जुलाई
विंस्टन चर्चिल	30 दिसम्बर
अब्राहम लिंकन	30 नवम्बर
हेनरी फोर्ड	30 जुलाई
लार्ड रसेल	12 अगस्त
मार्शल स्टालिन	21 दिसम्बर
जनरल मानेक शा	3 अप्रैल

अंक 4

04, 13, 22, 31



शुभ दिन :	बुधवार, सोमवार
शुभ मास :	अप्रैल, फरवरी, अगस्त
वर्ष का श्रेष्ठ समयः	प्रत्येक कैलेंडर वर्ष में 13 सितम्बर से 13 जनवरी के मध्य।

इस अंक पर यूरेनस और सूर्य का प्रबल प्रभाव होता है। इस अंक वाले व्यक्ति को जीवन में अप्रत्याशित परिणाम प्राप्त होते हैं। इस अंक वाले व्यक्ति के जीवन में स्थिरता स्थापित नहीं हो पाती है, लेकिन जैसे-जैसे इस अंक वाले व्यक्ति की आयु बढ़ती जाती है वैसे-वैसे स्थितियां स्थायित्व प्राप्त कर लेती हैं, किन्तु निश्चित तौर पर सफलता प्राप्त नहीं हो पाती है। कठोर संघर्ष करना ही पड़ता है। स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष अच्छा गुजरता है फिर भी वर्ष पति मंगल की युति कारक ग्रहों के साथ अग्नि तत्त्व प्रधान कार्यों की वजह से चित्तजनित रोगों से कठिनाइयां उत्पन्न करती हैं। वैसे इस अंक के व्यक्ति उदार और समाजसेवी होते हैं। इन अंकों वालों के साथ विडम्बना यह होती है कि ये जिन्हें तरक्की दिलवाने में मदद करते हैं वही इनके साथ विश्वासघात करते हैं। जिनको ऊंचा उठाया है वही लोग हानि पहुंचाते हैं। इन्हें अपने मित्रों से सावधान रहना चाहिए। इन अंकों वाले व्यक्ति किसी को पैसा उधार दे देते हैं तो उन्हें वह पैसा जल्दी वापस नहीं मिल पाता है।

इस अंक वाले का जीवन स्तर 22वें वर्ष में सुधरने लगता है। इन्हें कभी निराश नहीं होना चाहिए। 31वें वर्ष के शुरू होते ही सफलताएं कदम चूमने लगती हैं।

इस अंक वाले को तकनीकी, प्रशासनिक तथा साहसिक कार्यों के क्षेत्र में जाना चाहिए। विशेषकर रेलवे, वायुयान, लेखन कार्य, पत्रकारिता या अध्यापन के क्षेत्र में जाने से विशेष लाभ प्राप्त होते हैं। जीवन में शत्रु तो बराबर बने रहेंगे, किन्तु हर क्षेत्र में वे परास्त भी होते रहेंगे।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म जनवरी और फरवरी माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो यूरेनस और सूर्य के साथ-साथ शनि भी इनके लिए जीवनपर्यन्त लाभकारी ग्रह बने रहते हैं, लेकिन जिस वर्ष में वर्ष पति, मंगल होगा उस वर्ष इनका जीवन अच्छा नहीं गुजरता है। उस वर्ष उन्हें बहुत ही सोच-समझकर अपने निर्णय करने चाहिए।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म मार्च माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो सूर्य और यूरेनस के साथ-साथ देव गुरु बृहस्पति भी इनको लाभ प्रदान करता है। पृथ्वीपुत्र मंगल के साथ इनकी युति सार्थक परिणाम तथा प्रशासन अथवा राजकीय मामलों में सफलताएं प्राप्त कराती हैं। इस अंक वाले व्यक्ति को रोजगार की दिशा में प्रयास-करना चाहिए तथा नौकरी के लिए आवेदन करना चाहिए। शिक्षा प्रतियोगिता में इस अंकों वालों को अच्छी

सफलता प्राप्त होती है। इन्हें रोजगार के लिए सार्थक प्रयास करने चाहिए।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म अप्रैल माह में उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो ये लोग अदम्य साहसी एवं पराक्रमी होते हैं। पृथ्वी तथा मंगल इन्हें दोहरा लाभ प्राप्त कराते हैं; वे इनके स्वभाव में उग्रता लाते हैं। अगर जीवन में कोई विवाद होता है तो हल भी शीघ्र हो जाता है। इस अंक वालों को खरीद-फरोख्त में लाभ मिलता है।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म मई माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो यूरेनस और सूर्य के अलावा शुक्र ग्रह भी आवश्यक रूप से मदद करता है। भौतिक, मनोरंजन एवं फिल्मों के व्यवसाय में सफलता प्राप्त होती है। विलासिता से जुड़े कार्यों में विशेष लाभ होता है। इस अंक वाले का वर्ष पति मंगल, शुक्र के साथ युति करके राजकीय कार्यों में लाभ प्रदान कराता है।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म जून माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो यूरेनस और सूर्य के साथ चन्द्रपुत्र बुध का प्रभाव इनके जीवन पर रहता है। यह योग इन अंकों वालों को मान-सम्मान दिलाता है। विपरीत सेक्स वालों से इन्हें विशेष सतर्क और सावधान रहना चाहिए।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म जुलाई माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो सूर्य के साथ-साथ चन्द्र का प्रभाव भी इनके जीवन पर रहता है। इस अंक वाले व्यक्ति कई प्रकार की नौकरी करते हैं। विशेष रूप से, कमीशन पर आधारित कार्यों में इन्हें अच्छी सफलता प्राप्त होती है। राजनीतिक और सामाजिक प्रतिष्ठा भी प्राप्त होती है।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म अगस्त माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो यूरेनस और सूर्य का दोहरा प्रभाव मिलता है। ये लोग जिस क्षेत्र में हाथ डालते हैं उसी क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर लेते हैं। जिस वर्ष वर्ष पति सूर्य होगा, इन लोगों के लिए वह वर्ष चमत्कारिक प्रभाव वाला होगा।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म सितम्बर माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो सामान्य रूप से जून माह वाला परिणाम प्राप्त होता है। मंगल के साथ का योग किसी बड़े संस्थान से या विशिष्ट व्यक्ति की मदद से सुख-समृद्धि प्राप्त कराता है। इन अंकों वालों के लिए विशेष सलाह यह है कि मान-हानि के कारणों से अवश्य बचते रहें। इस अंक वाले व्यक्ति व्यापार एवं वाणिज्य के क्षेत्र में विशेष लाभ प्राप्त करते हैं।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म अक्टूबर माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो सूर्य और यूरेनस के साथ-साथ शुक्र ग्रह का भी प्रभाव पड़ता है। कला के क्षेत्र में लाभ प्राप्त होता है। इस अंक वालों के पास अपना मकान और कारें अवश्य होती हैं।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म नवम्बर माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो सूर्य और यूरेनस के साथ मंगल का योग दोहरा लाभ प्रदान करता है। इस माह में जन्मे व्यक्ति को प्रमोशन बड़ी सहजता से प्राप्त हो जाता है। ये लोग जिस क्षेत्र में चाहें उसी क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर लेते हैं। कृषि कार्य में विशेष लाभ मिलता है, बस! हर एक कार्य सावधानी पूर्वक करते रहें।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म दिसम्बर माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो इस माह यूरेनस ग्रह इनका स्वामी होता है। इस माह में कारक ग्रहों के साथ-साथ देव गुरु बृहस्पति महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मंगल वाणी में प्रखरता लाता है। इस अंक वालों को शिक्षा और प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष लाभ प्राप्त होता है। इन अंकों वालों के जीवन में जनवरी, अप्रैल, अगस्त और अक्टूबर माह विशेष भूमिका वाले होते हैं।

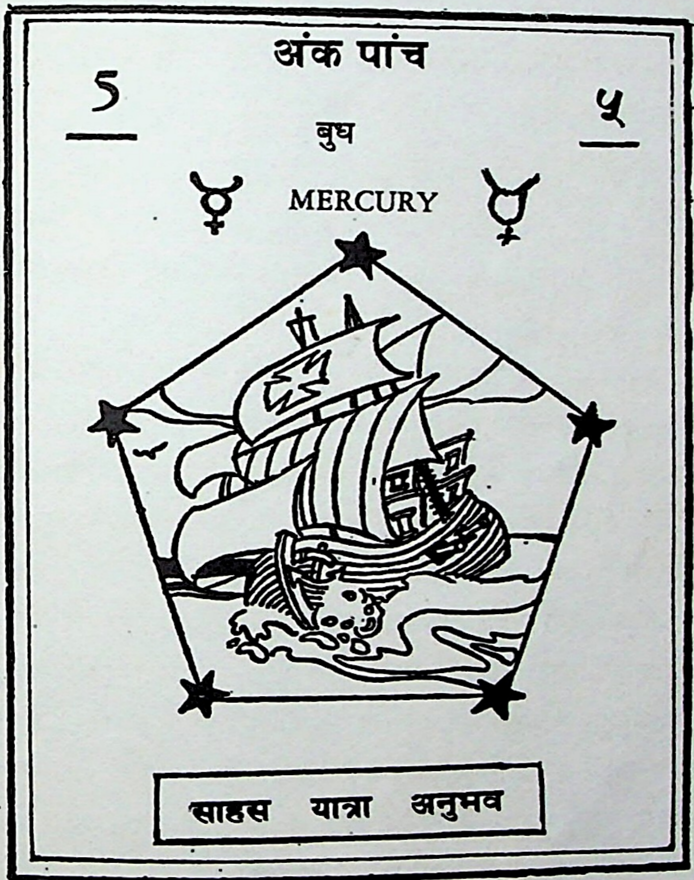
अंक चार की शुभ तिथियां 2, 4, 8, 20, 26 हैं तथा बुधवार एवं सोमवार इनके शुभ दिन हैं।

अंक 4 के अन्तर्गत उत्पन्न विशिष्ट व्यक्ति

फैराडे	22 अक्टूबर
आर्कबिशप कोरीगन	13 अगस्त
पोप नवां	13 मई
हैमिल्टन हाटी	4 दिसम्बर
जार्ज वाशिंगटन	22 फरवरी
जार्ज इलियट	22 नवम्बर
लार्ड बायरन	22 जनवरी
सर आइजैक पिटमैन	4 जनवरी
जनरल फ्रैंको	4 दिसम्बर
सर आर्थर कोनन डायल	22 मई

अंक 5

05, 14, 23



शुभ दिन : बृहस्पतिवार, शनिवार

शुभ मास : जनवरी, मार्च, मई, जुलाई

वर्ष का श्रेष्ठ समय: प्रत्येक कैलेंडर वर्ष में 10 जुलाई से 19 सितम्बर के मध्य।

चंद्रपुत्र युवराज बुध का प्रभाव आपको जीवनपर्यन्त सफलताएं दिलाता रहेगा। यदि आप किसी भी माह की उपर्युक्त तारीखों में पैदा हुए हैं तो आपका मूल्यांक अथवा भाग्यांक 5 होगा जिसके स्वामी सौम्य ग्रह बुध देव हैं। वर्ष का अधिपति मंगल होने के कारण यह आप में नैसर्गिक प्रतिभाओं का अधिकाधिक विकास कराएगा। आपका मूलांक विद्या की दृष्टि से अति महत्त्वपूर्ण है।

आप में विद्या की अधिकता रहेगी। स्वास्थ्य की दृष्टि से आपको जलीय बीमारियों तथा गले की बीमारियों से सावधान रहना पड़ेगा। स्वभाव से आप कल्पनाशील, भावुक और संवेदनशील विचारों के धनी होंगे।

जीवन में आप एक बार जो ठान लेंगे, उसे पूरा करके ही छोड़ेंगे। आप अपनी सौम्य तथा सरस वाणी से दूसरों को अपनी ओर आकर्षित कर लेंगे। एक बार आप जहां पर अपना वक्तव्य दे देंगे, वहीं पर लोग आपके दीवाने बन जाएंगे। यही कारण है कि आपके जीवन में मित्रों की संख्या अधिक रहती है।

आप व्यापार प्रधान मस्तिष्क वाले व्यक्तित्व के धनी होंगे। अधिक सीधा होना तथा दूसरे लोगों पर शीघ्रता से विश्वास कर लेना आपको नुकसान की तरफ ले जाएगा। अपनी सचरित्रता, कर्तव्यपरायणता तथा ईमानदारी की वजह से आप समाज में महत्त्वपूर्ण स्थान बना लेंगे। आप जरूरत से ज्यादा व्यय करते रहते हैं जिसके परिणामस्वरूप शीघ्रता से तंगी आ जाती है। जीवन में सफलताओं का दौर 23वें वर्ष से शुरू होगा, किन्तु 32 वें वर्ष से आप अधिक सफलता प्राप्त करना आरम्भ कर देंगे। आपकी सबसे बड़ी परेशानी यह है कि आप उतावलापन अथवा जल्दबाजी अधिक दिखाते हैं जिसके फलस्वरूप स्वयं ही कठिनाइयां सहनी पड़ती हैं।

साहित्य, संगीत और कला के क्षेत्र में आपकी गहरी रुचि रहेगी। एक कुशल लेखक तथा दार्शनिक के रूप में आपको भारी सफलता हासिल होगी। राजनीति तथा कानूनी कार्य अथत्रा क्षेत्रों में आप काफी सफलता प्राप्त करेंगे। कार्य-क्षेत्र की दृष्टि से आपको इंजीनियरिंग, सेल्समैन, सलाहकार, सचिव पद, राजदूत, बैंकिग कार्य हमेशा अच्छा रहेगा। न्यायाधीश, वकील और

प्राध्यापक के रूप में भी आप कामयाब रहेंगे। विपरीत लिंग के प्रति आपका अधिक आकर्षण रहेगा। जीवन में एक से अधिक सम्बंधों का योग बना रहता है।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म जनवरी-फरवरी माह में उपर्युक्त तारीखों को हुआ है तो युवराज बुध के साथ-साथ सूर्यपुत्र शनि का प्रभाव आपके जीवन में पड़ेगा। मंगल के साथ यह युति प्रतीक्षित परिणामों से छुटकारा दिलाएगी। आपको हर प्रकार से लाभ होगा, किंतु गुप्त रोगों से बचने का प्रयत्न करें। जिन लोगों की आप मदद करेंगे वे ही आपको नीचा दिखाने की कोशिश करेंगे।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म मार्च माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो युवराज बुध के साथ-साथ देव गुरु बृहस्पति भी आपको प्रभावित करेंगे। यह योग आपको समाज में प्रतिष्ठा और ख्याति दिलाएगा, वर्ष पति के साथ यह युति अति लाभप्रद परिणाम दिलाएगी।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म अप्रैल के महीने में हुआ है तो बुध की युति राशिपति और वर्ष पति मंगल के साथ होगी। यह आप में निरंकुश शासन करने की प्रवृत्ति लाएगा। आप अपने ऊपर किसी का प्रभाव अथवा वर्चस्व स्वीकार नहीं करेंगे। आपको चाहिए कि अपने क्रोध पर नियंत्रण रखें और धोखाधड़ी से बचते रहें।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म मई माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो बुध के साथ-साथ शुक्र का प्रभाव आपको भौतिक, सौंदर्य, मंत्रत एवं ज्योतिष, जादू तथा कलात्मक कार्यों में सफलता प्रदान करेगा। मंगल के साथ यह युति आपको अच्छे परिणाम दिलाएगी। लेखन, प्रकाशन और संपादन कार्यों में सफलता प्राप्त होगी।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म जून माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो आपके कारक ग्रह बुध स्वयं राशिपति होकर दोहरे प्रभाव से प्रभावित करेगा। आप जैसा भी निर्णय लेना चाहेंगे वह श्रेयस्कर रहेगा। मंगल के साथ यह युति लाभ ही देगी। सर्विस हेतु आवेदन अवश्य करें। विदेश अथवा वायुयान से संबंधित क्षेत्रों में लाभ प्राप्त होगा।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म जुलाई माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो बुध के साथ-साथ चन्द्र की युति आपको सामाजिक कार्य, मनोरंजन तथा ललित कलाओं की ओर प्रेरित करेगी। सौंदर्य से सम्बंधित वस्तुओं का लाभ प्राप्त होगा। मंगल के साथ यह युति पारिवारिक सम्बंधों में कटुता लाएगी। कमीशन अथवा दलाली के कार्य अच्छे रहेंगे।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म अगस्त माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो बुध के साथ-साथ सूर्य भी आपके कारक ग्रह हैं। इसका प्रभाव आपको धन और समृद्धि प्रदान करेगा। मंगल के साथ यह युति प्रबल शक्तिदायक सिद्ध होगी। शीघ्रपरक और आविष्कारक कार्य हमेशा अच्छे रहेंगे। प्रमोशन होगा और गरिमा में वृद्धि होगी।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म सितम्बर माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो युवराज बुध के दोहरे प्रभाव से आप समाज में उच्च सम्मान अर्जित करेंगे। एक कुशल शिल्पकार, गीतकार और संगीतकार के रूप में आपकी ख्याति बढ़ेगी। कानूनी कार्य, स्टेनोग्राफर, सलाहकार और ऐसे ही अन्य सेवा कार्यों में विशेष सफलता प्राप्त करेंगे। वर्ष पति मंगल आपको हानि नहीं पहुंचा सकते।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म अक्टूबर माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो आपके कारक ग्रह बुध देव के साथ-साथ शुक्र देव भी हैं। यह युति आपको आभूषणों के व्यवसाय, खाद्य पदार्थ, होटल, रेस्टोरेन्ट तथा सिनेमा आदि के क्षेत्रों में सफलता प्रदान करेगी। मंगल के साथ यह युति प्रशासनिक पद तथा वाहन सुख दिलाएगी।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म नवम्बर माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो युवराज बुध के साथ-साथ अदम्य साहसी व पराक्रमी ग्रह पृथ्वीपुत्र मंगल का दोहरा प्रभाव सफलता प्रदान करेगा। आप वाणीकुशल, नीतिवान, त्यागी तथा आध्यात्मिक विचारधारा वाले व्यक्ति होंगे।

कला, संगीत, काव्य-लेखन और शोध कार्य आपके लिए अति लाभप्रद रहेंगे। आप अपनी भावुकता तथा उदारता पर नियंत्रण रखें अन्यथा हानि का सामना करना पड़ेगा।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म दिसम्बर माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो आपको बुध के साथ-साथ देवगुरु बृहस्पति का प्रभाव भी प्राप्त होगा। यह योग आपको दबंग विचारों तथा कठोर निर्णय लेने वाला, उत्साही और विद्वान बनाएगा। मंगल के साथ यह युति आप में और भी अधिक लाभप्रद संभावनाएं पैदा करेगी। आपको चाहिए कि इस अवधि में सर्विस हेतु आवेदन अवश्य करें। पुत्र-संतान प्राप्ति अथवा प्रादुर्भाव का योग बना है।

अंक 5 के अन्तर्गत उत्पन्न विशिष्ट व्यक्ति

आइजन हावर	14 अक्टूबर
एल्बर्ट आइंस्टीन (अमरीकी राष्ट्रपति)	14 मार्च
जोसफीन (फ्रांस की महारानी)	23 अप्रैल
ड्यूक ऑफ विंडसर	23 जून
कार्ल मार्क्स	05 मई
शेक्सपियर	23 अप्रैल
सम्राट जार्ज षष्ठम	14 दिसम्बर

■■

अंक 6

06, 15, 24



शुभ दिन :	शुक्रवार, मंगलवार।
शुभ मास :	जून, सितम्बर।
वर्ष का श्रेष्ठ समयः	प्रत्येक कैलेंडर वर्ष में 15 जून से 24 जुलाई के मध्य।
भाग्यशाली वर्ष :	6, 15, 24, 33, 42, 51, 60, 69, 78, 96, 105

असुरगुरु शुक्र का प्रभाव आपको जीवनपर्यन्त समाज में एक विशिष्ट स्थान दिलाएगा। यदि आप किसी भी माह की उपर्युक्त तारीखों में पैदा हुए हैं तो आपका मूलांक 6 होगा। इस अंक को सर्वाधिक प्रभावशाली अंक माना जाता है। अंक वाले व्यक्ति सौंदर्यप्रेमी और स्वच्छता पसन्द करने वाले होते हैं।

आपको हर सुन्दर वस्तु प्राप्त करने की लिप्सा रहेगी। प्राकृतिक सौन्दर्य, बागवानी आदि की सज्जा आपको सहसा अपनी ओर आकर्षित कर लेती है। सामान्यतया इस अंक में जन्म लेने वाले लोग सुन्दर भी होते हैं। असुरपति का प्रभाव पृथ्वीपुत्र मंगल के साथ लाभ ही देगा। रक्षा विभाग अथवा किसी भी तरह के निर्माण कार्य में आपको लाभ प्रदान करेगा।

आप कल्पनाशील और रूमानी विचारों वाले व्यक्ति होंगे। जीवन में सफलताओं का सिलसिला 24वें वर्ष से प्रारम्भ होता है। आप किसी भी छोटे से संस्थान को बड़े-से-बड़ा रूप देना चाहेंगे और इसमें पूर्ण रूप से सफलता भी प्राप्त करेंगे। आप हमेशा मुस्कुराते रहेंगे। निराशा या परेशानी आपके चेहरे पर नजर नहीं आएगी। आप चंचल स्वभाव के मृदुभाषी व्यक्ति होंगे। दाम्पत्य जीवन साधारण स्तर का होगा और जीवन में प्रेम-सम्बंधों का साथ बना रहेगा।

आपको अच्छी वस्तु और अच्छे लोग हमेशा अच्छे लगेंगे। शान्त वातावरण आपको अधिक अच्छा लगेगा। एक महान दार्शनिक, कवि, उपन्यासकार, धर्मवेत्ता और लेखक के रूप में आप ख्याति अर्जित करेंगे। जीवन में आप जहां भी चाहेंगे, जिधर भी चाहेंगे, कामयाबियां हासिल करते जाएंगे।

ऐसा कार्य आपको अधिक लाभप्रद रहेगा जिसका सीधा सम्बन्ध जनसम्पर्क से हो। एक निरीक्षक तथा जासूस के रूप में भी आप अपनी पहचान बना सकेंगे।

यह मूलांक उस समय और भी अधिक भाग्यवर्द्धक सिद्ध होगा, जब आप जीवन के मूलांक वाले वर्षों में चल रहे होंगे। आप ज्यादा समय तक कार्य नहीं कर सकते। कई बार कई प्रकार की संस्थाओं को आप जन्म देते हैं। राजनीति के क्षेत्र में आप अधिक सफल होंगे। केन्द्र सरकार के प्रमुख पदों को आप सुशोभित कर सकते हैं।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म जनवरी तथा फरवरी माह की

उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो असुरगुरु शुक्र के साथ सूर्यपुत्र शनि का प्रभाव आपको अति लाभ दिलाएगा। यह योग आपके स्वास्थ्य में तो बाधक बनेगा और जलीय रोग अथवा गुप्त रोगों से भी परेशान करेगा, लेकिन व्यवस्था अथवा पैसों के मामले में अति लाभप्रद सिद्ध होगा।

मंगल के साथ यह युति पारिवारिक जीवन में कटुता लाएगी। यात्रा आदि सावधानी पूर्वक करें। दुर्घटनाओं से बचना श्रेयस्कर रहेगा।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म मार्च माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो शुक्रदेव के साथ-साथ गुरु का प्रभाव आपके जीवन में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा।

मंगल के साथ यह युति अति सौम्य और सार्थक परिणाम दिलाएगी, इस अवधि में धार्मिक कृत्यों तथा तीर्थ यात्राओं में वृद्धि होगी। आपको किसी अच्छे पद की प्राप्ति होगी। वाहन आदि विक्रय करना चाहें तो यह समय अच्छा रहेगा।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म अप्रैल माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो असुराचार्य के साथ पृथ्वीपुत्र मंगल का दोहरा प्रभाव आपको किसी बड़ी योजना की ओर ले जाएगा। इस अवधि में यदि आप सरकारी सर्विस हेतु आवेदन करना चाहें तो यह अति लाभप्रद सिद्ध होगा। आपको सफलताएं अवश्य हासिल होंगी। सेना अथवा पुलिस आदि में भर्ती होना चाहें तो यह समय अच्छा रहेगा।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म मई माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो आपके कारक ग्रह शुक्र का दोहरा प्रभाव आपको किसी अच्छी शक्ति अथवा पद की ओर ले जाएगा। फिल्म-व्यवस्था अथवा खेल आदि के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण सफलता हासिल होगी। यदि आप अभिनेता हैं तो अनेक फिल्मी अनुबंध प्राप्त होंगे। आपकी फिल्में भी पूर्ण रूप से सफल रहेंगी, लेखन तथा पत्रकारिता के क्षेत्र में आपको अच्छी ख्याति मिलेगी। खाद्य पदार्थ तथा सफेद वस्तुओं का व्यवसाय अच्छा रहेगा।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म जून माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो युवराज बुध का प्रभाव भी कारक पति शुक्र के साथ पड़ेगा। आपमें यह योग चैतन्यता और नैसर्गिक विचार भर देगा। आप की वाणी में

विविधता आएगी। मंगल के साथ यह युति कभी-कभी बाधक भी बनेगी। किन्तु, ऐसे में आप हताश न हों, अर्थागमन होता ही रहेगा।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म जुलाई माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो आपका यह योग मन के स्वामी चन्द्र के साथ अच्छा रहेगा।

इसमें अपनी निजी क्षमताओं के बल पर आप समाज में प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। दूरदेश की यात्राएं होंगी। कलात्मक शक्ति का विकास होगा। मनोरंजन के कार्य, सफेद वस्तुओं के व्यवसाय तथा जलीय मनोरंजक पदार्थ व समुद्री वस्तुओं के व्यवसाय से लाभ प्राप्त होगा। इस अवधि में आप हर प्रकार के निर्णय ले सकते हैं।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म अगस्त माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो असुराचार्य के साथ सूर्य की युति से तकनीकी, सर्जिकल अथवा कलात्मक कार्य हमेशा लाभप्रद सिद्ध होगा।

वर्ष पति मंगल के साथ यह युति विशेषकर शेयर अथवा कमीशन के कार्यों में सफलता प्रदान करेगी।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म सितम्बर माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो सामान्य तौर पर जून माह में जन्मे हुए लोगों जैसा ही फल रहेगा, किन्तु इस माह में कोई भी सफलता काफी सघंर्ष के बाद मिलेगी। वर्ष पति का विशेष योगदान नहीं रहेगा।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म अक्टूबर की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो यह वर्ष पूर्ण रूप से सफलताएं प्रदान करेगा। वर्ष पति के साथ युति कुछ तनाव का सामना करवायेगी। आप शान्ति और संयम से हर कार्य को करते जाएं; सफलताएं स्वतः प्राप्त होंगी।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म नवम्बर तथा दिसम्बर माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो उसे मार्च तथा मई में जन्मे हुए लोगों जैसा फल प्राप्त होगा। इस अवधि में पुत्र सन्तान की प्राप्ति अथवा प्रादुर्भाव का योग बना हुआ है। आपके जीवन में हमेशा मार्च, जून, सितम्बर और दिसम्बर का माह अच्छा रहेगा और इन माहों में जन्मे लोग भी आपके लिए अच्छे साबित होंगे।

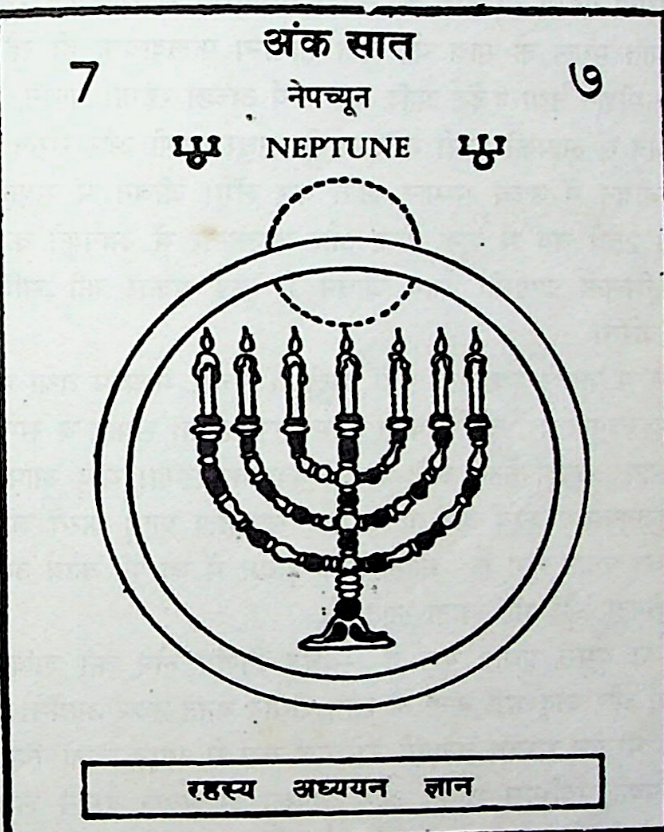
आपके लिए सबसे अच्छा दिन शुक्रवार है।

अंक 6 के अन्तर्गत उत्पन्न विशिष्ट व्यक्ति

मैक्स मूलर	06 दिसम्बर
लार्ड टेनीसन (कवि)	06 अगस्त
नेपोलियन प्रथम	15 अगस्त
सर वॉल्टर स्कॉट	06 दिसम्बर
जोन ऑफ आर्क	06 जनवरी
रीगन (अमरीकी राष्ट्रपति)	06 दिसम्बर
वारेन हेस्टिंग्ज	06 दिसम्बर
मोलिएर	15 जनवरी
सर हेनरी इरविंग	06 फरवरी
फ्रेडरिक महान	24 जनवरी
विक्टोरिया	24 मई

अंक 7

16, 25, 07



शुभ दिन : शनिवार, वृहस्पतिवार

शुभ मास : जुलाई, जनवरी, मार्च, मई

वर्ष का श्रेष्ठ समय: प्रत्येक कैलेंडर वर्ष में 21 जुलाई से 22 अगस्त के मध्य का।

भाग्यशाली वर्ष : 7, 16, 25, 34, 43, 52, 61, 70, 79, 88, 97।

यदि आपका जन्म जनवरी और फरवरी माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो आपके मुख्य कारक ग्रह नेप्च्यून और चन्द्र आपको जीवनपर्यन्त प्रभावित करने वाले ग्रह हैं। यदि आप किसी भी माह की 7, 16, 25 तारीखों में जन्मे हैं तो आपका मूलांक अथवा भाग्यांक 7 है। यह अंक हमेशा नवीनता का सूचक है। आप उपकारी, सहयोगी और भावना प्रधान व्यक्ति हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से जीवनपर्यन्त आपको कफ रोगों से सावधान रहना होगा। गले की बीमारी अथवा किसी भी तरह की ठण्डी बीमारियों से सावधान रहना चाहिए।

वर्ष पति मंगल के साथ यह युति सामान्य फलदायक ही रहेगी, लेकिन दलाली, कमीशन तथा एजेंट आदि का कार्य अच्छा रहेगा। गायन, संगीत और नृत्य के क्षेत्र में आपकी गहरी रुचि रहेगी। मधुर वाणी और सरल स्वभाव के बल पर जीवन में उच्च सम्मान प्राप्त कर लेंगे। जीवन में सफलताओं का सिलसिला 25वें वर्ष से शुरू होगा और कालान्तर में आपको काफी अच्छी सफलता मिलती जाएगी। आप जीवन में कई प्रकार की सर्विस अथवा व्यवसाय करेंगे।

जीवन में जल्दी स्थायित्व नहीं मिलेगा। संचार माध्यम तथा मनोरंजन के क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण पदों का आपको लाभ प्राप्त होगा। सफेद व समुद्री वस्तुओं का व्यवसाय आपके लिए अति उपलब्धिदायक रहेगा। यदि आप रचनात्मक अथवा सृजनात्मक कार्य करें तो अधिक सफलता प्राप्त करते जाएंगे।

आपका प्रधान गुण है– मौलिकता। जीवन में जो भी कार्य आप करते हैं उसमें नवीनता और मौलिकता लाते हैं।

आपका दूसरा प्रधान गुण है, स्वतंत्र निर्णय लेने की शक्ति। आपका वाक्‌चातुर्य और जादू भरी बातों के लोग दीवाने बनते नजर आयेंगे। आप जीवन में जिससे भी प्रेम सम्बंध बनाएंगे उसे पूर्ण रूप से अपने दिलो–दिमाग में बसा लेंगे। आपकी पूर्वाभास-शक्ति और आपका आत्मबल देखने लायक रहेगा। आप अपने प्रेम सम्बंध काफी जांच परखकर बनाएंगे ताकि धोखा खाने पर आप अपने–आपको संभाल सकें। स्वच्छ हृदय और शुद्ध सेवाभाव वाला आपका जीवन खुली किताब जैसा होगा। इसलिए विशेष सलाह है कि प्रेम सम्बंधों के प्रति सावधान ही रहें; अन्यथा व्यर्थ में परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। फिल्म के किसी भी क्षेत्र में आप जब भी चाहेंगे सफलता प्राप्त कर लेंगे। इसके अतिरिक्त जनसम्पर्क अधिकारी, एयर होस्टेज एवं होटल आदि जैसे संस्थानों के प्रमुख पदों को आप सुशोभित कर सकते हैं।

चंद्र के साथ शनि की युति आपको भ्रामक भ्रांतियां पैदा करेगी। आप किसी अधिक उम्र के व्यक्ति अथवा विपरीत लिंगियों से सम्बंध बनाएंगे। मंगल के साथ यह युति तनाव पैदा करेगी, लेकिन संघर्ष के ऐसे समय में आप जरा भी हताश नहीं हों; अन्ततः सफलताएं आपको ही हासिल होंगी।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म मार्च माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो देवगुरु बृहस्पति का प्रभाव भी आपके जीवन में चार चांद लगाएगा। मंगल के साथ यह युति आपको गणितज्ञ, प्रवक्ता अथवा कुशल शिक्षक के रूप में सफलीभूत होगी। आपको इस अवधि में सर्विस हेतु आवेदन अवश्य करना चाहिए। इससे शिक्षा प्रतियोगिता में लाभ प्राप्त होगा।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म अप्रैल माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो कारक ग्रहों नेप्च्यून, चन्द्र के साथ-साथ पृथ्वीपुत्र मंगल का दोहरा प्रभाव व्यावसायिक कार्यों में पूर्ण सफलता प्रदान करेगा। किसी भी तरह की मुकदमेबाजी अथवा विवाद आदि से बचें तथा घातक हथियारों से भी परहेज रखें।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म मई माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो नेप्च्यून और चन्द्र के साथ असुर गुरु शुक्र के दोहरे प्रभाव से भौतिकवादी कार्यों तथा सफेद वस्तुओं के व्यवसाय में हर तरह के लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म जून माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो कारक ग्रहों के साथ युवराज बुध का प्रभाव आपको नैसर्गिक विचारधारा का धनी बनाएगा। कलात्मक कार्य आपके लिए विशेष फायदेमंद रहेगा। शिक्षण, लेखन और सम्पादन कार्य फलदायक रहेंगे।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म जुलाई माह कीं उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो चंद्र का दोहरा प्रभाव आप जिधर भी चाहेंगे, सफलता दिलाएगा। यात्रा, तीर्थयात्रा अथवा देशाटन का लाभ प्राप्त होगा। मंगल के साथ यह युति कुछ विषमताएं पैदा करेगी, लेकिन उससे हताश न हों और धैर्य तथा संयम के साथ संघर्ष का सामना करें।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म अगस्त माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो आपको कारक ग्रहों के साथ-साथ सूर्यदेव का भी प्रभाव प्राप्त होगा। ये आप में आत्मबल, ऊर्जा शक्ति और आध्यामिक ज्ञान भर देंगे। आप हंसमुख और आशावादी व्यक्ति बन जाएंगे। यही आपको संकटों से उबारेगा।

मंगल के साथ यह युति हानिप्रद नहीं रहेगी।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म सितम्बर माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो आपके जीवन में जून माह के जैसा योग बनेगा। परिस्थितियां आपके अनुकूल रहेंगी। कारकपति में परिवर्तन नहीं होगा। मंगल की युति सामान्य ही रहेगी।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म अक्टूबर माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो आपका वर्ष अति उत्तम रहेगा। जमीन-जायदाद तथा वाहन आदि का सुख प्राप्त होगा। मंगल का दोहरा प्रभाव आपको जिधर भी चाहेंगे, सफलता दिलाएगा लेकिन आपको अपने चिड़चिड़े अथवा गुस्सैल स्वभाव पर नियंत्रण रखना चाहिए।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म नवम्बर माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो आपका यह माह हर वर्ष अति उत्तम रहेगा। मंगल आपको हर क्षेत्र में कामयाबियां दिलाएगा। आपके लिए विशेष सलाह यह है कि व्यर्थ में पैसा बर्बाद न करें। आप अपने ऊपर नियंत्रण रखें।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म दिसम्बर माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो धर्म गुरु बृहस्पति का प्रभाव मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगा। एक वैज्ञानिक के रूप में आपको ख्याति मिलेगी। मंगल के साथ यह युति आपकी वाणी में ओजस्विता लायेगी।

अंक 7 के अन्तर्गत उत्पन्न विशिष्ट व्यक्ति

पाबभो पिकासो (चित्रकार)	25 अक्टूबर
सर आइजेक न्यूटन	25 दिसम्बर
महारानी एलिजाबेथ	07 सितम्बर
लॉर्ड रोजवरी	07 मई
रूसो (फ्रेंच कवि)	ı6 अप्रैल
आस्कर वाइल्ड (लेखक)	16 अक्टूबर
चार्ल्स डिकेंस	07 फरवरी
सर जेशुआ रोनाल्ड	16 जुलाई
विलियम वर्ड्सवर्थ (कवि)	07 अप्रैल

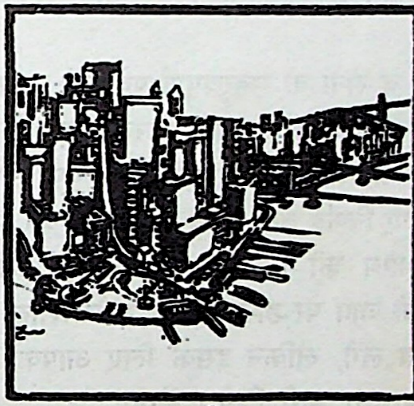
अंक 8

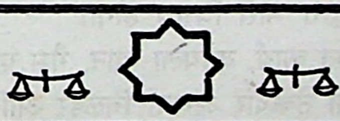
08, 17, 26

अंक आठ

8 शनि ८

♄ **SATURN** ♄





सबल व्यक्तित्व उदासीनता

शुभ दिन : सोमवार, बुधवार

शुभ मास : अगस्त, फरवरी, अप्रैल

वर्ष का श्रेष्ठ समय: प्रत्येक कैलेंडर वर्ष में 14 जनवरी से 20 फरवरी के मध्य का समय।

भाग्यशाली वर्ष : 8, 17, 26, 35, 44, 43, 62, 71, 80, 89, 98।

ांक 8 है। यह अंक जटिलताओं से भरा तेजस्वी और उतार-चढ़ाव लाने वाला है। आपके मूलांक की युति वर्ष पति के साथ बहुत लाभप्रद नहीं कही जा सकती, लेकिन यदि आप 8वें, 17वें, 26वें, 35वें, 44वें, 53वें, 62वें या 71वें वर्ष में चल रहे हों तो यह वर्ष अति उत्तम रहेगा।

स्वास्थ्य की दृष्टि से आपको जलीय रोगों तथा वायु विकार और अस्थि सम्बंधी रोगों से सावधान रहना चाहिए। स्वभावतः आप प्रशासन प्रिय, अनुशासनशील और जोखिम भरे कार्य करने वाले व्यक्ति होंगे। जीवन में हर कार्य करते वक्त आप को बाधाओं का सामना करना पड़ेगा। यदि मेष और वृश्चिक राशि के अतिरिक्त किसी अन्य राशि में पैदा हुए हैं तो परिस्थितियां सामान्य रहेंगी। आपकी कामयाबी की मुख्य विशेषता है, अदम्य साहस, दृढ़ इच्छाशक्ति और एकाग्रचित होकर कार्य करने की प्रवृत्ति, रहस्यवादिता आपके जीवन का प्रमुख अंग है और सहज ही आप अपना भेद किसी को नहीं बताते।

पुलिस विभाग व सेना के महत्त्वपूर्ण पदों को आप सुशोभित करते रहेंगे। आप किसी कार्य को छोटे स्तर से प्रारंभ करके बड़ा-से-बड़ा रूप देंगे। आपको जिस स्थान की जिम्मेदारी दी जाएगी वहां पर पूर्ण रूप से नियंत्रण पा लेंगे। आपके द्वारा लिये गए निर्णय तथा किये गए कार्यों की समाज में सराहना होगी।

यह आपके भाग्य की विडम्बना ही है कि आपको ऐसे स्थानों की जिम्मेदारी दी जाएगी जहां पर हालात अति संवेदनशील होंगे। यद्यपि आप वहां पर पूर्ण नियंत्रण पा लेंगे, लेकिन इसके लिए आपको ऐसे निर्णय लेने पड़ेंगे जिसका कि समाज द्वारा भारी विरोध होगा।

अग्नितत्त्व से युक्त कार्य, कोयला खान, गैस एजेंसी व रासायनिक पदार्थों से सम्बंधित धंधे तथा ठेकेदार अथवा बिल्डर आदि के रूप में आप ख्याति प्राप्त कर सकते हैं। लोहे तथा किसी अन्य धातुओं का व्यवसाय आपको अति उत्तम रहेगा। पारिवारिक जीवन आपका सामान्य ही रहेगा। मूलतः आप अन्तरमुखी व्यक्ति हैं और बिना किसी हलचल के अपनी परेशानी सह जाते हैं। आप जिन लोगों की मदद करना चाहेंगे वही लोग आपको नीचा दिखाने की कोशिश करेंगे। आपसे शत्रुता लेना काल को निमंत्रण देने के बराबर होगा।

खेल, एथलीट, राजनीति तथा किसी भी तरह का चुनाव वाला पद यदि आप हासिल करना चाहते हैं तो यह क्षेत्र आपके लिए अच्छा रहेगा। आपको

कितना भी उतार-चढ़ाव देखना पड़े, लेकिन आप कभी हताश या विचलित नहीं होते। यदि आप को लौहपुरुष की संज्ञा दी जाए तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी।

सेवा करना ही आपकी प्रबल भावना है। दुःखी और अति दुःखी व्यक्तियों की निश्चल भाव से सेवा करने में आप आनन्दानुभूति करते हैं।

यदि आप का जन्म जनवरी या फरवरी की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो आपका समय अच्छा रहेगा क्योंकि सूर्यपुत्र शनि आपको जीवनपर्यन्त प्रभावित करने वाला ग्रह है।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म मार्च की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो वह समाज में उच्च प्रतिष्ठा और सम्मान प्राप्त करेगा। गुरु की राशिपति होने के कारण शनि के साथ आपको भारी सफलता दिलाएंगे। मंगल भी सार्थक परिणाम दिखाएगा। अतः मंत्री आदि पद के लिए प्रयास करें। यदि साढ़े साती से परेशान हैं तो शीघ्र ही शनि स्त्रोत का पाठ प्रारंभ कर दें।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म अप्रैल माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो यह वर्ष भारी उतार-चढ़ाव लाएगा। विवाद ही आप का मुकदमेबाजी तथा व्यर्थ की परेशानियों में समय बरबाद करेगा। ऐसे में समयानुकूल ही आप अपना कोई निर्णय लें।

यदि आप मई माह की उपर्युक्त तारीखों में पैदा हुए हैं तो शनि के साथ-साथ असुराचार्य शुक्र आपके कारक ग्रह हैं। आपको इस माह में गुप्त रोगों तथा आंख की बीमारियों से बचना चाहिए। व्यवसाय और लेन-देन में सावधानी बरतें। कलात्मक कार्य लाभ देने वाला रहेगा।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म जून और जुलाई की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो समय सर्वथा अनुकूल रहेगा। किसी समृद्धशाली व्यक्ति अथवा संस्थान से लाभ होगा। यात्रा, तीर्थयात्रा और विदेश गमन की प्रबल संभावना है। फिल्मी व्यवसाय व प्रशासनिक क्षेत्रों से लाभ हासिल होगा, आप सावधानी बरतें।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म अगस्त माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो शनि देव के साथ-साथ सूर्य का प्रभाव आपको शोध कार्यों तथा वैज्ञानिक कार्यों में सफलता दिलाएगा। आग, विद्युत, विष तथा विषजनित रोगों से सावधान रहें।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म सितम्बर माह की उपर्युक्त तारीखों

...कई प्रकार के क्षेत्रों में लाभ ...पत्रकारिता तथा सिनेमा आदि के कार्यों में लाभ ...के साथ यह युति मानहानि अथवा प्रेम-सम्बंधों में विच्छेद कराएगी। दाम्पत्य जीवन में कटुता लाएगी।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म अक्टूबर माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो यह सामान्यतया मई माह जैसा ही फल देगा, किन्तु इसमें आपको भौतिक तथा वाहन आदि का सुख प्राप्त होगा। कोई भी सफेद वस्त्र धारण करें।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म नवम्बर माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो शनि के साथ मंगल की युति विस्फोटक रूप पैदा करेगी। आप कई प्रकार की परेशानियों तथा आरोपों से घिर जाएंगे। कदम-कदम पर बाधाओं का सामना करना पड़ेगा। ऐसे में आप संयम बरतें।

यदि आप दिसम्बर माह की उपर्युक्त तारीखों में जन्मे हैं तो देवगुरु बृहस्पति अति शुभ फल देंगे।

आपको राजनीति, शिक्षा, प्रतियोगिता तथा फिल्मोद्योग से लाभ हासिल होगा। आप जो कार्य करना चाहेंगे, उसी में सफलता हासिल हो जाएगी।

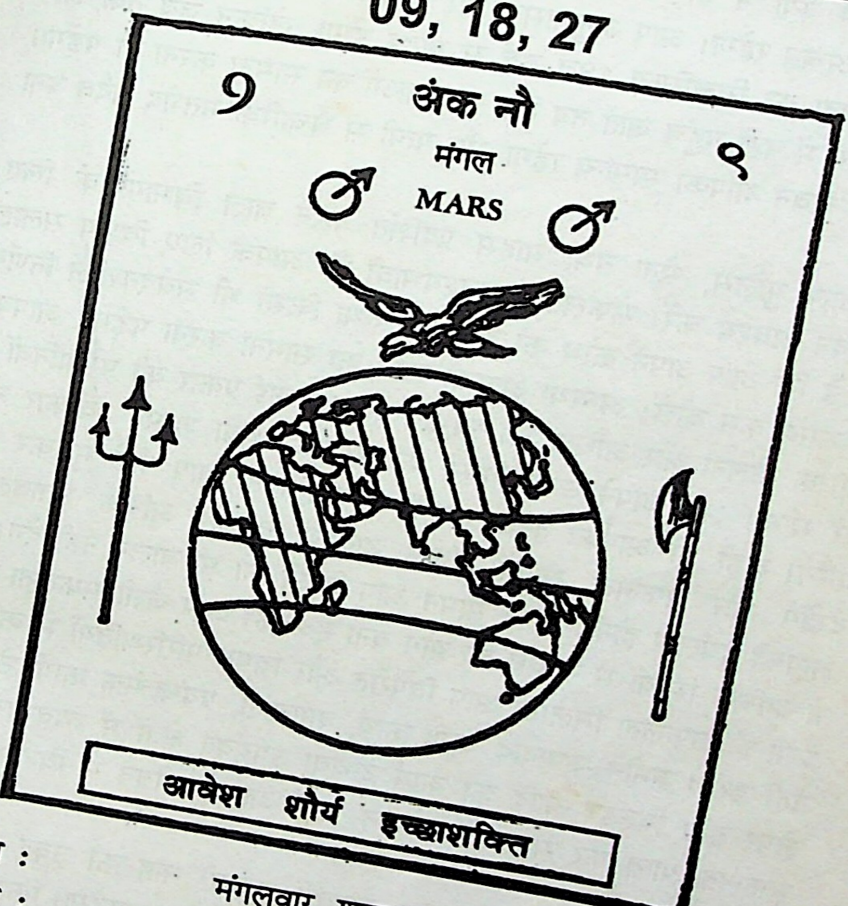
आप उपर्युक्त किसी भी माह में पैदा होने के विपरीत प्रभाव अथवा शनिदेव के कुप्रभाव से बचने के लिए प्रार्थना करें।

अंक 8 के अन्तर्गत उत्पन्न विशिष्ट व्यक्ति

एडवर्ड जेनर (वेक्सीन का आविष्कारक)	17 मई
जॉन वेजले	17 जून
डेविड लॉयड जार्ज	17 जनवरी
जोसफ चेम्बर लेन	08 जुलाई
सम्राट एल्बर्ट (बेल्जियम)	08 अप्रैल
महारानी मेरी-प्रथम (इंग्लैंड)	17 फरवरी
जे. डी. राकफेलर	08 जुलाई
रिचर्ड (प्रथम)	08 सितम्बर

अंक 9

09, 18, 27



न : मंगलवार, शुक्रवार

म : सितम्बर, मार्च, जून

श्रेष्ठ समय: प्रत्येक कैलेंडर वर्ष में 15 जनवरी से 20 मई के मध्य का समय।

वर्ष : 9, 18, 27, 35, 45, 54, 63, 72, 81, 90,

91

में हुआ है तो यह शनि, बुध की युति से आपको कई प्रकार के क्षेत्रों में लाभ दिलाएगी। शिक्षण, लेखन, पत्रकारिता तथा सिनेमा आदि के कार्यों में लाभ देगी। मंगल के साथ यह युति मानहानि अथवा प्रेम-सम्बंधों में विच्छेद कराएगी। दाम्पत्य जीवन में कटुता लाएगी।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म अक्टूबर माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो यह सामान्यतया मई माह जैसा ही फल देगा, किन्तु इसमें आपको भौतिक तथा वाहन आदि का सुख प्राप्त होगा। कोई भी सफेद वस्त्र धारण करें।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म नवम्बर माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो शनि के साथ मंगल की युति विस्फोटक रूप पैदा करेगी। आप कई प्रकार की परेशानियों तथा आरोपों से घिर जाएंगे। कदम-कदम पर बाधाओं का सामना करना पड़ेगा। ऐसे में आप संयम बरतें।

यदि आप दिसम्बर माह की उपर्युक्त तारीखों में जन्मे हैं तो देवगुरु बृहस्पति अति शुभ फल देंगे।

आपको राजनीति, शिक्षा, प्रतियोगिता तथा फिल्मोद्योग से लाभ हासिल होगा। आप जो कार्य करना चाहेंगे, उसी में सफलता हासिल हो जाएगी।

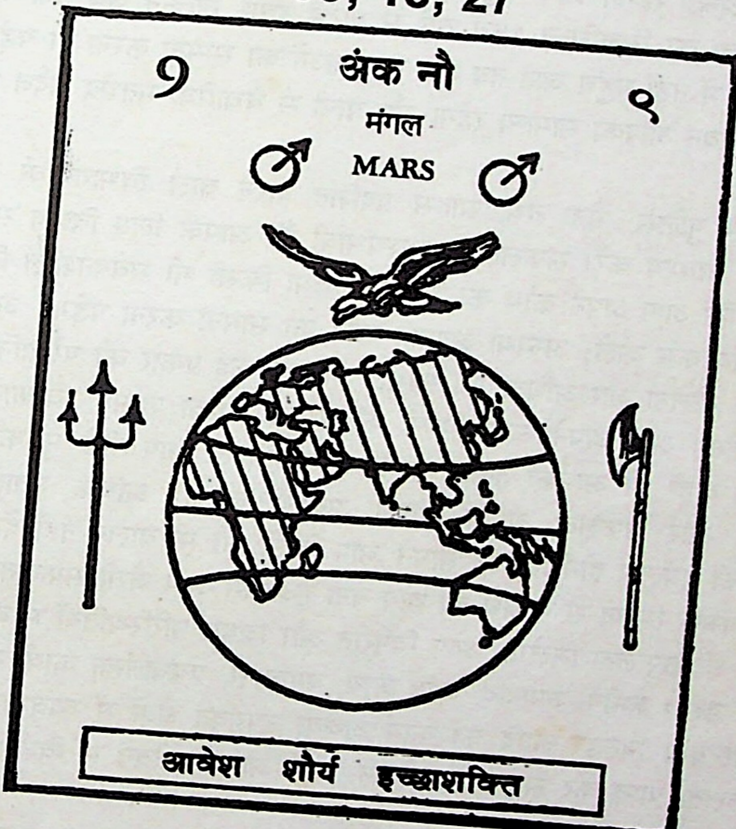
आप उपर्युक्त किसी भी माह में पैदा होने के विपरीत प्रभाव अथवा शनिदेव के कुप्रभाव से बचने के लिए प्रार्थना करें।

अंक 8 के अन्तर्गत ठत्पन्न विशिष्ट व्यक्ति

एडवर्ड जेनर (वेक्सीन का आविष्कारक)	17 मई
जॉन वेजले	17 जून
डेविड लॉयड जार्ज	17 जनवरी
जोसफ चेम्बर लेन	08 जुलाई
सम्राट एल्बर्ट (बेल्जियम)	08 अप्रैल
महारानी मेरी-प्रथम (इंग्लैंड)	17 फरवरी
जे. डी. राकफेलर	08 जुलाई
रिचर्ड (प्रथम)	08 सितम्बर

अंक 9

09, 18, 27



शुभ दिन : मंगलवार, शुक्रवार

शुभ मास : सितम्बर, मार्च, जून

वर्ष का श्रेष्ठ समय: प्रत्येक कैलेंडर वर्ष में 15 जनवरी से 20 मई के मध्य का समय।

भाग्यशाली वर्ष : 9, 18, 27, 35, 45, 54, 63, 72, 81, 90, 91।

अदम्य साहसी और पराक्रमी ग्रह पृथ्वी, मंगल आपको जीवनपर्यन्त लाभान्वित करने वाले ग्रह हैं। वर्ष पति मंगल होने के कारण आपके जीवन में यह अति लाभप्रद योग बना हुआ है। यदि आप उपर्युक्त तारीखों में पैदा हुए हैं तो आपका भाग्यांक 9 होगा। यह अंक पूर्णता का सूचक है। यह आप में साहस, निर्भीकता और कर्मठता भर देगा। कोई भी कार्य कितना ही जोखिमपूर्ण क्यों न हो उसमें आप पूर्ण कामयाबी हासिल करेंगे। आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आप अनुशासन और प्रशासन प्रिय व्यक्ति होंगे। जीवन में सफलता का सिलसिला 18वें वर्ष से प्रारंभ होगा, लेकिन जब तक आप 27वें वर्ष में नहीं पहुंच जाते तब तक समस्याओं का सामना करना ही पड़ेगा। गृहस्थ जीवन आपका सामान्य रहेगा और पत्नी से वैचारिक मतभेद सदैव बना रहेगा।

आप पुलिस, सेना तथा साहस प्रदर्शित करने वाले विभागों के लिए आवेदन अवश्य करें। सफलताएं अवश्यंभावी हैं। आपके लिए विशेष सलाह यह है कि आप अपने क्रोध को शांत रखें तथा किसी भी संवेदनशील निर्णय के समय कम बोलें; अन्यथा आपको हानि का सामना करना पड़ेगा। आपका अधिक बोलना और अधिक उग्र स्वभाव आपको कई प्रकार की परेशानियों से घेरे रहेगा। आप अपने ऊपर किसी का प्रभुत्व अथवा शासन स्वीकार नहीं करेंगे। कहीं भी आपको तैनात कर दिया जाएगा तो आप पीछे मुड़कर नहीं देखेंगे और सफलता आपके कदम अवश्य चूमेगी। अधिक उतावलापन आपकी दुर्बलता होगी। अपने सामने आप किसी को भी बोलने नहीं देंगे। एक से अधिक स्त्रियों से सम्बंध का योग बना हुआ है। आप जैसी सफलता चाहेंगे वैसी ही सफलता मिलेगी। आप विपरीत और विषम परिस्थितियों में कभी भी नहीं डरेंगे। जमीन-जायदाद, कृषि कार्य, बागवानी, प्रबंधात्मक कार्य, ठेकेदारी, शेयर तथा बिल्डर आदि का कार्य अथवा उपर्युक्त क्षेत्रों में व्यवसाय करके सफलता प्राप्त कर सकते हैं। लेखन-कार्य आपके जीवन में विशेष भूमिका अदा करेगा।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति जनवरी-फरवरी माह की उक्त तारीखों में जन्मे हैं तो आपको दुर्घटनाओं और जेबकतरों से बचना पड़ेगा। किसी भी तरह के निर्णय लेने से पहले सोच-विचार कर लें। जल्दी से किसी पर विश्वास न करें। शनि मंगल की युति अप्रत्याशित परिणाम दिलाएगी।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म मार्च माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो यह अति लाभप्रद योग बना हुआ है। आपके लिए शिक्षण कार्य,

लेखन, प्रकाशन तथा संपादन अति लाभप्रद रहेगा। आप न्यायाधीश, वकील, राजदूत आदि बन सकते हैं अथवा सरकार के प्रमुख स्रोतों अथवा क्षेत्रों से लाभ हासिल होगा। मंगल के साथ यह युति आपको लाभ मार्ग प्रशस्त करेगी।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म अप्रैल माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो ऐसे में आपको लाभ ही लाभ है। सेना अथवा प्रशासकीय विभाग में आपको सर्विस हेतु आवेदन अवश्य करना चाहिए। जमीन-जायदाद और अग्नितत्त्व प्रधान कार्यों में आप विशेष लाभ और सम्मान हासिल करेंगे। इस अवधि में आप विवाद आदि में न पड़ें।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म मई माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो आपको मंगल के साथ-साथ शुक्र का प्रभाव विशेष भूमिका अदा करेगा। आपके लिए यह धनदायक योग है।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म जून माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो यह आपके लिए सामान्य ही रहेगा। व्यवसाय ठीक रहेगा, किन्तु मानहानि से बचना चाहिए।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म जुलाई, अगस्त या सितम्बर माह की उपर्युक्त तारीखों में हुआ है तो यह समय सामान्यतया अच्छा ही रहेगा। आपकी स्वतंत्र विचारधारा रंग लाएगी। शोधपरक कार्य अच्छे रहेंगे, लेखन में अच्छी रुचि रहेगी और विविधता आएगी।

यदि इस अंक वाले व्यक्ति का जन्म अक्टूबर, नवम्बर या दिसम्बर में हुआ है तो परिणाम अच्छे ही प्राप्त होंगे, क्योंकि मंगल के साथ शुक्र, मंगल और गुरु आपके लिए कारक ग्रह हैं। इनकी आपस में, विशेषकर मंगल के साथ कोई वैमनस्यता नहीं है।

आप लाभ-ही-लाभ प्राप्त करते जाएंगे। पत्रकारिता, दूरसंचार विभाग तथा प्राध्यापन के क्षेत्र में सफलता हासिल कर सकते हैं।

अंक 9 के अन्तर्गत उत्पन्न विशिष्ट व्यक्ति

एडवर्ड सप्तम	09 नवम्बर
जार्ज स्टीफन (रेल इंजन का आविष्कारक)	09 नवम्बर
सम्राट निकोलस द्वितीय (रूस)	18 मई
ग्रोवर क्लीव लैंड (अमेरिका)	18 मार्च
अर्नेस्ट रेनना	27 फरवरी
कैसर विल्हैल्म (जर्मनी)	27 फरवरी

अक्षरों का महत्त्व और प्रभाव

A-(ए) अक्षर का महत्त्व

यह अंग्रेजी वर्णमाला का प्रथम अक्षर है। यह व्यक्ति की गुणवत्ता के लिए विख्यात है। इस A शब्द से प्रारम्भ होने वाला प्रत्येक मनुष्य चाहे वह स्त्रियां या पुरुष हों, उनमें अच्छाई अधिक होती है और वे दूसरों का सुख-दुःख बांटने के लिए बड़ी सहजता से तैयार हो जाते हैं। यही कारण है कि जिन व्यक्तियों के नाम का प्रथम अक्षर A होता है वे लोग गंभीर और सभ्य एवं समर्पित होते हैं। इनकी प्रवृत्ति होती है, रचनात्मक कार्य क्षमता।

B-(बी) अक्षर का महत्त्व

जिन लोगों के नाम का पहला अक्षर B होता है ऐसे व्यक्ति तर्क प्रधान नहीं होते हैं और ये लोग किसी भी प्रकार के वाद-विवाद में उलझना नहीं चाहते, अपितु उससे बचने में खुशी महसूस करते हैं। इन लोगों की विशिष्टता होती है कि वे अपने सीमित ज्ञान के माध्यम से ही लोकप्रियता प्राप्त करने एवं स्वतंत्र निर्णय लेने में भी सक्षम होते हैं। ऐसे व्यक्ति भावुक नहीं, बल्कि गुमसुम-से रहने वाले होते हैं।

C-(सी) अक्षर का महत्त्व

इस अक्षर से नाम शुरू होने वाले व्यक्ति की विशेषता यह होती है कि ऐसे व्यक्ति अपनी धुन के पक्के होते हैं और जिस काम को हाथ में लेते हैं उसे पूरा करके ही छोड़ते हैं। इनके कार्यक्षेत्र में अगर कोई भी विरोध होता है तो वह अपनी जिद्द पर अड़ जाते हैं और अपना लोहा मनवा कर रहते हैं। अपनी दूरदर्शिता और कठोर त्याग के कारण ऐसे व्यक्ति का दिमाग बराबर सक्रिय रहता है। ऐसी हस्तियां संसार में प्रसिद्धि प्राप्त करती हैं।

D-(डी) अक्षर का महत्त्व

अंग्रेजी वर्णमाला का यह अक्षर अपने आत्मविश्वास के लिए विख्यात

माना जाता है। इस अक्षर से शुरू होने वाले नाम के व्यक्ति लगातार संघर्षरत रहते हैं। बात को कम और सटीक बोलने में माहिर होते हैं। इन्हें जो काम दिया जाता है वह अंतिम समय तक सक्रिय रूप से करते हैं।

E-(ई) अक्षर का महत्त्व

इस अक्षर से जिन व्यक्तियों के नाम शुरू होते हैं उनका जीवन एक तरह से खुली किताब होता है। एकदम निष्पक्ष और दो टूक। बहिर्मुखी प्रवृत्ति की वजह से ये अपनी गोपनीय बात भी छिपा नहीं पाते हैं। ऐसे लोग सच्चाई कहने में दक्ष होते हैं; बात चाहे कितनी भी बडी क्यों न हो। इसी बात से उन्हें सफलता भी मिलती है।

—एजिलाबेथ ब्रिटेन की महारानी हैं। उनके व्यक्तित्व की चर्चा विश्व में होती है।

—कोक वंश की सबसे रईस महिला सम्राट जान की बेटी जेन का दुगुनी आयु का पति एलन बरो (ELLEN BOROUGH) जो विश्व में प्रसिद्ध है।

F-(एफ) अक्षर का महत्त्व

अंग्रेजी वर्णमाला के इस छठे अक्षर से शुरू होने वाले नाम की व्यवस्था ऐसी है कि ये व्यक्ति परोपकारी होते हैं। इनकी ईमानदारी की आदत ही इनको अपने परिवार में जुटे रहने की बाध्यता है। समाज में ऐसे लोगों की अपनी प्रतिष्ठा होती है। नैतिकता को ये विशेष महत्त्व देते हैं।

G-(जी) अक्षर का महत्त्व

इस शब्द का प्रतीक चरित्र से ताल्लुक रखता है। जिस व्यक्ति का नाम इस शब्द से शुरू होता है, वह आत्मविश्वास का स्वामी होता है। ऐसे व्यक्ति बड़े ही योजनाबद्ध तरीके से कार्य करते हैं। इनकी नैतिकता के गुण के कारण ही लोग इनसे प्रभावित रहते हैं।

—जर्मनी शब्द में भी G अक्षर का प्रयोग होता है। यह देश कितना प्रगतिशील है यह कहने की आवश्यकता नहीं।

—ग्रीन अक्षर हरियाली से सम्बंध रखता है जो आंखों को प्रिय होता है।

—फ्रांस के सम्राट गुस्ताउस अडोल्पस विश्व के प्रसिद्ध व्यक्ति थे।

H-(एच) अक्षर का महत्त्व

जिन लोगों के नाम का पहला अक्षर H होता है वैसे व्यक्ति बहुत ही समझदारी से काम करते हैं। उनमें थोड़ा दिखावा जरूर होता है, किन्तु फिर जिक क्षेत्र में वे सफलता जरूर अर्जित कर लेते हैं। साथ ही इस

...शुरू होने वाले व्यक्ति अपनी गतिशीलता की वजह से लक्ष्य को भी प्राप्त कर लेते हैं।

– H अक्षर से 'हाई' बना हुआ है जिसका अर्थ होता है, ऊंचा।

– HUBY LONG (हबी लॉन्ग) लाउसीयाना राज्य के निवासी और अमेरिका के राष्ट्राध्यक्ष जिनकी अपने ही सुरक्षा गार्ड ने हत्या कर दी थी।

I- (आई) अक्षर का महत्त्व

यह अंग्रेजी वर्णमाला का नवां अक्षर है। इस नाम से शुरू होने व्यक्ति का स्वभाव गंभीर प्रवृत्ति का होता है। इनकी बोलचाल में अधिकार का पुट होता है। आत्मविश्वास की वजह से ही ये व्यक्ति अपने क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर लेते हैं। धैर्य रखने में इनकी कोई मिसाल नहीं है।

—आई अक्षर से शुरू होने वाले देश में IRAQ भी आता है और IRAN भी। छोटे देश होने के बावजूद इन्होंने विश्व भर में अपनी धाक जमा रखी है।

—बांग्लादेश का जनरल (IRSHAD) के नाम का पहला अक्षर भी आई ही है। इन्हें वहशी राष्ट्रपति के रूप में जाना जाता है।

J- (जे) अक्षर का महत्त्व

यह अक्षर जिन व्यक्तियों के नाम से शुरू होता है वे विश्व प्रसिद्ध व्यक्ति होते हैं। आयरलैंड के किलकेनी नगर की महिला जिसके पति लगातार मरते रहे, चौथे पति का नाम था जॉन पोएर। यह महिला ऐय्याश महिला के नाम से विश्व में प्रसिद्ध हुई। इस अक्षर का प्रभाव ऐसा है कि कोई भी व्यक्ति, चाहे पुरुष हो या स्त्री, उसे ऐय्याश होना ही है। इस अक्षर के नाम वाले को आजादी चाहिए। ये किसी एक से बंधकर नहीं रह सकते।

—जेन डिग्वी, जिसने 16 वर्ष की आयु में दुगुनी उम्र के पुरुष के साथ विवाह करके विश्व जगत में तहलका मचा दिया था।

—यू.एस.ए. के राष्ट्रपति का नाम भी जॉन एफ. कैनेडी था जो विश्व में विख्यात थे। उन्हें षड्यंत्र के तहत मारा गया था।

K- (के) अक्षर का महत्त्व

इस अक्षर से जिनका नाम शुरू होता है उनका समस्त जीवन निराशा और ...ा से भरा होता है, परिणामस्वरूप वे अपना ही अहित कर बैठते हैं। ... और हृदय की विशालता ही इनके लिए संकट का कारण बनती है। ...न के लोगों में अचानक ही कुछ-न-कुछ घटता रहता है जिससे हमेशा

जीवन के सफर में संशय बना रहता है।

—इस अक्षर से शुरू होने वाले नाम में एक नाम चार्ल्स के. कैरी का भी आता है जो विश्व में अपराध जगत का बेताज बादशाह था। उसके अपराध करने के किस्से विश्व प्रसिद्ध हैं।

चीन के सम्राट के भाई राजकुमार कुंग (**KUNG**) का नाम भी K अक्षर से शुरू होता है। कुंग इतिहास में एक विख्यात हस्ती का नाम है।

—दक्षिणी अफ्रीका के राष्ट्रपति कालांस अंतानियो के नाम में भी K अक्षर का प्रयोग हुआ है।

KITE पतंग भी आकाश में स्वच्छंद रूप से विचरण करती है।

L- (एल) अक्षर का महत्त्व

यह अक्षर दार्शनिक एवं सहिष्णुता वाला है। इस अक्षर के नाम वाले व्यक्ति में भावुकता भी होती है। जिन व्यक्तियों के नाम इस अक्षर से शुरू होता है वे व्यक्ति श्रेष्ठ कार्यों में व्यस्त रहते हैं। लगातार संघर्ष करके मंजिल हासिल करना, इस अक्षर का प्रभाव है। इसके साथ इनके कार्य-व्यवहार में नवीनता का प्रबल महत्त्व रहता है। इसी कारण सफलता भी इनके कदम चूमती है।

M- (एम) अक्षर का महत्त्व

अंग्रेजी का यह अक्षर उलटा-पुलटा की स्थिति में है। इस अक्षर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि चाहे जिस क्षेत्र में हो, इस नाम के प्रथम अक्षर वाला व्यक्ति सफल होता ही है। बहुत कम देखने में आएगा कि इस अक्षर के नाम वाला व्यक्ति फटेहाल है। इस अक्षर वाले व्यक्तियों की चर्चा खूब होती है। 'सादा जीवन-उच्च विचार' इनके जीवन का मुख्य स्वभाव होता है। कभी-कभी यही स्वभाव इनके लिए अभिशाप भी बन जाता है। ये अपनी ात को चाहकर भी छिपा नहीं पाते हैं। दरअसल, यह इसलिए होता है कि खरी-खोटी बातें सुना देते हैं जिससे दूसरे लोग रुष्ट हो जाते हैं। इनके वन में सफलता और असफलता, दोनों ही प्रभावी रहती हैं।

—M अक्षर वाला व्यक्ति मैनुएल गोदाय (**MANUAL GODOY**) 1792 25 साल की अवस्था में स्पेन का प्रधानमंत्री बना। यह संसार की विश्व द्ध घटना है।

—विश्व के हैरतअंग्रेज कारनामों में मारथा तथा रेमंड नाम के क्रूर हत्यारों : ाम विश्व में प्रसिद्ध है। मारथा स्पेन के अपराधिक इतिहास में आज भी

दर्ज है। दरअसल M अक्षर चरम शिखर पर पहुंचाने वाला अक्षर है। क्षेत्र चाहे अच्छा हो या बुरा।

N-(एन) अक्षर का महत्त्व

यह विडम्बना ही है कि N अक्षर से शुरू होने वाला नाम ऐसे व्यक्तियों का होता है जो प्रभावशाली तो होते ही हैं, साथ ही उन पर प्रभावशाली व्यक्तियों के वरदहस्त भी होते हैं। किन्तु उनका सारा जीवन संघर्ष करते हुए बीतता है। त्याग और बलिदान इस अक्षर की महानता है। इन्हीं सब बाधाओं के चलते इस अक्षर के नाम वाला व्यक्ति सादगी भरा जीवन व्यतीत करता है।

–इतिहास में विश्व प्रसिद्ध व्यक्ति का नाम है नेपोलियन। यह N अक्षर की ही महानता है।

–दूसरा विश्व प्रसिद्ध नाम है, रोम के मशहूर नर्तक नेस्टर (NESTER) का।

O-(ओ) अक्षर का महत्त्व

अंग्रेजी वर्णमाला का यह अक्षर शून्य के समान है। इसका महत्त्व अपने आप कम है परन्तु जिसके साथ यह जुड़ जाता है, उसका महत्त्व दस गुना तो बढ़ ही जाता है, साथ ही यह उच्च महत्त्वाकांक्षा का प्रतीक भी है। हालांकि इस अक्षर से नाम शुरू होने वाले व्यक्तियों के मित्र बहुत कम होते हैं, फिर भी इन्हें उनसे भी धोखा ही मिलता है। इस अक्षर से शुरू होने वाले व्यक्ति धीरे-धीरे सुलझते नहीं, बल्कि पूरी चमक-दमक के साथ जीवन गुजारना पसंद करते हैं।

–O अक्षर से शुरू होने वाला नाम है ब्रिटेन के वामपंथी विचारधारा के नेता ओसवाल्ड मोस्ले **(OSWALD MOSLEY)** का। यह नाम विश्व के इतिहास में प्रसिद्ध है।

–ऑक्सीजन भी O अक्षर से शुरू होता है। हम सब जानते हैं कि ऑक्सीजन के बिना मनुष्य का जीवन बच नहीं सकता। इसका प्रभाव व्यापक स्तर पर है।

P- (पी) अक्षर का महत्त्व

अंग्रेजी वर्णमाला का यह अक्षर रहस्यपूर्ण अक्षर है। इस अक्षर से नाम शुरू होने वाला व्यक्ति भयंकर उथल-पुथल के बावजूद शांत नजर आता है। यह सुख-दु:ख जानने का गुणवान अक्षर माना जाता है। इस अक्षर की श्रेष्ठता

यह है कि यह न तो किसी की निंदा पसन्द करता है, न ही बुरे विचारों को पास फटकने देता है। चाहे जितनी भी कठिनाई मन में हो, लेकिन चेहरे पर शिकन नहीं होगी। इस अक्षर वाले शांत और सुनसान स्थान को अधिक महत्त्व देते हैं।

—P अक्षर से शुरू होने वाले नाम में एक नाम विश्व प्रसिद्ध रोम के सेनापति पोम्पे **(POMPEY)** का है, जिनके बारे में विश्व का इतिहास भरा हुआ है।

Q-(क्यू) अक्षर का महत्त्व

यह अक्षर अंग्रेजी वर्णमाला का सत्रहवां अक्षर है। Q अक्षर अपनी बनावट और आकार के अनुसार उन व्यक्तियों के लिए विशेष महत्त्व रखता है जो सहृदय और ईमानदार होते हैं। इनका दूसरा प्रतीक है भावुक प्रवृत्ति और निश्चितं लक्ष्य की प्राप्ति। इस अक्षर वाले व्यक्ति किसी-न-किसी प्रशासन में होते हुए भी न तो किसी का हस्तक्षेप पंसद करते हैं और न ही किसी दूसरे के काम में हस्तक्षेप करते हैं। इस अक्षर से शुरू होने वाले नामवालों का जीवन बड़ा ही सुव्यवस्थित होता है। ये लगातार प्रगति करते रहते हैं। एक विशेष गुण भी इनमें होता है, वह यह कि ये कभी भी अपने जीवन में अहंकार या घमंड नहीं रखते हैं।

R-(आर) अक्षर का महत्त्व

यह अक्षर अंग्रेजी वर्णमाला का अट्ठारहवां अक्षर है। इसकी रचना और बनावट इस बात का प्रतीक है कि इस अक्षर से शुरू होने वाले नाम का व्यक्ति श्रेष्ठ एवं प्रभावशाली होता है। इस व्यक्ति की मधुरता किसी को भी अपना बना लेने की क्षमता रखती है। इसी वजह से ऐसे आदमी किसी भी आदमी से अपना काम बड़ी सहजता से निकाल लेते हैं; चाहे कोई बड़ा अधिकारी हो या राजनेता। हां! इस नाम से शुरू होने वाले व्यक्ति अपने स्वार्थ के प्रति अधिक उत्साहित रहते हैं परन्तु अपनी स्वार्थपूर्ति के बाद भी इस अक्षर के नाम वाले व्यक्ति परोपकारी बने रहते हैं। इस अक्षर के नाम वाले व्यक्ति की आयु जैसे-जैसे आगे बढ़ने लगती है वैसे-वैसे उसका मान-सम्मान भी बढ़ने लगता है। ऐसे व्यक्ति जीवन में सफल व्यक्तियों के नाम से जाने जाते हैं।

—इस नाम की विश्व प्रसिद्ध महिला शिक्षक प्रोफेसर रीनेट राइमिक थीं जो जर्मनी की आतंकवादी अलरिक मेनहार्फ का पालन-पोषण भी करती थी

...की जनता में अति लोकप्रिय

S-(एस) अक्षर का महत्त्व

...व्यक्तियों का नाम S अक्षर से शुरू होता है, वे अपनी हंसमुख छवि के चलते दोस्त बनाने की कला में बड़े ही चतुर होते हैं। इनकी प्रतिभा दूसरों के सहारे लाभ उठाने की होती है। इनका जन-सम्पर्क व्यापक स्तर पर होता है। लेकिन, अपने किसी भी स्वतंत्र निर्णय को लेने में ये बहुत ही कमजोर होते हैं। इस अक्षर के नाम वाले व्यक्ति दूसरे को लाभ पहुंचाने में अधिक दिलचस्पी लेते हैं। इनका साफ-साफ बोलना भी कभी-कभी बदनामी का कारण बन जाता है और यही बदनामी दोषारोपण के रूप में भयंकर भी सिद्ध हो सकती है।

–इस अक्षर वाला नाम विश्व प्रसिद्ध तानाशाह राष्ट्रपति सोलैनो लोपेज **(SOLANO LOPEZ)** का है, जो बोलीविया के राष्ट्रपति माने जाते हैं।

–दूसरा नाम सिकन्दर का आता है जिसने सम्पूर्ण विश्व को जीतने का सपना देखा था।

T-(टी) अक्षर का महत्त्व

अंग्रेजी वर्णमाला का ये बीसवां अक्षर सबसे श्रेष्ठ माना जाता है। इस अक्षर से शुरू होने वाले व्यक्ति कभी भी गलत काम नहीं करते हैं। अपनी इसी विशिष्टता के बल पर ये लोग स्वतंत्र निर्णय लेने में पूर्णतया समर्थ पाए जाते हैं। आध्यात्मिक रूप से ये लोग अपने साधनों को मित्रों में बांट देते हैं और स्वयं दुःख झेलने में विश्वास करते हैं।

T अक्षर वाले व्यक्ति प्रायः चिर-परिचित क्षेत्र में अच्छी प्रसिद्धि प्राप्त करते हैं। साथ-ही-साथ ये लोग किसी के दबाव में काम नहीं करते हैं।

T अक्षर से अमेरिका के राष्ट्रपति टापट का नाम शुरू होता है। विश्व में प्रभुसत्ता को कायम रखने के लिए यह अन्य देशों को घुड़की देता रहा।

U-(यू) अक्षर का महत्त्व

इस अक्षर के नाम वाले व्यक्ति नये-नये कार्य करने में अग्रणी रहते हैं। नव-फैशन की उपलब्धियां भी इन्हीं की देन मानी जाती हैं। यह नित्य प्रति नए-नए अनुसंधानों में व्यस्त रहते हैं। इस अक्षर वाले व्यक्तियों की एक बात हैरत में जलने लायक होती है कि ये भविष्य के प्रति लापरवाह होते हैं, लेकिन उसी अनुपात में भविष्य के प्रति सतर्कता भी बरतते हैं। जीवनकाल के

स्वर्णिम पक्ष की ओर अधिक ध्यान देने के कारण यह
कतराते भी नहीं हैं।

–विश्व प्रसिद्ध हिटलर की प्रेमिका युनिटी वाकुर मि
WAKUR MITFORD) का नाम उल्लेखनीय है। यह म
1914 को जन्मी थी। 15 साल की किशोरावस्था में ही इ
राजनीति में अपना असर दिखाना शुरू कर दिया था।

–दूसरा नाम है विश्व प्रसिद्ध कवि यूजीन फील्ड (UZEE
का। यह भी विश्व प्रसिद्ध हस्ती माने जाते हैं।

V- (वी) अक्षर का महत्त्व

जिन व्यक्तियों के नाम का पहला अक्षर V होता है वे दूसरों का
तो खूब करते हैं, पर इसके बदले अपना सम्मान भी चाहते हैं।
हीनभावना के कारण हर हाल में अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करना चाहते हैं
लोगों में एक खास बात यह होती है कि ये लच्छेदार बातें करके किसी
भी प्रभावित कर लेते हैं।

–इस नाम वाले व्यक्तियों में विश्व प्रसिद्ध सम्राट विक्टर इमानुएल तृतीय
है जिनके बारे में इतिहासकारों का कहना है कि वे राज्य के कार्यों में बहुत
ण थे।

–महारानी विक्टोरिया भी एक ख्याति प्राप्त नाम है।

W- (डब्ल्यू) अक्षर का महत्त्व

अक्षर से शुरू होने वाला नाम परिश्रम में विश्वास रखने वाला होता
किसी भी खतरे से विचलित नहीं होते हैं और अक्सर खतरा उठाने
होते हैं। इस नाम के व्यक्ति को धैर्य और कर्मठता का परिचायक
है, हां! ऐसे व्यक्ति वृद्धावस्था में कष्ट जरूर पाते हैं।
AM BATING) विलियम बैटिंग विश्व प्रसिद्ध कवि हैं, इनकी
में आज भी अपनी धाक जमाए हुए हैं।
HESTINGS) वारेन हेस्टिंग्स का नाम विश्व के इतिहास में
है।

X- (एक्स) अक्षर का महत्त्व

का यह अक्षर दिखावा और बनावटी
त लापरवाह और आल
करने में

...कभी भी गड़बड़ा सकता है।

–इस अक्षर से शुरू होने वाले व्यक्तियों में विश्व प्रसिद्ध फ्रांसीसी अफसर जेवियर क्वात्रिफेजेस (**XAIER QUATRI FAGES**) का नाम आता है।

–दूसरा नाम फ्रांस की महारानी जैसेफीन (**XASEY FEEN**) का है। इनके राजनीतिक कार्य आज भी विश्व के इतिहास में महत्त्वपूर्ण माने जाते हैं।

Y-(वाई) अक्षर का महत्त्व

अंग्रेजी वर्णमाला का यह अक्षर जिन व्यक्तियों के नामों से शुरू होता है, वे व्यक्ति स्वभाव से अपने–आपमें मस्त रहने वाले होते हैं। इनके जीवन में अगर किसी ने कोई उपकार कर दिया तो ये लोग लम्बे समय तक उसी की याद में खोए रहते हैं। इसके बावजूद ऐसे व्यक्ति अपनी विशिष्टता से अलग पहचान बनाने में सफल हो जाते हैं। इनके जीवन में उतार–चढ़ाव खूब आता है। हां! ऐसे लोगों की वृद्धावस्था अधिक अच्छी नहीं रहती है।

–इस अक्षर वाले व्यक्तियों में सबसे पहला नाम यासर अराफात (**YASER ARAFAAT**) का है, जो विश्व की मानी हुई हस्ती हैं।

Z-(जैड) अक्षर का महत्त्व

अंग्रेजी के इस अक्षर से शुरू होने वाले नाम के व्यक्ति अपने मित्रों की बजाय शत्रुओं से घिरे रहते हैं। इनकी जरा–सी नाराजगी सारा जीवन इनका पीछा नहीं छोड़ती है। इस अक्षर से शुरू होने वाले नाम का व्यक्ति तर्क से नहीं सोचता है और बड़ा ही आलसी होता है। साथ ही तुकमिजाज भी होता है। हां! कूटनीति में इनका कोई सानी नहीं होता है।

–इस अक्षर से शुरू होने वाले नाम में विश्व प्रसिद्ध नाम जोन ऑफ आर्क (ZONE OF ARK) का है जो विश्व की जानी–मानी हस्ती समझे जाते हैं।

■■

आपकी जन्मतिथि और राशि

अब यह जानना भी जरूरी है कि किस माह में कौन-सी तिथि से
तिथि तक कौन-सी राशि स्थित होती है। इन दिनों में जन्मा व्यक्ति उस
से अवश्य ही प्रभावित होता है।

क्र. सं.	नाम का पहला अक्षर	राशि	अंग्रेजी नाम
1.	21 मार्च से 20 अप्रैल तक	मेष	ARIES
2.	21 अप्रैल से 20 मई तक	वृष	TAURUS
3.	21 मई से 20 जून तक	मिथुन	GEMINI
4.	21 जून से 20 जुलाई तक	कर्क	CANCER
5.	21 जुलाई से 20 अगस्त तक	सिंह	LEO
6.	21अगस्त से 22 सितम्बर तक	कन्या	VIRGO
7.	23 सितम्बर से 22 अक्टूबर तक	तुला	LIBRA
8.	23 अक्टूबर से 22 नवम्बर तक	वृश्चिक	SCORPIO
9.	23 नवम्बर से 20 दिसम्बर तक	धनु	SAGITTARIUS
10.	21 दिसम्बर से 19 जनवरी तक	मकर	CAPRICON
11.	20 जनवरी से 18 फरवरी तक	कुम्भ	AQUARIUS
12.	19 फरवरी से 20 मार्च तक	मीन	PISCES

अब राशियों के समय के बाद उनसे प्रभावित लोगों को भी जान लेना भी
यक है। हर एक राशि में जन्मे व्यक्ति की विशिष्टता होती है और
विशिष्टता का प्रभाव भी उस व्यक्ति के व्यक्तित्व में झलकता है।

परन्तु आतंकवादी होते हुये भी यह महिला जर्मनी की जनता में अति लोकप्रिय थी।

S- (एस) अक्षर का महत्त्व

जिन व्यक्तियों का नाम S अक्षर से शुरू होता है, वे अपनी हंसमुख छवि के चलते दोस्त बनाने की कला में बड़े ही चतुर होते हैं। इनकी प्रतिभा दूसरों के सहारे लाभ उठाने की होती है। इनका जन-सम्पर्क व्यापक स्तर पर होता है। लेकिन, अपने किसी भी स्वतंत्र निर्णय को लेने में ये बहुत ही कमजोर होते हैं। इस अक्षर के नाम वाले व्यक्ति दूसरे को लाभ पहुंचाने में अधिक दिलचस्पी लेते हैं। इनका साफ-साफ बोलना भी कभी-कभी बदनामी का कारण बन जाता है और यही बदनामी दोषारोपण के रूप में भयंकर भी सिद्ध हो सकती है।

–इस अक्षर वाला नाम विश्व प्रसिद्ध तानाशाह राष्ट्रपति सोलैनो लोपेज **(SOLANO LOPEZ)** का है, जो बोलीविया के राष्ट्रपति माने जाते हैं।

–दूसरा नाम सिकन्दर का आता है जिसने सम्पूर्ण विश्व को जीतने का सपना देखा था।

T- (टी) अक्षर का महत्त्व

अंग्रेजी वर्णमाला का ये बीसवां अक्षर सबसे श्रेष्ठ माना जाता है। इस अक्षर से शुरू होने वाले व्यक्ति कभी भी गलत काम नहीं करते हैं। अपनी इसी विशिष्टता के बल पर ये लोग स्वतंत्र निर्णय लेने में पूर्णतया समर्थ पाए जाते हैं। आध्यात्मिक रूप से ये लोग अपने साधनों को मित्रों में बांट देते हैं और स्वयं दुःख झेलने में विश्वास करते हैं।

T अक्षर वाले व्यक्ति प्रायः चिर-परिचित क्षेत्र में अच्छी प्रसिद्धि प्राप्त करते हैं। साथ-ही-साथ ये लोग किसी के दबाव में काम नहीं करते हैं।

T अक्षर से अमेरिका के राष्ट्रपति टापट का नाम शुरू होता है। विश्व में प्रभुसत्ता को कायम रखने के लिए यह अन्य देशों को घुड़की देता रहा।

U- (यू) अक्षर का महत्त्व

इस अक्षर के नाम वाले व्यक्ति नये-नये कार्य करने में अग्रणी रहते हैं। नव-फैशन की उपलब्धियां भी इन्हीं की देन मानी जाती हैं। यह नित्य प्रति नए-नए अनुसंधानों में व्यस्त रहते हैं। इस अक्षर वाले व्यक्तियों की एक बात हैरत में जलने लायक होती है कि ये भविष्य के प्रति लापरवाह होते हैं, लेकिन उसी अनुपात में भविष्य के प्रति सतर्कता भी बरतते हैं। जीवनकाल के

स्वर्णिम पक्ष की ओर अधिक ध्यान देने के कारण यह लोग सच कहने से कतराते भी नहीं हैं।

–विश्व प्रसिद्ध हिटलर की प्रेमिका युनिटी वाकुर मिटफोर्ड (UNITY WAKUR MITFORD) का नाम उल्लेखनीय है। यह महिला 8 अगस्त, 1914 को जन्मी थी। 15 साल की किशोरावस्था में ही इसने जर्मनी की राजनीति में अपना असर दिखाना शुरू कर दिया था।

–दूसरा नाम है विश्व प्रसिद्ध कवि यूजीन फील्ड (UZEEN FIELD) का। यह भी विश्व प्रसिद्ध हस्ती माने जाते हैं।

V- (वी) अक्षर का महत्त्व

जिन व्यक्तियों के नाम का पहला अक्षर V होता है वे दूसरों का सम्मान तो खूब करते हैं, पर इसके बदले अपना सम्मान भी चाहते हैं। अपनी हीनभावना के कारण हर हाल में अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करना चाहते हैं। इन लोगों में एक खास बात यह होती है कि ये लच्छेदार बातें करके किसी को भी प्रभावित कर लेते हैं।

–इस नाम वाले व्यक्तियों में विश्व प्रसिद्ध सम्राट विक्टर इमानुएल तृतीय का है जिनके बारे में इतिहासकारों का कहना है कि वे राज्य के कार्यों में बहुत निपुण थे।

–महारानी विक्टोरिया भी एक ख्याति प्राप्त नाम है।

W- (डब्ल्यू) अक्षर का महत्त्व

इस अक्षर से शुरू होने वाला नाम परिश्रम में विश्वास रखने वाला होता है और ये किसी भी खतरे से विचलित नहीं होते हैं और अक्सर खतरा उठाने में माहिर होते हैं। इस नाम के व्यक्ति को धैर्य और कर्मठता का परिचायक समझा जाता है, हां! ऐसे व्यक्ति वृद्धावस्था में कष्ट जरूर पाते हैं।

(WILLAM BATING) विलियम बैटिंग विश्व प्रसिद्ध कवि हैं, इनकी किताबें विश्व में आज भी अपनी धाक जमाए हुए हैं।

(WAREN HESTINGS) वारेन हेस्टिंग्स का नाम विश्व के इतिहास में बड़ा महत्त्वपूर्ण है।

X- (एक्स) अक्षर का महत्त्व

अंग्रेजी वर्णमाला का यह अक्षर दिखावा और बनावटीपन का प्रतीक है। इस अक्षर वाले व्यक्ति लापरवाह और आलसी होते हैं। अपनी प्रतिष्ठा और सम्पत्ति के झूठे बखान करने में अग्रणी होते हैं। इस अक्षर वाले व्यक्ति गैर

जिम्मेदार भी होते हैं। इनका भविष्य कभी भी गड़बड़ा सकता है।

–इस अक्षर से शुरू होने वाले व्यक्तियों में विश्व प्रसिद्ध फ्रांसीसी अफसर जेवियर क्वात्रिफेजेस **(XAIER QUATRI FAGES)** का नाम आता है।

–दूसरा नाम फ्रांस की महारानी जैसेफीन **(XASEY FEEN)** का है। इनके राजनीतिक कार्य आज भी विश्व के इतिहास में महत्त्वपूर्ण माने जाते हैं।

Y- (वाई) अक्षर का महत्त्व

अंग्रेजी वर्णमाला का यह अक्षर जिन व्यक्तियों के नामों से शुरू होता है, वे व्यक्ति स्वभाव से अपने–आपमें मस्त रहने वाले होते हैं। इनके जीवन में अगर किसी ने कोई उपकार कर दिया तो ये लोग लम्बे समय तक उसी की याद में खोए रहते हैं। इसके बावजूद ऐसे व्यक्ति अपनी विशिष्टता से अलग पहचान बनाने में सफल हो जाते हैं। इनके जीवन में उतार–चढ़ाव खूब आता है। हां! ऐसे लोगों की वृद्धावस्था अधिक अच्छी नहीं रहती है।

–इस अक्षर वाले व्यक्तियों में सबसे पहला नाम यासर अराफात **(YASER ARAFAAT)** का है, जो विश्व की मानी हुई हस्ती हैं।

Z- (जैड) अक्षर का महत्त्व

अंग्रेजी के इस अक्षर से शुरू होने वाले नाम के व्यक्ति अपने मित्रों की बजाय शत्रुओं से घिरे रहते हैं। इनकी जरा–सी नाराजगी सारा जीवन इनका पीछा नहीं छोड़ती है। इस अक्षर से शुरू होने वाले नाम का व्यक्ति तर्क से नहीं सोचता है और बड़ा ही आलसी होता है। साथ ही तुकामिजाज भी होता है। हां! कूटनीति में इनका कोई सानी नहीं होता है।

–इस अक्षर से शुरू होने वाले नाम में विश्व प्रसिद्ध नाम जोन ऑफ आर्क (ZONE OF ARK) का है जो विश्व की जानी–मानी हस्ती समझे जाते हैं।

■■

आपकी जन्मतिथि और राशि

अब यह जानना भी जरूरी है कि किस माह में कौन-सी तिथि से किस तिथि तक कौन-सी राशि स्थित होती है। इन दिनों में जन्मा व्यक्ति उस राशि से अवश्य ही प्रभावित होता है।

क्र. सं.	नाम का पहला अक्षर	राशि	अंग्रेजी नाम
1.	21 मार्च से 20 अप्रैल तक	मेष	ARIES
2.	21 अप्रैल से 20 मई तक	वृष	TAURUS
3.	21 मई से 20 जून तक	मिथुन	GEMINI
4.	21 जून से 20 जुलाई तक	कर्क	CANCER
5.	21 जुलाई से 20 अगस्त तक	सिंह	LEO
6.	21अगस्त से 22 सितम्बर तक	कन्या	VIRGO
7.	23 सितम्बर से 22 अक्टूबर तक	तुला	LIBRA
8.	23 अक्टूबर से 22 नवम्बर तक	वृश्चिक	SCORPIO
9.	23 नवम्बर से 20 दिसम्बर तक	धनु	SAGITTARIUS
10.	21 दिसम्बर से 19 जनवरी तक	मकर	CAPRICON
11.	20 जनवरी से 18 फरवरी तक	कुम्भ	AQUARIUS
12.	19 फरवरी से 20 मार्च तक	मीन	PISCES

अब राशियों के समय के बाद उनसे प्रभावित लोगों को भी जान लेना भी आवश्यक है। हर एक राशि में जन्मे व्यक्ति की विशिष्टता होती है और उसकी विशिष्टता का प्रभाव भी उस व्यक्ति के व्यक्तित्व में झलकता है।

जिस प्रकार हर मनुष्य का व्यक्तित्व अलग होता है, उसके हाव-भाव अलग होते हैं, उसी प्रकार राशियों का भी अपना अलग-अलग मिजाज और व्यवहार होता है। अब आपको सभी राशियों की विशिष्टता के बारे में बताया जा रहा है।

मेष (ARIES) राशि की विशेषता

यदि किसी व्यक्ति का जन्म 21 मार्च से 20 अप्रैल के मध्य हुआ है तो उसकी राशि मेष है।



इस राशि के जातक का यह सौभाग्य है कि उसका प्रभाव क्षेत्र सीधा सूर्य में है। इसी कारण इस ग्रह वाले पर भी इसी प्रकार का प्रभाव पड़ता है। इस राशि के जातक की सोच पूर्ण रूप से स्वतंत्र होती है। इस राशि के व्यक्ति किसी से प्रेरणा नहीं लेते हैं। न ही किसी की अधीनता इनको स्वीकार्य है। अगर कोई इनकी बात का प्रतिकार करता है तो वे तुरंत उसको अपना विरोध भी प्रकट कर देते हैं।

इस राशि के काल में जन्मे लोगों को स्वतंत्र व्यवसाय करना चाहिए। इसका कारण यह है कि ये अगर किसी और के साथ मिलकर व्यवसाय करते हैं तो इनका भाग्य नहीं चमकता है।

इस राशि के काल में जिनका जन्म होता है उनका स्वभाव सूर्य के समान प्रचण्ड होता है। ये लोग प्रयास करतें हैं कि गुस्सा न करें, लेकिन ऐसा हो नहीं पाता। इसी प्रवृत्ति के कारण ये दूसरों पर गुस्सा करके अपना ही नुकसान कर बैठते हैं।

इस राशि वालों के लिए विशेष सलाह यह है कि वे अपने क्रोध पर काबू रखें। कोई भी काम करें तो बहुत सोच-विचार कर ही करें। कई काम एक साथ न करें; जो भी करें तो उसके हर पहलू पर जांच-पड़ताल जरूंर कर लें। इन्हें चाहिए कि झूठी शान-शौकत से बचें।

इन लोगों को दुर्घटनाओं की ओर विशेष ध्यान देना चाहिए। मेष राशि के जातक को वाहन, बिजली और विस्फोटक घटनाओं से विशेष सावधान रहना चाहिए।

वृष (TAURUS) राशि की विशेषता

यदि किसी व्यक्ति का जन्म 21 अप्रैल सें 20 मई के मध्य हुआ है तो



उसकी राशि वृष है। इस राशि का स्वामी शुक्र है। भारतीय विचारकों के अनुसार यह समय 13 मई से 15 जून तक का माना गया है। इस काल में पैदा हुए लोगों का स्वभाव गंभीर होता है। ऐसे लोग हमेशा कुछ-न-कुछ सोचते रहते हैं।

—ये लोग खाली बैठना पसंद नहीं करते हैं।

—इनका व्यवसाय मशीनरी से सम्बंधित होता है।

—ऐसे व्यक्ति अच्छे मित्र होते हैं।

—इनके मित्र इनके साथ पूरी वफादारी निभाते हैं।

—इनके मित्र इनके निर्माण कार्य में सहयोग देते हैं।

—ये सदैव अपने मित्रों के प्रति आभारी भी रहते हैं।

—इनका गृहस्थ जीवन बहुधा सफल ही रहता है।

—ये लोग संतान की तरफ से भाग्यवान होते हैं।

—हां! ऐसे व्यक्तियों के विकास की गति मध्यम होती है। इससे इनके अंदर निराशा का अंकुर फूटने लगता है।

—इस राशि वालों को निराश नहीं होना चाहिए।

—इस राशि वालों को एक ही नहीं, कई कार्य करने चाहिए। इससे आमदनी का जरिया बढ़ेगा।

—इस राशि वाले जातक को अच्छे भोजन का शौक होता है। भोजन के बाद ये आराम करने में विशेष रुचि लेते हैं।

—ये लोग दूसरों की खातिरदारी भी खूब करते हैं।

—कला के क्षेत्रों में इन्हें ललित कला का बहुत शौक होता है।

—व्यवसाय में चिकित्सा और समाज सेवा विशेष लाभकारी सिद्ध होती हैं।

मिथुन (GEMINI) राशि की विशेषता

21 मई से 20 जून के काल में पैदा होने वाले व्यक्ति मिथुन राशि वाले कहलाते हैं। इस राशि का ग्रह बुध है।



—ऐसे व्यक्ति मिलनसार होते हैं।

—इनमें मिलकर कार्य करने की क्षमता होती है।

—ये अध्ययनशील, विद्याप्रेमी तथा व्यापारिक सोच वाले होते हैं।

—ललित कलाओं से इन्हें प्रेम होता है।

—इस राशि के लोगों को जीवन में बड़ा संघर्ष करना पड़ता है।

—इनके रास्ते में बहुत-सी बाधाएं आती हैं, लेकिन वे बाधाएं पार कर जाते हैं।

—इनकी आर्थिक स्थिति डांवा-डोल रहती है। कभी बहुत अच्छी तो कभी बहुत ज्यादा तंगी भी झेलनी पड़ती है।

—पद और नौकरी में भी परिवर्तन होते रहते हैं।

—पारिवारिक सम्बंधों में मनमुटाव चलता रहता है।

—संतान कई होती हैं, लेकिन उनसे बनती नहीं है। ऐसा इनकी राशि की प्रवृत्ति के कारण होता है।

—पत्नी के अलावा किसी और से भी सम्बध हो सकता है।

—ससुराल से इनकी बनती नहीं है।

—एक से अधिक विवाह की भी सम्भावना होती है।

—इस राशि वाले अन्तर्मुखी प्रवृत्ति के होते हैं। शांत एवं मौन रहना इन्हें अच्छा लगता है।

—व्यवसाय की दृष्टि से वकालत, अभिनय, अध्यापन क्षेत्र इनके लिए भाग्यशाली होते हैं।

—इस राशि के लोग एक काम में मन नहीं लगा पाते। इसी वजह से प्रगति भी कम कर पाते हैं।

—यात्राओं से इन्हें लाभ होता है।

—इस राशि वाले सुनते सबकी हैं किन्तु करते अपने ही मन की हैं।

—इनके मन की थाह लेना मुश्किल होता है। ये दूसरों की बात जल्दी समझ लेते हैं। इसी वजह से सफलता भी प्राप्त कर लेते हैं।

—इस राशि वाले पेट की बीमारियों से ग्रस्त होते हैं।

—इस राशि के जातक को 21 नवम्बर से 27 दिसम्बर के मध्य जन्मे व्यक्तियों से विवाह करना चाहिये।

कर्क (CANCER) राशि की विशेषता



जिनका जन्म 21 जून से 20 जुलाई के मध्य हुआ हो, उनकी राशि कर्क कहलाती है।

इस राशि का स्वामी चन्द्रमा है। जैसा कि पहले भी बताया गया है।

—इस राशि के लोग भावुक होते हैं। हवाई किले बनाना इनकी प्रवृत्ति होती है।

—इनका चित्त चंचल होता है।

—इस राशि वाले बहुत महत्त्वाकांक्षी होते हैं।

—जब निराशा इनके हाथ आती है तो ये झुंझला उठते हैं।

—मेहनत करना इनकी विशेष प्रवृत्ति होती है।

—इस राशि की महिलाएं भी मेहनती होती हैं। लेकिन ये दूसरों पर हुकूमत चलाने वाली होती हैं।

—इस राशि वालों में गुस्सा बहुत ज्यादा होता है। लेकिन तत्काल ही शांत भी हो जाते हैं।

—आर्थिक स्थिति सामान्य ही रहती है। ये चाहते तो हैं कि धन जमा हो, लेकिन संतान पर खर्च हो जाता है। चोरी में भी धन बरबाद होता है।

—इस राशि वाले को पति-पत्नी में मतभेद भी बना रहता है। एक दूसरे को सही तरह से समझ नहीं पाते हैं।

—इस राशि का व्यक्ति विवाह जल्दी नहीं करता है, और अगर जबरन या दबाव में विवाह होता भी है तो पति-पत्नी में कलह की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

—संतान के प्रति इस राशि वाले भाग्यशाली होते हैं। इनकी संतान उच्च पद पर आसानी से पहुंच जाती है।

—इस राशि का व्यक्ति यात्राएं बहुत करता है।

—इनको मन लगाकर कार्य करना चाहिए। अकारण गुस्सा छोड़ देना चाहिए।

—इस राशि वाले को खांसी और फेफड़े के रोगों का भय रहता है।

—इस राशि के जातक को 27 नवम्बर से 19 फरवरी के मध्य काल में जन्मे लोगों से विवाह करना चाहिए।

सिंह (LEO) राशि की विशेषता



जिनका जन्म 21 जुलाई से 20 अगस्त के मध्य हुआ है। उनकी राशि सिंह कहलाती है। इस राशि का स्वामी ग्रह सूर्य है।

—इस राशि के लोगों में सूरज के समान नेतृत्व करने के

गुण होते हैं।

—इस राशि वाले गंभीर, शूर-वीर और तेजस्वी होते हैं।

—इस राशि वाले इरादे के मजबूत और धैर्यवान होते हैं।

—इस राशि वाले गलत रास्ता नहीं अपनाते हैं। अपना काम दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ करते हैं।

—इन व्यक्तियों में नेतृत्व की प्रवृत्ति किसी को हानि पहुंचाने के लिए नहीं होती है।

—धन के मामले में ये उदार होते हैं। इसी उदारता के कारण जुए और सट्टे में धन का नुकसान भी उठाना पड़ता है और उधार दिया हुआ रुपया भी वापस नहीं मिलता है।

—नेतृत्व-प्रधान गुण होने के कारण अपना काम आसानी से बना लेते हैं।

—हालांकि इस राशि वालों के पास अपना धन होता है, लेकिन परिवार के लोगों से विशेष लाभ नहीं होता।

—इस राशि वाले व्यक्ति से पति-पत्नी का विरोध तो होता ही है; भाई-बहन से भी विरोध होता रहता है।

—साहसिक कार्य में इस राशि वाले सबसे आगे रहते हैं।

—इस राशि के लोग सेना में सफल सैनिक सिद्ध होते हैं।

—इस राशि वाले जल्दबाज भी होते हैं। इनके अंदर नेतागिरी का गुण होने के कारण ये लोग खुशामद पसंद भी होते हैं।

—इस राशि वालों को मूत्र रोग और हृदय रोगों के विकार होते हैं।

—इस राशि के जातक को 1, 10, 19, 28 तारीखों को जन्मे तथा 21 नम्बवर से 28 दिसम्बर तक जन्मे व्यक्ति से विवाह और व्यापार करना चाहिए।

कन्या (VIRGO) राशि की विशेषता



जिनका जन्म 21 अगस्त से 20 सितम्बर के मध्य होता है, वे कन्या राशि वाले व्यक्ति कहलाते हैं। इस राशि का स्वामी ग्रह बुध होता है। वृद्धावस्था में इस राशि वालों का जीवन स्थिर एवं सुखी होता है।

—इस राशि वालों का शरीर स्त्रियों की तरह कोमल होता है। साधारण-सी चोट से भी तड़प उठते हैं।

—इन्हें ललित कला से विशेष प्रेम होता है। संगीत का भी इन्हें शौक होता है।

—इस राशि के जातक मृदुभाषी होते हैं।

—इनका बचपन संघर्षों में गुजरता है। इन्हें सुविधाएं आसानी से प्राप्त नहीं होतीं, लेकिन अपनी योग्यता और अनुभव के बल से अच्छे पद पर पहुंच जाते हैं।

—विपरीत परिस्थितियां भी इन्हें डिगा नहीं पातीं।

—इस राशि वाले कभी विचलित नहीं होते। धैर्य और चुतराई के बल पर आगे बढ़ते रहते हैं।

—अच्छे गुण, विचार और बुद्धिमत्ता इस राशि वालों में जरूर दिखाई देते हैं।

—इनके स्वभाव में नम्रता और लज्जा का पुट होता है। इन्हें जब सफलता मिल जाती है तब इनकी लज्जा तो खत्म हो जाती है, लेकिन विनम्रता सदा इनके साथ बनी रहती है।

—इस राशि वालों को अकारण क्रोध नहीं आता, लेकिन जब क्रोध आ जाता है तो जल्दी पीछा नहीं छोड़ता है। कन्या राशि वाले एक बार जिससे क्रोधित हो जाते हैं, उसके प्रति इनमें घृणा का भाव घर कर जाता है।

—इस राशि वालों में भाषण देने की क्षमता अच्छी होती है।

—इनकी सोच बड़ी विलक्षण होती है। कलाओं से प्रेम होने के कारण इनको विभिन्न वस्तुओं का संग्रह करने का चाव भी होता है।

—इस राशि के लोग अधिकतर शिक्षा, दर्शन एवं वैज्ञानिक शोध की तरफ प्रवृत्त होते हैं।

—इनका वैवाहिक जीवन सुखी नहीं होता है। इस राशि वाले दूसरी स्त्री की ओर अवश्य ही आकर्षित होते हैं। दूसरे विवाह की संभावना अधिक होती है। तब इनके जीवन में बहुत बदलाव आ जाता है।

—इनके प्रेम संबंध सफल नहीं होते हैं। इस कारण परिवार के लोगों से झगड़ा लगा रहता है।

—इस राशि वाले धार्मिक प्रवृत्ति के होते हैं, लेकिन किसी खास मत के नहीं होते।

—इस राशि वाले यात्राएं बहुत करते हैं और इनको विदेश यात्रा का प्रबल योग भी बना रहता है।

—इस राशि वाले कठोर इच्छाशक्ति वाले होते हैं। जिस कार्य को एक बार हाथ में ले लेते हैं, उसे पूरा करके ही दम लेते हैं।

—इन्हें अपना संबंध विदेशियों से अवश्य ही बनाना चाहिए।

—इन्हें पेट की बीमारियों से कष्ट रहता है। पैरों के रोगों की तरफ विशेष ध्यान रखना चाहिए।

—इनकी मैत्री सभी अंकों वालों से हो सकती है। फिर भी, अगर 20 अप्रैल से 27 मई तथा 21 दिसम्बर से 27 जनवरी के बीच पैदा हुए व्यक्तियों से विवाह होता है तो अच्छा रहता है।

तुला (LIBRA) राशि की विशेषता



जिनका जन्म 21 सितम्बर से 20 अक्टूबर के बीच हुआ है, वे व्यक्ति तुला राशि वाले कहलाते हैं। इस राशि का स्वामी ग्रह शुक्र है।

—इस राशि वाले का विशेष गुण समानता का है।

—इस राशि के लोग प्रेम करने वाले होते हैं, लेकिन क्रोधित भी शीघ्र ही हो जाते हैं।

—इस राशि के लोगों का सूर्य नीचा होने के कारण इनकी आत्मशक्ति लुप्त हो जाती है।

—इस राशि के लोगों के विचार अनिश्चित होते हैं। इन्हें अपने गुणों और दोषों की जानकारी नहीं होती है।

—हां! ये शारीरिक श्रम नहीं करें; इन्हें बौद्धिक वर्ग के कार्य करने चाहिए।

—इस राशि वाले का जीवन मध्य आयु के बाद प्रबल होता है।

—इस राशि वालों को जलयान के कलपुर्जे बनाने के कारखाने में काम करना चाहिए।

—इस राशि वाले व्यक्तियों को कोर्ट-कचहरी के चक्कर बहुत लगाने पड़ते हैं, क्योंकि इनके जीवन में आपसी एवं जमीन-जायदाद संबंधी विवाद बहुत होते हैं।

—इस राशि वाले लोग मां-बाप से प्रेम नहीं रखते हैं।

—इस राशि के जातक के पारिवारिक जीवन में उथल-पुथल बहुत होती है।

—इस राशि वाले या तो स्वयं गोद लिए होते हैं या ये किसी को गोद ले लेते हैं।

—इस राशि वालों को विदेश यात्रा से कोई लाभ नहीं हो पाता है।

—इस राशि वालों को आकस्मिक लाभ होने के प्रबल योग होते हैं।

—इस राशि वाले व्यक्ति को बाहरी व्यक्ति से लाभ होता है और उसी माध्यम से ये लोग ऊंचे पद पर पहुंच जाते हैं।

—कभी-कभार इस राशि वाले अपने लिए एक तरह से मुसीबत भी मोल ले लेते हैं, और यही मुसीबत इनकी मृत्यु का कारण बनती है।

—इस राशि के जातक देखने में कमजोर से लगते हैं, लेकिन इनको कोई रोग नहीं होता है।

—इस राशि के लोग शराब, सोना व लोहे के सामान का व्यवसाय करें तो अवश्य ही सफलता अर्जित की जा सकती है।

—इस राशि वालों को 21 मार्च से 27 अप्रैल तथा 21 मई से 27 जून के बीच पैदा हुए व्यक्ति से ही विवाह करना चाहिए।

वृश्चिक (SCORPIO) राशि की विशेषता



जिनका जन्म 21 अक्टूबर से 20 नवम्बर के बीच होता है, वे लोग वृश्चिक राशि वाले कहलाते हैं। इस राशि का स्वामी ग्रह मंगल होता है।

—इस राशि वाले कुशाग्र बुद्धि के होते हैं।

—इस राशि के लोग साहसी और कर्मठ होते हैं।

—इनकी इच्छाशक्ति बहुत दृढ़ होती है।

—बुरे समय में ये साहस नहीं छोड़ते हैं और अपनी गति से चलते रहते हैं।

—इस राशि वाले बहुत जल्दी क्रोध से उबल पड़ते हैं और कोई भी अप्रत्याशित कार्य कर बैठते हैं। अपने प्रतिद्वन्द्वी के प्रति कोई भी हिंसक कार्य करने में नहीं चूकते हैं।

—इस राशि वाले में कफ प्रवृत्ति के प्रधान लोग अपने व्यक्तित्व से ही काम चला लेते हैं।

—इस राशि वाले अगर अधिक पढ़े-लिखे न हों तो प्रायः झगड़ालू स्वभाव के होते तथा दूसरों के समझाने से भी समझ नहीं पाते हैं।

—इस राशि को बिच्छू का प्रतीक माना जाता है। बिच्छू का अगला भाग कोमल होता है, पिछला हिस्सा जहर से लबालब भरा हुआ होता है।

—इस राशि वालों का भाग्य उत्तरार्द्ध में ही चमकता है।

—इस राशि के जातक जब एक बार निराश हो जाते हैं तो इनका मनोबल टूट जाता है।

—इस राशि वालों को चाहिए कि बुरे समय में शांत रहें और अपने स्वभाव के बारे में फिर से विचार-विमर्श करें।

—इस राशि वालों को पैतृक सम्पत्ति मिलने का प्रबल योग होता है।

—इस राशि वाले लोगों के कई भाई होते हैं। उनमें से एक के ऊंचे स्थान से गिरने पर मौत का योग होता है।

—इस राशि वाले यात्राएं बहुत करते हैं, किन्तु उनका कोई लाभ इन्हें नहीं मिलता है।

—इनके मित्र बहुत होते हैं। इनके बड़े अधिकारी इनकी मदद भी करते हैं।

—इन्हें सिरदर्द और स्नायु संबंधी रोग भी होते हैं। ऐसा इसलिए कि ये अधिक भोग-विलास करते हैं।

—इस राशि वालों को संक्रामक रोगों से बचना चाहिए।

—इस राशि वालों को डॉक्टरी, मशीनरी अथवा राजनीति से विशेष लाभ होता है।

—इस राशि वालों को ऐसे लोगों से विवाह करना चाहिए जिनका जन्म 14 नवम्बर से 14 दिसम्बर के बीच हुआ हो।

धनु (SAGITTARIUS) राशि की विशेषता



जिनका जन्म 21 नवम्बर से 20 दिसम्बर के बीच होता है, वे धनु राशि वाले कहलाते हैं। इस राशि का स्वामी ग्रह बृहस्पति होता है।

—इस राशि वाले उदार हृदय के होते हैं और किसी से उपकार की आशा नहीं रखते हैं।

—इस राशि वाले क्षण में क्रोधित होते हैं और क्षण में शांत भी हो जाते हैं।

—इस राशि का व्यक्ति कोई भी पाबंदी पसंद नहीं करता। यह स्वतंत्र

विचार वाला होता है।

–इस राशि के जातक सफल वक्ता होते हैं लेकिन, अनेक बार प्रयास करने के बाद भी मंजिल को पाने में असफल ही रहते हैं।

–इस राशि वालों का बचपन गरीबी में गुजरता है, लेकिन युवावस्था तक आते–आते ये लोग अपने प्रयासों से अपनी स्थिति सुधार लेते हैं।

–इस राशि वाले 30 वर्ष की आयु के बाद स्वयं को संभाल नहीं पाते हैं, और इनका पतन हो जाता है।

–इस राशि का स्वामी सरकारी नौकरी में हो तो बहुत तरक्की करता है।

–इस राशि वाले को गोली चलाने में बड़ा मजा आता है। इस काम में कहीं हानि न हो, इससे इनमें भय भी बना रहता है।

–इस राशि वालों की सास–सुसर या भाई–बहन से अनबन भी बनी रहती है।

–इस राशि के लोग यात्राएं बहुत करते हैं, और कभी किसी यात्रा के दौरान ही किसी प्रियजन की मौत का समाचार भी इन्हें मिलता है।

–इस राशि वालों को स्नायु विकार की व्याधि होती है। इस कारण से इनका बुढ़ापा कष्टदायक होता है।

–उच्च कोटि के शिल्पकार इसी राशि काल में जन्मे होते हैं।

–इस राशि के व्यक्ति सरकार से सम्मानित भी होते हैं। 'पदम् श्री' या 'गार्ड ऑफ ऑनर' की उपाधि भी इन्हें प्राप्त होती है।

–इस राशि के लोग बड़े उद्योगपति भी होते हैं, लेकिन अचानक हानि के कारण इनका पतन भी हो जाता है।

मकर (CAPRICORN) राशि की विशेषता



जिनका जन्म 21 दिसम्बर से 20 जनवरी के बीच हुआ हो, वे लोग मकर राशि के कहलाते हैं। इस राशि का स्वामी ग्रह शनि होता है।

–इस राशि के समय में जन्मे व्यक्तियों में शनि के प्रधान गुण होते हैं।

–शनि ग्रह परिश्रमी ग्रह माना जाता है। इसलिए इस राशि का मालिक बहुत अधिक श्रम करता है।

–इस राशि की विशेषता यह है कि जो जातक मध्य रात्रि के बाद जन्म

लेता है तो उसमें वे गुण विशेष रूप से होते हैं। इसके बाद जो जन्म लेता है, उस बच्चे का अंग भंग होगा, और अगर नहीं तो बाद में हो जाता है।

—इस राशि के व्यक्ति झगड़ालू किस्म के होते हैं।

—इस राशि के व्यक्ति अपने श्रम से अपने जीवन में सफल होते हैं।

—इस राशि के लोग रुपये पैसे को उड़ाते नहीं हैं।

—इस राशि के व्यक्तियों को अपने परिवार से मदद की आशा नहीं करनी चाहिए।

—इस राशि वालों को अपना भाग्य स्वयं ही बनाना पड़ता है।

—इस राशि वाले यात्राएं बहुत करते हैं, लेकिन परिवार के लोगों से परेशानियां भी झेलनी पड़ती हैं। पिता के कार्य-व्यवहार ऐसे होते हैं जिससे इन्हें परेशानी का मुंह देखना पड़ता है।

—इस राशि पर शनि का प्रभाव होने से जन्म से ही परेशानियां लगी रहती हैं। हाथ-पैरों के जोड़ों में दर्द तथा पेट के विकार होते हैं। गठिया रोग भी अधिक होता है।

—इस राशि वालों को हृदय रोग भी हो जाता है।

—इस राशि वालों का वैवाहिक जीवन सुखमय नहीं होता है और दो विवाह होने की प्रबल संभावना रहती है।

—इस राशि के लोग महत्त्वाकांक्षी बहुत होते हैं और कार्य इस ढंग से करते हैं कि हानि न हो।

—इस राशि के लोग डरपोक भी होते हैं और एक साथ कई धंधे भी करते हैं। इससे इनका आर्थिक पक्ष बुरा नहीं होता है।

—इस राशि वाले लोग अपने युवाकाल में बीमारी का शिकार भी होते हैं और गंभीर अवस्था में पहुंच कर भी बच जाते हैं।

कुम्भ (AQUARIUS) राशि की विशेषता



जिनका जन्म 21 जनवरी से 18 फरवरी के बीच हुआ हो, वे लोग कुंभ राशि के कहलाते हैं। इस राशि का स्वामी ग्रह शनि है।

—इस राशि के लोगों में ललित कलाओं के प्रति विशेष लगाव होता है और, ये लोग इस क्षेत्र में कामयावी भी प्राप्त करते हैं।

—इस राशि के व्यक्ति प्रोफेस्सर या अच्छे लेखक भी होते हैं।

—इनका स्वभाव कोमल, सरल और सद्गुणी होता है।

—इस राशि के लोग ईमानदार और अच्छे चरित्र के होते हैं।

—इस राशि के लोग क्रोध कम ही करते हैं। और किसी कारणवश अगर विशेष क्रोधित हो भी जाते हैं तो कोई बुरा भाव नहीं रखते।

—इस राशि के लोग एकांतप्रिय और मेहनती होते हैं।

—इस राशि के लोग तर्क की परवाह नहीं करते और अपने मन मुताबिक कार्य करते हैं।

—इस राशि वाले एक बार जो अपनी राय बना लेते हैं, उसके बाद अपनी सोच को बदलते नहीं हैं।

—इनकी इसी कमी की वजह से इन्हें हानि उठानी पड़ती है और इस हानि का मूल्यांकन भी नहीं हो पाता है। इसका नतीजा यह होता है कि मेहनत ये करते हैं और फायदा कोई और उठा लेता है।

—दरअसल इस राशि वालों में अपनी शक्ति पर भरोसा नहीं होता है। इसलिए अच्छा काम मिल जाने पर भी ये लोग उसका उचित उपयोग नहीं कर पाते हैं।

—इस राशि वालों के भाग्य में यात्रा का अपार योग होता है, लेकिन यात्रा से इनको कोई लाभ नहीं मिल पाता है। धन, स्वास्थ्य की हानि की पूरी सम्भावना रहती है। यात्राओं में इन्हें चोट भी लग सकती है। किसी शस्त्र या पशु से जख्मी भी हो सकते हैं।

—इस राशि वाले को जल में डूबने का खतरा भी बना रहता है। अत: ऐसे लोगों को नदी और तालाब में तैरना नहीं चाहिए।

—इस राशि वालों को भाग्योदय के लिए पुण्य करना पड़ता है, लेकिन इनके वैरी अकसर इनको हानि पहुंचाते रहते हैं। इतना सब होने हुए भी इन्हें किसी उच्चाधिकारी की मदद मिल जाती है। उसके सहयोग से ये अपने लक्ष्य में सफल हो जाते हैं।

—इस राशि वालों का पारिवारिक जीवन उतार चढ़ाव वाला होता है।

—इस राशि का व्यक्ति अगर स्त्री है तो प्रसवावस्था में बहुत कष्ट होता है और बच्चे जुड़वां भी हो सकते हैं। पिता की आकस्मिक मृत्यु भी हो सकती है तथा धननाश होने का योग भी रहता है। अन्तत: इस राशि वालों का पारिवारिक जीवन विशेष फलदायी नहीं होता।

—इस राशि वालों की संतान आज्ञाकारी नहीं होती है।

—इस राशि वालों का जन्म सूर्योदय के आस-पास होने से हृदय रोग अवश्य ही होता है। पेट एवं सिर की पीड़ा तथा गले में टांसिल होने की भी संभावना बनी रहती है।

—इस राशि वालों को अधिक धन भी प्राप्त नहीं होता है।

मीन (PISCES) राशि की विशेषता



जिनका जन्म 19 फरवरी से 20 मार्च के मध्य होता है, वह मीन राशि वाले कहलाते हैं। इस राशि का स्वामी ग्रह बृहस्पति है। यह राशि जल प्रधान राशि है, इसलिए सूर्य के गुण भी इसमें आ जाते हैं।

—इस राशि वालों का चरित्र सरल और ईमानदार होता है।

—इस राशि वाले कुटिल राजनीति से दूर ही रहते हैं।

—इस राशि वाले न तो धोखा देना पसंद करते हैं, न ही धोखा खाना पसंद करते हैं। अगर कोई इनके साथ धोखा करता भी है तो ये उसे क्षमा कर देते हैं।

—इस राशि वाले चरम शिखर पर पहुंचने के लिए बेचैन रहते हैं। अपनी इसी इच्छाशक्ति के कारण ये लोग काफी लोकप्रिय हो जाते हैं।

—इस राशि वाले व्यक्ति अपने कार्य की आलोचना भी करते रहते हैं। इससे इनके विचारों में परिवर्तन भी होता है।

—इस राशि वाले अपने स्वाभिमान को बरकरार रखते हुए अपने ध्येय को शीघ्र प्राप्त करने के लिए उतावले होते हैं।

—इस राशि वाले विलासप्रिय एवं साहित्य, कला में विशेष रूप से निपुण होते हैं।

—इस राशि वालों में स्वाभिमान की क्षमता बहुत प्रबल होती है।

—इस राशि वाले अपने-आपको पतन से बचाते रहते हैं।

—इस राशि वाले किसी विशेष भावना से प्रेरित होकर कार्य करते हैं।

—इस राशि वाले व्यक्ति यूं तो मिलनसार होते हैं, किन्तु अपने मन की बात किसी पर जाहिर होने नहीं देते हैं।

—इस राशि वाले अच्छे भोजन के शौकीन होते हैं और लोगों को दावतें भी देते रहते हैं।

—इस राशि वाले व्यक्ति अपने गुणों के माध्यम से धन का लाभ बहुत

उठाते हैं।

—इस राशि के व्यक्ति पढ़ने-लिखने में बहुत चतुर होते हैं और एक साथ कई कार्यों में निपुण होते हैं।

—इस राशि वालों का बातचीत का ढंग बहुत अच्छा होता है।

—इस राशि वाले धन तो बहुत कमाते हैं, लेकिन उसे संभालकर अपने पास रख नहीं पाते हैं।

—इस राशि वालों को यात्राओं का अवसर तो भरपूर मिलता है, लेकिन उनका लाभ नहीं उठा पाते हैं।

—इन लोगों का पारिवारिक जीवन तो अच्छा होता है, लेकिन बचपन में धक्का लगने के कारण विचलित हो जाते हैं।

—इस राशि वालों की बहनें अधिक होती हैं। इनमें से एक के बचपन में मृत्यु की संभावना भी रहती है।

—इस राशि वालों को हृदय-रोग एवं नेत्र-रोग होने की संभावना भी होती है।

—इस राशि वाले बुरे स्वप्न देखते रहते हैं।

—इस राशि वालों के मित्र तो अनेक होते हैं, किन्तु सही मित्र एक-दो ही होते हैं तथा इनके मित्रों में से ही कुछ इनके शत्रु भी बन जाते हैं जो हानिकारक सिद्ध होते हैं।

—इस राशि वाले व्यापार तो करते हैं, लेकिन शत्रु वर्ग से हानि होती है। सम्मान अवश्य प्राप्त होता है।

■■

शुभ निवास स्थान का चयन



इंसान जहां अपने परिवार के साथ रहता है, वह उसका निवास कहलाता है। शुभ निवास स्थान मानव जीवन के लिये बहुत ही महत्त्वपूर्ण होता है। मनुष्य का निवास उसके मन की शांति एवं जीवन के सभी सुखों से जुड़ा होता है। निवास के चयन के लिए बहुत सावधानी बरतनी चाहिए। दुनिया का सारा सिद्धांत अंक 1 से लेकर अंक 9 के बीच ही चलता है।

माना कि हमें मेसरीन के लिए यह मालूम करना है कि क्या वह डर्विन में रह कर सुखी रहेगा?

DARWIN
4+1+2+6+1+5
= 19
= 1+9
= 10 = 1+ 0 = 1

MESRINE
4+5+3+2+1+5+5
= 25
= 2+5
= 7

अब आप शत्रु-मित्र अंक तालिका में मिलाइए कि मेसरीन के लिए डर्विन मित्र है या शत्रु।

अंक 1 अंक 7 का अति मित्र अंक है। इसलिए मेसरीन के लिए डर्विन शुभ निवास स्थान है।

—ली LEE अगर OLDENBERG में रहना चाहे तो?

LEE
3 + 5 + 5
= 13
1 + 3
= 4

OLDENBERG
7 + 3 + 4 + 5 + 5 + 2 + 5 + 2 + 3
= 36
= 3 + 6
= 9

अंक 4 का अंक 9 सम अंक है। अत: ली के लिए ओल्डेनबर्ग सामान्य स्थान है।

अब मैं पाठकों के लिए विभिन्न नाम और शहरों की तालिका यहां प्रस्तुत कर रहा हूं। इससे कोई भी व्यक्ति अपने शुभ स्थान का चयन कर सकता है।

क्रमांक	नाम	शहर	शुभ-अशुभ
1.	ROGERPALMER अंक (6)	URUGUAY अंक (7)	सामान्य
2.	JANE DIGBY अंक (5)	NOR FOLK अंक (7)	सामान्य
3.	PETER अंक (6)	URUGUAY अंक (7)	सामान्य
4.	JACAB अंक (8)	URUGUAY अंक (7)	सामान्य
5.	SEBASTIL RAJ अंक (8)	URUGUAY अंक (7)	सामान्य

क्रमांक	नाम	शहर	शुभ-अशुभ
6.	JAISEMA अंक (7)	LONDON अंक (4)	सामान्य
7.	ROSY अंक (4)	LONDON अंक (4)	अशुभ
8.	WILSON अंक (7)	LONDON अंक (4)	सामान्य
9.	COLIN अंक (8)	LONDON अंक (4)	अति अशुभ

उपर्युक्त सारे उदाहरण यह प्रमाणित करते हैं कि अगर आप मूलांक निकालना जानते हैं तो शुभ-अशुभ का ज्ञान प्राप्त करना बिल्कुल कठिन नहीं है।

अब आप किसी भी व्यक्ति के निवास-स्थान के बारे में पता लगा सकते हैं। जैसे-

KUNG ब्रिटेन के अंदर रहना चाहता है।

KUNG	BRITAIN
2+6+5+3	2+2+1+4+1+1+5
	16
=16 = 1 + 6 अंक बना 7	1+6=7

ये दोनों ही अंक एक दूसरे के सम हैं। एक तरह से यह इनके लिए शुभ नहीं है। सम अंक कभी भी सहायक नहीं होता है।

आपके मकान का नम्बर एवं आपका भविष्य

अब मैं आपको मकान के नम्बर के रहस्य को यहां बतलाने जा रहा हूं।

क्या आपके मकान नम्बर का कोई रहस्यपरक महत्त्व है जो आपकी खुशियों को प्रभावित कर सकता है। अंक विज्ञान के अनुसार ऐसा होता है जैसे- यदि आपका मकान नम्बर 783 है तो इसके तीनों अंकों का योग

7+8+3 = 18 = 1+8 = 9 अंक।

यह जो एक अंक 9 आया है, वह आपके घर की विशेषताओं को बतलाता है। आगे मैं प्रत्येक अंक वाले मकान की विशेषताओं का वर्णन कर रहा हूं।

अंक :1:

इसमें 1,10,19,28,91,109,280 आदि अंक कुछ भी हो सकते हैं जिनका कुल योग अंक एक आना चाहिए। जैसे 280 या 190 मकान नम्बर का अंक है।

2 + 8 +0 = 10 = 1

1 + 9 + 0 = 10 = 1

यह घर उस व्यक्ति के लिये श्रेष्ठ है जो कि आपनी भावनाओं, अपने व्यक्तित्व और सृजनात्मकता को अभिव्यक्त करने के लिए प्रयत्नशील हो। पर आप कभी-कभी लोगों के रहते हुए भी अपने आपको अकेले और अलग-अलग महसूस करेंगे।

अंक : 2 :

जैसे 2, 20, 11, 29, 92 आदि

2 + 9 = 11 = 1+1 = 2

9+2 = 11 = 1+1 = 2

यह घर के सदस्यों के पारस्परिक प्रेम और अच्छे संबंधों के लिए एक आदर्श है। सब एक दूसरे के साथ सम्बंध-सूत्रों में अच्छी तरह जुढ़े रहेंगे लेकिन अपने मित्रों और बाकी संबंधियों को अपने से बिल्कुल अलग मत रखिए।

अंक : 3 :

यह घर आपके परिवार और आपके भीतर जीवन के प्रति आशावादी दृष्टिकोण पैदा करता है। यह वह घर है, जहां आये दिन पार्टियों के आयोजन होते हैं, लेकिन इस बात का ध्यान रखिए कि कहीं आप कुछ ज्यादा ही महत्त्वाकांक्षी या ज्यादा सामाजिक तो नहीं हो गये हैं।

अंक : 4 :

यह वह घर है जहां आपको अपनी जड़ें मिलेंगी और यहां आप अपने सपनों के बीज बो सकेंगे परन्तु आप इस घर में गंभीर विचारों में कुछ बोझिल रहेंगे।

अंक : 5 :

यह घर उन लोगों के लिए एक आदर्श घर है, जिन्हें जीवन में नवीनता, रोमांस, उत्तेजना एवं उथल पुथल चाहिए लेकिन जरूरत के अनुसार अपनी जिंदगी की रफ्तार को कम करने की भी आदत डालना सीखें।

अंक : 6 :

यह परिवार और बच्चों से हरा-भरा एक श्रेष्ठ घर है और उन लोगों के लिए भी आदर्श घर है, जो अपनी कलात्मकता को विकसित करना चाहते हैं। सिर्फ एक ही कमी होती है कि इस घर के सदस्य अपने हित का ज्यादा ध्यान नहीं रखते हैं।

अंक : 7 :

यह उन लोगों के लिए आदर्श घर है, जो दुनियादारी से अलग होकर दिव्य प्रेरणा की कामना करते हैं। यह उन लोगों के लिए बहुत अच्छा घर साबित नहीं हो सकता, जो भौतिक कामयाबी चाहते हैं।

अंक : 8 :

यह अंक घर के हर क्षेत्र में सम्पन्नता और उत्कर्ष की प्राप्ति दर्शाता है। इसलिए यदि आप अपने भौतिक जीवन को सुधारना चाहते हैं तो इस अंक के घर में शरण लीजिए।

अंक : 9 :

इस घर में रहने वाले लोग पूरी मानवता के प्रति प्रेम और दया से भरे होते हैं तथा लोगों की मदद करने के लिये हर सम्भव प्रयास करते हैं।

यदि आपको यह लगे कि आपका मकान उन बातों का सूचक नहीं है जो आप अपने जीवन में चाहते हैं तो भी यह ध्यान रखिए कि हर अंक के घर की अपनी अलग विशेषताएं हैं। हो सकता है, आपका घर आपको वह दे रहा हो, जो आपको सचमुच में चाहिए, चाहे आप ऊपरी तौर पर दूसरी ही चीज क्यों न चाहते हों।

■■

प्रेम विवाह और अंक

मनुष्य-जीवन में प्रेम का बहुत बड़ा महत्त्व है। हम जिससे प्रेम करते हैं, उसके लिए अपना तन, मन और धन सब कुछ न्यौछावर कर देते हैं। प्रेम के बारे में जितना भी कहा जाए, कम ही है। पश्चिम में प्रेम कहानियों का अपना इतिहास रहा है। रोमियो--जूलियट की प्रेम कहानी तो विश्व प्रसिद्ध है।

मनुष्य जिससे प्रेम करे और उसी से उसका विवाह हो जाए तो यह उसके लिए 'लक' की ही बात होती है। अब हम यहां कुछ उदाहरण देते हैं।

JULI LOVES MICHAEL

अब हम कैसे पता लगाएं कि जूली अगर माइकल से प्यार करती है तो उसका माइकल के साथ वैवाहिक जीवन सफल रहेगा या नहीं?

JULI

1 6 3 1 यानी जूली का मूलांक बना 11 और 11 का अर्थ है: 1+ 1= 2 अंक

अब माइकल को देखते हैं।

MICHAEL

4+1+3+5+1+5+3 = 22

यानी 2+2 = 4

अब जूली के अंक 2 का मिलान अंक 4 से करें। अंक 2 अंक 4 का सम अंक है।

इसलिए इन नामों के लोगों का प्रेम विवाह दाम्पत्य जीवन में सामान्य रहेगा परन्तु अति लाभप्रद नहीं होगा।

विशेष : अगर यही स्थिति माइकल यानी अंक 4 की तरफ से अंक 2 की युवती को ऑफर मिलता है तो वैवाहिक जीवन सफल रहेगा।

अब हम पाठकों की सुविधा के लिए मित्र-शत्रु अंक तालिका यहां दे रहे हैं।

मूलांक 1

माना कि LEE DAVIS का मूलांक है-

LEE	DAVIS
3+5+5	4+1+6+1+3
=13	15
1+3 =4	1+5 =6

4+6 = 10 = 1

अंक 1

मूलांक 1 वाले लड़के या लड़की को मूलांक 2 और 7 वाले साथी की तलाश करनी चाहिए तभी इनका दाम्पत्य जीवन सुखी हो सकता है।

मूलांक 2

अब मूलांक 2 वाले लड़के का चयन करते हैं। जैसे नाम है:-

BESY

यानी 2 + 5 + 3 + 1 = 11

1 + 1 = 2

अब मूलांक 2 बना।

मूलांक 2 के लड़के के लिए चाहिए मूलांक 5 की लड़की।

यदि मूलांक 5 वाली लड़की मूलांक 2 वाले लड़के से विवाह करती है तो यह अति सफल विवाह होगा क्योंकि अंक दो का अंक पांच अति मित्र है।

विशेष : मूलांक 2 वाले लड़के को मूलांक 7, 9 वाली लड़की से कभी विवाह नहीं करना चाहिए क्योंकि मूलांक दो के 7, 9 शत्रु अंक हैं।

मूलांक 3

अब हम मूलांक 3 वाले अंक के लड़के का चयन करते हैं। नाम है-

REN

2 + 5 + 5 = 12

= 1 + 2 = 3

रेन का मूलांक बना 3, मूलांक तीन के मूलांक 2, 7, 9 अति मित्र अंक हैं। अतः मूलांक 3 का व्यक्ति मूलांक 2, 7, 9 वाली लड़की से शादी करें

तो यह शादी यादगार बनेगी और आदर्श शादी कही जाएगी और इनकां शादी या प्रेम सफल होगा।

विशेष : मूलांक 5 और 6 वाली लड़की से कभी भूलकर भी विवाह न करें, क्योंकि मूलांक तीन के मूलांक 5, 6 घोर शत्रु अंक हैं।

मूलांक 4

मूलांक चार में हम यह देखेंगे कि पामेला नाम की लड़की की शादी डाल्टन नामक व्यक्ति से होने पर शादी सफल होगी या नहीं–

PAMELA

8 + 1 + 4 + 5 + 3 + 1

= 22 = 2 + 2 = 4

पामेला का मूलांक बना = 4

अब डाल्टन का देखते हैं

DALTON

4 + 1 + 3 + 4 + 7 + 5

= 24 = 2 + 4 = 6

डाल्टन का मूलांक बना 6

इस प्रकार हम देखते हैं कि पामेला की शादी डाल्टन के साथ सफल नहीं होगी क्योंकि मूलांक 4 का 6 शत्रु अंक है। अतः पामेला को डाल्टन से विवाह नहीं करना चाहिए।

मूलांक 5

अब मूलांक 5 को लेते हैं। जेम्स का मूलांक 5 है।

JAMES

1 + 1 + 4 + 5 + 3

= 14 = 1 + 4 = 5

5 अंक के मूलांक वाले लड़के के लिए अंक 1 या 4 अंक वाली लड़की से रोमांस या प्रेम विवाह सफल हो सकता है। जैसे लड़की का नाम पर्ल।

PEARL

8+5+1+2+3

= 19 = 1+ 9 = 10 मूलांक = 1

इन दोनों का विवाह या प्रेम-प्रसंग शत-प्रतिशत सफल होगा और इनकी संतानें भी विख्यात होंगी।

मूलांक 6

मूलांक 6 शुक्र ग्रह से प्रभावित अंक है। मूलांक 6 का नाम है-

DALTON

4 + 1 + 3 + 4 + 7 + 5

= 24 = 4 + 2 = 6

REN

2 + 5 + 5

= 12 = 1 + 2 = 3

अंक 6 का अंक 3 मित्र है और शत्रु अंक 9, अगर डॉल्टन REN यानी 3 अंक वाली लड़की से प्रेम विवाह करता है तो दाम्पत्य जीवन सफल होगा परन्तु यदि अंक 9 वाली लड़की से डाल्टन शादी करता है तो इनका विवाह सफल नहीं होगा।

मूलांक 7

मूलांक 7 अंक की युवती बोनी अगर अंक 2 या 9 वाले युवक से प्रेम विवाह करती है तो यह सफल नहीं हो सकता क्योंकि अंक 7 के लिए 2 और 9 शत्रु अंक है। हम यहां बोनी का मूलांक देखते हैं-

BONNIE

2 + 7 + 5 + 5 + 1 + 5

= 25

2 + 5 = 7 अंक

अब यदि बोनी CHISEL से प्रेम विवाह करना चाहती है तो उसका मूलांक-

CHISEL

3 + 5 + 1 + 3 + 5 + 3

= 20 = 2 अंक

मूलांक 7 वाली युवती का विवाह मूलांक 5 वाले युवक से करना चाहिए बोनी की शादी चीलेस से सफल नहीं होगी क्योंकि मूलांक 7 का 2 शत्रु अंक है। बोनी को मूलांक 5 वाले युवक JAMES से शादी करनी चाहिए।

1 + 1 + 4 + 5 + 3

= 14 = 1 + 4 = 5

मूलांक 8

मूलांक 8 वाली युवती मार्टिन को अंक 3 वाले किसी भी युवक जैसे LORD REDESDALE से प्रेम विवाह करना चाहिए तभी यह प्रेम विवाह सफल रहेगा।

MARTIN	LORD	REDESDALE
4+1+2+4+1+5	3+7+2+4	2+5+4+5+3+4+1+3+5
= 17	= 16	= 32
= 1+7	= 1+6	= 2+3
= 8	= 7	= 5
		7+5 = 12
		= 1+2 = 3

क्योंकि 8 मूलांक का 3 मित्र अंक है। अतः इनका विवाह सफल होगा।

मूलांक 9

मूलांक 9 वाला युवक रेमंड अगर मूलांक 8 आठ वाली युवती मारथा से प्रेम विवाह करता है तो विवाह सफल रहेगा, क्योंकि ये दोनों परस्पर मित्र अंक हैं।

विशेष : रेमंड को 5 और 7 मूलांक वाली युवती से कदापि प्रेम या विवाह नहीं करना चाहिए।

मैं यहां यह कहना चाहूंगा कि यह अंकों का गुण और स्वभाव है कि वे अपनी प्रकृति के अनुसार ही काम करते हैं। मैंने जो पद्धति पाठकों को बतलाई है उससे आप किसी भी मित्र या शत्रु का मूलांक जानकर उसके भाग्य और स्वभाव का गूढ़ रहस्य जान सकते हैं।

अगर सैमसन रोजी से प्यार करता है तो क्या वह उससे शारीरिक सम्बंध बना सकता है?

SAMSON	ROSY
3 + 1 + 4 + 3 + 7 + 5	2 + 7 + 3 + 1
= 23 = 2+3 = 5	= 13 = 1 + 3 = 4

अब अंक 5 अंक 4 का अति मित्र अंक है। इसलिए यह कहा जा सकता

है कि सैमसन, रोजी या अंक 5 वाला व्यक्ति अंक 4 वाली युवती से आसानी से यौन संबंध बना सकता है।

अब जैकब और लूसी का उदाहरण लेते हैं।

JACAB
1+1+3+1+2
= 8

LUCY
3+6+3+1
= 13 = 1+3 = 4

अंक 8 अंक 4 का घोर शत्रु अंक है। इसलिए यह बात स्पष्ट रूप से कही जा सकती है कि दोनों का यौन सम्बंध बनने में संदेह है।

अब दूसरा उदाहरण देखते हैं-

अगर मसीह कैथरीन से विवाह करना चाहता है तो क्या यह अपने लक्ष्य में सफल हो सकता है?

MASIH
4+1+3+1+5
= 14 = 1+4 = 5

CATHERINE
3+1+4+5+5+2+1+5+5
= 31 = 3+1 = 4

अंक 5 अंक 4 का अति मित्र अंक है। इसलिए इन दोनों का प्रणय सम्बंध अवश्य होगा।

अब अगर रोज ब्रायन और पामेला विवाह करना चाहें तो क्या वे अपने लक्ष्य में सफल होंगे?

ROSE
2+7+3+5
17

BRAYAN
2+2+1+1+1+5
12

संयुक्तांक 17+12 = 29 = 2+9 = 11 = 1+1 = 2

PAMELA
8+1+4+5+3+1= 22 =2+2 = 4

अंक 4 अंक 2 सम अंक है इसलिए इसका सीधा-सा अर्थ इन दोनों का विवाह नहीं हो सकता है।

– इसी तरह से राबर्ट और एलिन अगर विवाह करना चाहें तो क्या ये दोनों अपने लक्ष्य में सफल हो सकते हैं?

ROBERT
2+7+2+5+2+4
= 22 = 2+2 = 4

ALIN
1+3+1+5
= 10 = 1+0 = 1

अंक 4 अंक 1 का शत्रु अंक है तो इन दोनों का विवाह स्थापित नहीं हो सकता है और अगर हो भी जाये तो ये दोनों सुखी नहीं रह पायेंगे।

– अब अगला उदाहरण– अगर पीटर और मायरा विवाह आपस में यौन सम्बंध करना चाहें तो क्या वे सफल हो सकते हैं?

PETER	MAYRA
8+5+4+5+2	4+1+1+2+1
= 24 = 2+4 = 6	= 9

अंक 6 अंक 9 का शत्रु अंक है। इसीलिए इन दोनों का विवाह नहीं हो सकता है।

– अब हम लेते हैं हीगल और मार्लिन मुनरो के प्रेम सम्बंध को।

HEGAL	MARLIN	MUNRO
5+5+3+1+3	4+1+2+3+1+5	4+6+5+2+7
=17= 1+7 = 8	16	24= 2+4 = 6
अंक 8	= 1+6 = 7	
	संयुक्तांक 7+6 = 13 = 1+3 = 4	

अंक 8 अंक 6 का सम अंक है। इसलिए इनका प्रेम सम्बंध शुभ सिद्ध नहीं होगा।

– अब हम ली और लियो के प्रेम सम्बंध को देखते हैं।

LEE	LEO
3+5+5	3+5+7
= 13 = 1+3 = 4	= 15= 1+5 = 6

अंक 4 का अंक 6 शत्रु अंक है। इसलिए इन दोनों का प्रेम सम्बंध असम्भव है।

–अगर लुइस और आगाथा एक दूसरे से प्रेम विवाह करना चाहते हैं तो उनका प्रेम विवाह सफल होगा?

LOUIS	AAGATHA
3+7+6+1+3	1+1+3+1+4+5+1
= 20 = 2+0 = 2	= 16 = 1+6 = 7

अंक 2 अंक 7 का शत्रु अंक है। इसलिए इन दोनों का प्रेम विवाह सफल नहीं हो सकता।

–अगर रोजी और जॉन का प्रेम-प्रसंग चल रहा है तो क्या इनका प्रेम

विवाह सफल हो सकता है?

ROSY
2+7+3+1
= 13 = 1+3 = 4

JOHN
1+7+5+5
= 18 = 1+8 = 9

अंक 4 का अंक 9 सम अंक है। इसलिए इनका प्रेम प्रसंग सफल नहीं हो सकता। इन्हें आपसी कलह से बचने के लिए अपना पार्टनर बदल लेना चाहिए।

–एनी और माइकल आपस में प्यार करते हैं तो वे जानना चाहेंगे कि क्या उनका प्रेमप्रसंग सफल प्रेम विवाह में बदल सकता है?

ANNY
1+5+5+1
= 12 = 1+2 = 3

MICHAEL
4+1+3+5+1+5+3
= 22 = 2+2 = 4

अंक 3 अंक 4 का सम अंक है। इसीलिए इनका प्रेम विवाह सफल नहीं हो सकता है।

–अगर लारेन और पोलो का प्रेम–प्रसंग चल रहा है तो क्या इनका प्रेम विवाह सफल हो सकता है?

LAUREN
3+1+6+2+5+5
= 22 = 2+2 = 4

POLO
8+7+3+7
= 25 = 2+5 = 7

अंक 4 अंक 7 का अति मित्र अंक है। इसलिए इनका प्रेम विवाह सफल होगा।

–अगर मार्लिन मुनरो का प्रेम प्रसंग कैनेडी नामक युवक से चल रहा हो तो क्या उनका प्रेम–विवाह सफल हो सकता है?

MARLIN MUNRO
4+1+2+3+1+5+4+6+5+2+7
= 40 = 4+0 =4

KENNEDY
2+5+5+5+5+4+1
= 27 = 2+ 7 = 9

अंक 4 अंक 9 का सम अंक है। इसलिए इनका प्रेम विवाह सफल नहीं हो सकता है। इसकी सच्चाई के लिए अमेरिका का इतिहास गवाह है।

–अगर डायमन विल्सन का प्रेम प्रसंग कोलिन से चल रहा है तो क्या इनका प्रेम–प्रसंग प्रेम विवाह के रूप में सफल होगा?

DAIMON WILSON	COLIN
4+1+1+4+7+5+6+1+3+3+7+5	3+7+3+1+5
= 47 = 4 + 7 = 11 = 1 + 1= 2	= 19 = 1+9 = 10 = 1

अंक 2 का अंक 1 सम अंक है। इसलिए इनका प्रेम विवाह सफल नहीं हो सकता है।

—अगर क्रिस नामक युवती का सैमसन नामक युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा है तो क्या इनका प्रेम विवाह सफल होगा?

CRIS	SAMSON
3+2+1+3	3+1+4+3+7+5
= 9	= 23 = 2+3 = 5

अंक 9 अंक 5 का घोर शत्रु अंक है। इसलिए इन दोनों में प्रेम विवाह तो दूर प्रेम-प्रसंग भी सफल नहीं हो सकता है। इन्हें सावधान हो जाना चाहिए।

—सैम नाम की युवती अगर बाथम नामक युवक से प्रेम विवाह करना चाहती है तो क्या उसका प्रेम विवाह सफल हो सकता है?

SAIM	BOTHAM
3+1+1+4	2+7+4+5+1+4
= 9	= 23 = 2+3 = 5

अंक 9 का अंक 5 घोर शत्रु अंक है। इसलिए इनमें न ही प्रेम हो सकता है और न ही इनका प्रेम विवाह सफल हो सकता है।

—अगर आर्क नामक युवती लुई नामक युवक से प्रेम विवाह करती है तो क्या उसका प्रेम विवाह सफल होगा?

AARCK	LUE
1+1+2+3+2	3+6+5
= 9	= 14 = 1+4 = 5

अंक 9 अंक 5 का घोर शत्रु अंक है। इसलिए इनका प्रेम विवाह कभी भी सफल नहीं हो सकता है, न ही इन अंकों वालों से इनको संबंध बनाने चाहिए

—अगर हिना नामक युवती पीटर नामक युवक से प्रेम विवाह करती है तो क्या उनका प्रेम विवाह सफल होगा?

HINA

5+1+5+1

= 12 = 1+2 = 3

PETER

8+5+4+5+2

= 24 = 2+ 4 = 6

अंक 3 अंक 6 का घोर शत्रु अंक है। इसलिए इनका प्रेम विवाह सफल नहीं होगा। इन लोगों को सावधान हो जाना चाहिए।

—अगर ली डेविस नामक युवती किंग नामक युवक से प्रेम विवाह करना चाहती है तो क्या उनका विवाह सफल हो सकता है?

LEE

3+5+5

= 13

2

= 4

DAVIS

4+1+6+1+3

= 15

= 1+5 = 6

KING

2+1+5+3

= 11 = 1+1 =

संयुक्तांक 4+6 = 10 = 1

अंक 1 अंक 2 का अति मित्र अंक है। इसीलिए ये प्रेम विवाह सफल ही नहीं बल्कि विख्यात भी होगा। इनके प्रेम-प्रसंग को उल्लेखनीय प्रचार भी मिलेगा।

—अगर केरोलिन नामक युवती स्मिथ नामक युवक से प्रेम विवाह करना चाहती है तो क्या उसका विवाह सफल होगा?

CAROLIN

3+1+2+7+3+1+5

= 22= 2+2 = 4

SMITH

3+4+1+4+5

= 17 = 1+7 = 8

अंक 4 अंक 8 का घोर शत्रु अंक है। इसलिए यह प्रेम विवाह सफल नहीं हो सकता है। इन लोगों को अपना पार्टनर बदल लेना चाहिए।

—अगर कंग नामक सुंदर और स्मार्ट युवक लीबिया नामक युवती से प्रेम विवाह करना चाहता है तो क्या उसका प्रेम विवाह सफल होगा?

KUNG

2+6+5+3

= 16 = 1+6 = 7

LIBIA

3+1+2+1+1

= 8

अंक 7 अंक 8 का मित्र अंक है। इसलिए इनका प्रेम विवाह सफल भी होगा और इनके प्रेम विवाह की मिसाल भी दी जाएगी।

– अगर मिथाइस नामक युवक एलसी नामक युवती से प्रेम-विवाह करना चाहता है तो क्या उनका प्रेम-विवाह सफल होगा?

MITHAIS	ALSY
4+1+4+5+1+1+3	1+3+3+1
= 19 = 1+9 = 10 = 1	= 8

अंक 1 अंक 8 का घोर शत्रु अंक है। इसलिए इन्हें प्रेम विवाह करना ही नहीं चाहिए। घोर कलह का प्रतीक है इन अंकों का मिलन।

–अगर थरिसा नामक युवती राबर्ट नामक युवक से प्रेम विवाह करना चाहती है तो क्या उनका विवाह सफल हो सकता है?

THARISA	ROBERT
4+5+1+2+1+3+1	2+7+2+5+2+4
= 17 = 1+7 = 8	= 22 = 2+2 = 4

अंक 8 अंक 4 का घोर शत्रु अंक है। इन दोनों को कदापि प्रेम विवाह नहीं करना चाहिए। इनका मिलन विस्फोटक होगा।

–अगर लवली नामक युवती जैक नामक युवक से प्रेम विवाह करना चाहती है तो उनका प्रेम विवाह सफल हो सकता है या नहीं?

LOVELY	JACK
3+7+6+5+3+1	1+1+3+2
= 25 = 2+5 = 7	= 7

अंक 7 अंक 7 का सम अंक है। इसलिए इनका प्रेम विवाह सफल नहीं हो सकता है। मैं पहले भी कह चुका हूं कि सम अंक अशुभ होता है। इससे जीवन के हर एक क्षेत्र में सावधान रहना चाहिए।

–अगर शेरिफ नामक युवक मारिया नामक युवती से प्रेम विवाह करना चाहता है तो क्या उनका प्रेम विवाह सफल हो सकता है?

SHERIF	MARIYA
3+5+5+2+1+8	4+1+2+1+1+1
= 24 = 2+4 = 6	= 10 = 1+0 = 1

अंक 6 अंक 1 का सम अंक है। इसलिए यह विवाह सफल नहीं हो सकता। इन अंकों वालों को सावधान रहना चाहिए।

–अगर जेम्स बेरी नामक युवती लार्ड नामक युवक से विवाह करती है तो क्या उसका विवाह सफल होगा?

JAMES	BERY	LORD
1+1+4+5+3+	2+5+2+1	3+7+2+4
= 14 = 1+4 = 5	= 10 = 1+0 = 1	= 16 1+6 = 7

संयुक्तांक 5 + 1 = 6

अंक 6 अंक 7 का सम अंक है। इसलिए इनको विवाह सम्बंध स्थापित ही नहीं करना चाहिए। इनका विवाह सम्बंध सफल नहीं हो सकता है।

■■

अंक और रोग

अपने पाठकों को एक बहुत ही महत्त्वपूर्ण स्वास्थ्य-सम्बंधी
हा हूं। हर एक अंक से स्वास्थ्य का बहुत महत्त्वपूर्ण सम्बंध है।

गों का जन्म किसी भी माह की 1, 10, 19, 28 तारीखों को
एक अंक के माने जाते हैं। इस अंक के लोगों में निम्न बीमारियां

न (हार्ट सम्बंधी)
के विकार
प
फुंसी आदि
के उत्तरार्द्ध में उच्च रक्तचाप में वृद्धि
के विकार

के लोगों के लिए यह आवश्यक है कि वे समय-समय पर
की जांच करवाते रहें।

वाले व्यक्तियों की आयु का 37वां और 46वां वर्ष बहुत ही
होता है। इन वर्षों में उनके स्वास्थ्य में भारी गिरावट या बढ़ोत्तरी
ल संभावना रहती है।

वालों के लिए साल के तीन माह अति संवेदनशील होते हैं। वे

, दिसम्बर, जनवरी।

वाले लोगों को निम्न रोगों की आशंका रहती है। अगर समय
गों ने ध्यान नहीं दिया तो भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

आंतड़ियों की सूजन, हार्निया
पाचन शक्ति में विकार
पेट के विकार

इस अंक वाले लोगों को चाहिए कि मदिरा सेवन से बचें। साथ ही तेज मसालों का सेवन भी नहीं करना चाहिए। प्रयास यह होना चाहिए कि उबला हुआ भोजन ग्रहण करें।

इस अंक वाले व्यक्तियों की आयु का 47वां और 65वां वर्ष अत्यधिक संवेदनशील होता है। इस दौरान स्वास्थ्य एवं शरीर में खराबी भी आ सकती है।

इस अंक वालों के लिए जनवरी, फरवरी और जुलाई माह का समय बहुत संवेदनशील होता है।

अंक 3

जिनका जन्म किसी भी माह की 3, 12, 21, 30 तारीखों को हुआ हो, वे 3 अंक वाले माने जाते हैं।

इस अंक वालों के लिए निम्न रोगों की संभावना होती है। जैसे–

–साइटिका
–न्यूराइटिस
–त्वचा-सम्बंधी रोग

इस अंक वालों के लिए फरवरी, जून, सितम्बर और दिसम्बर माह अशुभ माने जाते हैं।

इस अंक वालों के लिए आयु का 48वां और 57वां वर्ष स्वास्थ्य की दृष्टि से अधिक संवेदनशील होता है।

इस अंक वालों को सलाह दी जाती है कि वे अपने स्वभाव पर विशेष ध्यान रखें।

अंक 4

जिनका जन्म किसी भी माह की 4, 13, 22 तारीखों में हुआ होता है वे 4 अंक वाले कहलाते हैं।

इस अंक वालों को निम्न रोग हो सकते हैं–

विषादग्रस्त रोग

—मानसिक विकार

—एनीमिया विकार

—मूत्राशय एवं गुर्दे-सम्बंधी विकार

इस अंक वालों के लिए स्वास्थ्य की दृष्टि से फरवरी, जुलाई, अगस्त तथा सितम्बर माह अति संवेदनशील होते हैं।

इस अंक वालों के लिए आयु का 49वां और 58वां वर्ष अति संवेदनशील होता है।

अंक 5

जिनका जन्म किसी भी माह की 5, 14, 23 तारीखों को होता है वे अंक 5 से प्रभावित होते हैं।

इस अंक वालों को निम्न रोग हो सकते हैं। जैसे–

—मुंह-सम्बंधी रोग

—आंखों के विकार

—न्यूराइटिस

—हाथों में कंपन

—नींद की कमी

—लकवा

इस अंक वालों के लिए तीन माह अशुभ माने जाते हैं। वे हैं– जून, सितम्बर और दिसम्बर।

इस अंक वालों की आयु का 41वां और 50वां वर्ष अति संवेदनशील होता है। इन्हें हरेक छह माह पर अपने स्वास्थ्य की नियमित जांच कराते रहना चाहिए।

अंक 6

जिन लोगों का जन्म किसी भी माह की 6, 15, 24 तारीखों में हुआ हो तो ऐसे लोगों पर अंक 6 का प्रभाव पड़ता है।

इस अंक वालों में निम्न रोग होते हैं। जैसे–

—स्तन के रोग

—यौन रोग

इस अंक से स्त्रियां अधिक प्रभावी होती हैं। स्त्रियों को अपनी नियमित जांच कराते रहना चाहिए।

इस अंक वालों के लिए तीन माह अशुभ होते हैं। ये माह हैं– मई, अक्टूबर और नवम्बर।

इस अंक वाले लोगों की आयु का 51वां और 60वां वर्ष अति संवदेनशील होता है। इन्हें इन दोनों संख्या वाले वर्षों में अपनी नियमित जांच कराते रहना चाहिए।

अंक 7

जिनका जन्म किसी भी माह की 7, 16, 25 तारीखों को हुआ हो, वे लोग इस अंक से प्रभावित होते हैं।

इस अंक वालों को निम्न रोग हो सकते हैं जैसे–

–मिरगी

–सिरदर्द

–बेहोशी

–मानसिक बीमारी

–होंठ फड़फड़ाना

–हाथ-पांव ठंडे होना

–स्मरण-शक्ति कम होना

इस अंक वालों को निम्न उपाय भी करने चाहिए। सावधानी को उच्च प्राथमिकता दें।

–सीमित खान-पान करें

–जरूरत से ज्यादा काम न करें

–लड़ाई-झगड़े से बचें

–गुमसुम न रहें

–नदी और पानी में तैरने से परहेज करें।

इस अंक वालों की आयु का 61वां और 70वां वर्ष अति संवेदनशील होता है। इनके लिए फरवरी और अप्रैल माह अशुभ होते हैं।

अंक 8

जिनका जन्म किसी भी माह की 8, 17, 26 तारीखों में हुआ हो, तो वे इस अंक से प्रभावित होते हैं।

–इस अंक वालों को निम्न रोग होते हैं। जैसे–

–छाती के विकार

—हृदय-संबंधी विकार

इस अंक वाले लोगों की आयु का 26वां, 44वां और 71वां वर्ष अति संवेदनशील होता है। स्वास्थ्य रक्षा के लिए इन्हें नियमित अपने स्वास्थ्य की जांच कराते रहना चाहिए।

इस अंक वालों के लिए अशुभ माह जून, मार्च, फरवरी, सितम्बर और नवम्बर हैं।

अंक 9

जिनका जन्म किसी भी माह की 9, 18, 27 तारीखों में हुआ हो तो वे 9 अंक से प्रभावित होते हैं। इस अंक वाले स्वास्थ्य के प्रति सचेत भी रहते हैं।

—इस अंक वालों को निम्न रोग होते हैं। जैसे—

—ज्वर

—खसरा

—चेचक

—स्कारलेट ज्वर

इस अंक वाले लोगों की आयु का 17वां, 26वां, 44वां वर्ष अति संवेदनशील होता है।

इस अंक वालों के लिए अशुभ माह, जनवरी, मई, जून और अक्टूबर हैं।

—इस अंक वालों को पथरी तथा हृदय रोगों की भी संभावना रहती है।

—इस अंक वालों को अधिक कांपने की वजह से गुस्सा भी ज्यादा ही आता है।

—इस अंक वालों का जीवन में एक-दो बार ऑपरेशन अवश्य ही होता है।

—इस अंक वालों को मदिरापान से सख्त परहेज करना चाहिए।

किस अंक को किस से लाभ

अंक	अंक 1
1	फायदा परन्तु चिंता अधिक
2	अचानक लाभ
3	स्वास्थ्य में कमी, कठिनाइयां
4	काम में बाधा, मानसिक चिंता

अंक	अंक 2
1	साधारण लाभ
2	कष्ट और विपदा
3	शुभ समाचार
4	संघर्ष के बाद सफलता

5	लाभकारी
6	प्रतिकूल परिस्थितियां
7	धन का लाभ, मांगलिक कार्य
8	हानि, स्वास्थ्य हानि, मुकद्दमा
9	सामान्य लाभ

5	अचानक धन लाभ, बड़ी रकम प्राप्ति
6	सम्मान, धन प्राप्ति
7	स्वास्थ्य की हानि
8	लाभकारी सहयोग
9	कर्ज एवं परेशानी

अंक	अंक 3
1	साधारण
2	व्यापारिक सफलता और धन लाभ
3	अनुकूल
4	सामान्य
5	हानिकारक एवं कष्टकारक
6	धोखा, हानि योग
7	लाभकारी योग
8	शुभ कार्य
9	आशातीत धन लाभ

अंक	अंक 4
1	परेशानी, कष्टकारी
2	विशेष लाभदायक
3	संघर्ष के बाद सफलता
4	साधारण
5	शुभ समाचार
6	हानि, रोगकष्ट
7	विशेष लाभ, नया अनुबंध
8	ऋण रोग, नुकसान
9	सामान्य

अंक	अंक 5
1	विविध लाभ
2	कष्टदायक असहयोग
3	शुभ सूचनाएं
4	सफलता और धन प्राप्ति
5	सामान्य
6	अच्छे समाचार की प्राप्ति
7	संघर्षों के बाद लाभ
8	अपमान सहना, लांछन
9	चोरी, विपदाएं

अंक	अंक 6
1	अत्यधिक लाभ
2	सहयोग
3	विशेष लाभ, धन की प्राप्ति
4	कठिनाइयों के बाद लाभ
5	विघ्न, रुकावटें
6	सामान्य अनुकूलता
7	साधारण
8	मंगल समाचार
9	अचानक धन हानि

अंक	अंक 7
1	साधारण हित
2	रोग, कष्ट, कर्ज़
3	अनुकूल लाभ
4	कठिनाइयां और संघर्ष
5	विशेष लाभदायक
6	मध्यम सहयोग
7	विशेष नहीं
8	उल्लेखनीय लाभ
9	कष्ट, परेशानी

अंक	अंक 8
1	धन नाशक योग
2	सामान्य सहयोग
3	शुभ समाचार
4	दुख, परेशानी
5	साधारण सहयोग
6	लाभकारी-संघर्ष के बाद
7	लाभ
8	सामान्य
9	विशेष लाभकारी

अंक	अंक 9
1	सामान्य लाभ देने वाला अंक
2	बाधा उत्पन्न करने वाला अंक
3	साधारण लाभ देने वाला अंक
4	अनुगामी अंक
5	विशेष कष्ट देने वाला अंक
6	ऋण का कष्ट देने वाला अंक
7	लाभदायक अंक
8	अचानक धन का लाभ देने वाला अंक
9	साधारण अंक

यह सारे प्रदर्शन मेरी इस बात की पुष्टि करते हैं कि हर अंक के साथ हर अंक का अपना-अपना सत योग है।

■■

अंकों से प्रश्नों का हल

अब मैं एक बहुत उपयोगी पद्धति का सविस्तार वर्णन करने जा रहा हूं। यह एक महत्त्वपूर्ण पद्धति है। विश्व के सफल लेखक M.M.MISKORE ने अपनी पुस्तक में इसका वर्णन किया है, साथ ही सेफेरियल ने भी THE KABALA OF NUMBERS में इस विषय पर विस्तार से लिखा है।

यह पद्धति बहुत उपयोगी है।

मान लीजिये, आपके किसी मित्र ने आपको लिखकर संख्या दी है

12123

इसको पहले आपस में जोड़ते हैं–

1+2+1+2+3

= 9

अब इनमें अपनी तरफ से 3 और जोड़ दें

9+3 = 12 = 1 + 2 = 3

इस पद्धति में केवल अधिक से अधिक 9 अंकों को लिखा जा सकता है।

ऊपर हमें अंक मिला है 3 तो इसका अर्थ इस प्रकार है–

3 अंक का अर्थ है– आपका प्रश्न अनुकूल नहीं है और न ही आपकी स्थिति ठीक है। आपको शीघ्र ही हानिकारक समाचार प्राप्त होगा।

4 अंक का सम्बंध– प्रेम प्रसंग से है। आप, अपने प्रेम में सफल होंगे।

5 अंक अर्थ है– आज आप जो समझौता करने जा रहे हैं वह इस वक्त तो ठीक लगेगा, लेकिन भविष्य में इससे हानि होगी। आपको सभी पहलुओं पर सोच-विचार कर काम करना चाहिए।

6 अंक का अर्थ है– आप जिस स्थान की यात्रा कर रहे हैं लाभदायक है। आप निडर होकर यात्रा करें, सफलता आप के कदम चू

7 अंक का अर्थ है– आपको उतावला होना उचित नहीं है। सोचा- सफल होता है और उसकी खुशी भी होती है।

है– आपकी सोच उ...
वार किया है, वह अवश्य सफल हो...
कसी दूर के पारिवारिक सदस्य की है तो उसका...
नहीं है।

का अर्थ है– उस समय आप द्वारा किया गया समझौता उचित
इस समय यह आप के हित में नहीं है; इसका दूसरा पहलू
कलीफ दे सकता है।

अंक का अर्थ है– इस समय आप जिस चिंता से परेशान हैं, वह
अपनी लापरवाही की वजह से आपको परेशान कर रही है। अगर
मय आप लापरवाही नहीं करते तो आपको यह परेशानी न होती।

11 अंक का अर्थ है– आप जो प्रयास कर रहे हैं, उसमें आप अवश्य सफल होंगे। आपने अपनी जिम्मेदारी को समझा है।

12 अंक का अर्थ है– आपका काम बन जाएगा, आपका प्रश्न उचित है। अगर आप जरा-सी भी असावधानी बरतते तो आपको मुश्किल आ सकती थी।

13 अंक का अर्थ है– आप द्वारा किया गया प्रश्न उचित नहीं है। आप के काम में बराबर गिरावट या व्यवधान आता रहेगा। फिर भी, आपको निराश नहीं होना है, आप बराबर प्रयत्नशील रहें।

14 अंक का अर्थ है– आपका सवाल विवाह से संबंधित है और आप की चिन्ता भी जायज है। आपने विवाह का निर्णय देर से किया। इसी कारण आपको परेशानी का सामना करना पड़ा है।

15 अंक का अर्थ है– आपका प्रश्न श्रेष्ठ है; इसलिए आपका कार्य बड़े ही सम्माननीय ढंग से सम्पन्न होगा और आप हैरान होंगे कि यह कैसे इतनी अच्छी तरह से हो गया है।

16 अंक का अर्थ है– आप द्वारा किया गया प्रश्न आपके हित में
रहेगा। शीघ्र ही आपको शुभ समाचार मिलेगा। तमाम जगह से आपको नि...
मिली है, लेकिन अब शीघ्र ही आपकी निराशा को खुशी में बदलने...
समाचार प्राप्त होगा।

17 अंक का अर्थ है– आप द्वारा किया गया प्रश्न आपके ही...
है, आप सावधान रहें। आपके साथ दुर्घटना हो सकती है या आप...
का शिकार होने वाले हैं।

18 अंक का अर्थ है– आपको अभी और संघर्ष करना ...

अंकों से प्रश्नों का हल

अब मैं एक बहुत उपयोगी पद्धति का सविस्तार वर्णन करने जा रहा हूं। यह एक महत्त्वपूर्ण पद्धति है। विश्व के सफल लेखक M.M.MISKORE ने अपनी पुस्तक में इसका वर्णन किया है, साथ ही सेफेरियल ने भी THE KABALA OF NUMBERS में इस विषय पर विस्तार से लिखा है।

यह पद्धति बहुत उपयोगी है।

मान लीजिये, आपके किसी मित्र ने आपको लिखकर संख्या दी

12123

इसको पहले आपस में जोड़ते हैं-

1+2+1+2+3

= 9

अब इनमें अपनी तरफ से 3 और जोड़ दें

9+3 = 12 = 1 + 2 = 3

इस पद्धति में केवल अधिक से अधिक 9 अंकों को लिखा
है।

ऊपर हमें अंक मिला है 3 तो इसका अर्थ इस प्रकार है–

3 अंक का अर्थ है– आपका प्रश्न अनुकूल नहीं है और
स्थिति ठीक है। आपको शीघ्र ही हानिकारक समाचार प्राप्त

4 अंक का सम्बंध– प्रेम प्रसंग से है। आप, अपने प्रेम

5 अंक अर्थ है– आज आप जो समझौता करने जा रहे
तो ठीक लगेगा, लेकिन भविष्य में इससे हानि होगी। आ
पर सोच-विचार कर काम करना चाहिए।

6 अंक का अर्थ है– आप जिस स्थान की य
लाभदायक है। आप निडर होकर यात्रा करें, सफलता

7 अंक का अर्थ है– आपको उतावला होना उचि
कार्य अधिक सफल होता है और उसकी खुशी भी

है

जा सकता

न ही आपकी
होगा।
में सफल होंगे।
हैं वह इस वक्त
पको सभी पहलुओं

ात्रा कर रहे हैं वह
आप के कदम चूमेगी।
त नहीं है। सोचा-विचारा
होती है।

8 अंक का अर्थ है– आपकी सोच उचित ... के लिए मन में विचार किया है, वह अवश्य सफल होगा। हाँ! ... सोच आने वाले किसी दूर के पारिवारिक सदस्य की है तो उसका इस समय आ पाना संभव नहीं है।

9 अंक का अर्थ है– उस समय आप द्वारा किया गया समझौता उचित था, लेकिन इस समय यह आप के हित में नहीं है। इसका दूसरा पहलू आपको तकलीफ दे सकता है।

10 अंक का अर्थ है– इस समय आप जिस चिंता से परेशान हैं, वह आप की अपनी लापरवाही की वजह से आपको परेशान कर रही है। अगर उस समय आप लापरवाही नहीं करते तो आपको यह परेशानी न होती।

11 अंक का अर्थ है– आप जो प्रयास कर रहे हैं, उसमें आप अवश्य ही सफल होंगे। आपने अपनी जिम्मेदारी को समझा है।

12 अंक का अर्थ है– आपका काम बन जाएगा, आपका प्रश्न उचित है। अगर आप जरा-सी भी असावधानी बरतते तो आपको मुश्किल आ सकती थी।

13 अंक का अर्थ है– आप द्वारा किया गया प्रश्न उचित नहीं है। आप के काम में बराबर गिरावट या व्यवधान आता रहेगा। फिर भी, आपको निराश नहीं होना है, आप बराबर प्रयत्नशील रहें।

14 अंक का अर्थ है– आपका सवाल विवाह से संबंधित है और आप की चिन्ता भी जायज है। आपने विवाह का निर्णय देर से किया। इसी कारण आपको परेशानी का सामना करना पड़ा है।

15 अंक का अर्थ है– आपका प्रश्न श्रेष्ठ है; इसलिए आपका कार्य बड़े ही सम्माननीय ढंग से सम्पन्न होगा और आप हैरान होंगे कि यह कैसे इतनी अच्छी तरह से हो गया है।

16 अंक का अर्थ है– आप द्वारा किया गया प्रश्न आपके हित में ... रहेगा। शीघ्र ही आपको शुभ समाचार मिलेगा। तमाम जगह से आपको निरा... मिली है, लेकिन अब शीघ्र ही आपकी निराशा को खुशी में बदलने वा... समाचार प्राप्त होगा।

17 अंक का अर्थ है– आप द्वारा किया गया प्रश्न आपके ही खि... है, आप सावधान रहें। आपके साथ दुर्घटना हो सकती है या आप कि... का शिकार होने वाले हैं।

18 अंक का अर्थ है– आपको अभी और संघर्ष करना होगा...

9999999 =

...कों से प्रश्नों का हल

...में एक बहुत उपयोगी पद्धति का सविस्तार वर्णन करने जा रहा हूं। ...क महत्त्वपूर्ण पद्धति है। विश्व के सफल लेखक M.M.MISKORE ने ...पुस्तक में इसका वर्णन किया है, साथ ही सेफेरियल ने भी THE ...BALA OF NUMBERS में इस विषय पर विस्तार से लिखा है।

यह पद्धति बहुत उपयोगी है।

मान लीजिये, आपके किसी मित्र ने आपको लिखकर संख्या दी है

12123

इसको पहले आपस में जोड़ते हैं-

1+2+1+2+3

= 9

अब इनमें अपनी तरफ से 3 और जोड़ दें

9+3 = 12 = 1 + 2 = 3

इस पद्धति में केवल अधिक से अधिक 9 अंकों को लिखा जा सकता है।

ऊपर हमें अंक मिला है 3 तो इसका अर्थ इस प्रकार है-

3 अंक का अर्थ है- आपका प्रश्न अनुकूल नहीं है और न ही आपकी स्थिति ठीक है। आपको शीघ्र ही हानिकारक समाचार प्राप्त होगा।

4 अंक का सम्बंध- प्रेम प्रसंग से है। आप, अपने प्रेम में सफल होंगे।

5 अंक अर्थ है- आज आप जो समझौता करने जा रहे हैं वह इस वक्त तो ठीक लगेगा, लेकिन भविष्य में इससे हानि होगी। आपको सभी पहलुओं पर सोच-विचार कर काम करना चाहिए।

6 अंक का अर्थ है- आप जिस स्थान की यात्रा कर रहे हैं वह लाभदायक है। आप निडर होकर यात्रा करें, सफलता आप के कदम चूमेगी।

7 अंक का अर्थ है- आपको उतावला होना उचित नहीं है। सोचा-विचारा ...अधिक सफल होता है और उसकी खुशी भी होती है।

8 अंक का अर्थ है- आपकी सोच उचि...
के लिए मन में विचार किया है, वह अवश्य सफल होगी। ...
सोच आने वाले किसी दूर के पारिवारिक सदस्य की है तो उ...
आ पाना संभव नहीं है।

9 अंक का अर्थ है- उस समय आप द्वारा किया गय...
था, लेकिन इस समय यह आप के हित में नहीं है। ...
आपको तकलीफ दे सकता है।

10 अंक का अर्थ है- इस समय आप जिस चिं...
आप की अपनी लापरवाही की वजह से आपको परे...
उस समय आप लापरवाही नहीं करते तो आपको य...

11 अंक का अर्थ है- आप जो प्रयास कर र...
ही सफल होंगे। आपने अपनी जिम्मेदारी को सम...

12 अंक का अर्थ है- आपका काम बन जा...
अगर आप जरा-सी भी असावधानी बरतते तो आ...

13 अंक का अर्थ है- आप द्वारा किया ...
के काम में बराबर गिरावट या व्यवधान आता ...
नहीं होना है, आप बराबर प्रयत्नशील रहें। ...

14 अंक का अर्थ है- आपका सवाल ...
की चिन्ता भी जायज है। आपने विवाह ...
आपको परेशानी का सामना करना पड़ा ...

15 अंक का अर्थ है- आपका प्र...
ही सम्माननीय ढंग से सम्पन्न होगा ...
अच्छी तरह से हो गया है।

16 अंक का अर्थ है- आप ...
रहेगा। शीघ्र ही आपको शुभ समा...
मिली है, लेकिन अब शीघ्र ही ...
समाचार प्राप्त होगा।

17 अंक का अर्थ है- ...
है, आप सावधान रहें। आपक...
का शिकार होने वाले हैं। ...

18 अंक का अर्थ है- ...

का इस समय

। समझौता उचित
सका दूसरा पहलू

ा से परेशान हैं, वह
ान कर रही है। अगर
ह परेशानी न होती।
हैं, उसमें आप अवश्य
ा है।
गा, आपका प्रश्न उचित है।
पको मुश्किल आ सकती थी।
या प्रश्न उचित नहीं है। आप
रहेगा। फिर भी, आपको निराश

विवाह से संबंधित है और आप
का निर्णय देर से किया। इसी कारण
है।
न श्रेष्ठ है; इसलिए आपका कार्य बड़े
ौर आप हैरान होंगे कि यह कैसे इतनी

द्वारा किया गया प्रश्न आपके हित में ही
वार मिलेगा। तमाम जगह से आपको निराशा
आपकी निराशा को खुशी में बदलने वाला

आप द्वारा किया गया प्रश्न आपके ही खिलाफ
के साथ दुर्घटना हो सकती है या आप किसी रोग

— आपको अभी और संघर्ष करना होगा। सफलता

अंकों से प्रश्नों का हल

अब मैं एक बहुत उपयोगी पद्धति का सविस्तार वर्णन करने जा रहा हूं। यह एक महत्त्वपूर्ण पद्धति है। विश्व के सफल लेखक M.M.MISKORE ने अपनी पुस्तक में इसका वर्णन किया है, साथ ही सेफेरियल ने भी THE KABALA OF NUMBERS में इस विषय पर विस्तार से लिखा है।

यह पद्धति बहुत उपयोगी है।

मान लीजिये, आपके किसी मित्र ने आपको लिखकर संख्या दी

12123

इसको पहले आपस में जोड़ते हैं-

1+2+1+2+3

= 9

अब इनमें अपनी तरफ से 3 और जोड़ दें

9+3 = 12 = 1 + 2 = 3

इस पद्धति में केवल अधिक से अधिक 9 अंकों को लिखा
है।

ऊपर हमें अंक मिला है 3 तो इसका अर्थ इस प्रकार है-

3 अंक का अर्थ है- आपका प्रश्न अनुकूल नहीं है और
स्थिति ठीक है। आपको शीघ्र ही हानिकारक समाचार प्राप्त

4 अंक का सम्बंध- प्रेम प्रसंग से है। आप, अपने प्रेम

5 अंक अर्थ है- आज आप जो समझौता करने जा रहे
तो ठीक लगेगा, लेकिन भविष्य में इससे हानि होगी। आप
पर सोच-विचार कर काम करना चाहिए।

6 अंक का अर्थ है- आप जिस स्थान की य
लाभदायक है। आप निडर होकर यात्रा करें, सफलता

7 अंक का अर्थ है- आपको उतावला होना उचित
कार्य अधिक सफल होता है और उसकी खुशी भी

है

जा सकता

न ही आपकी
होगा।
में सफल होंगे।
हैं वह इस वक्त
पको सभी पहलुओं

त्रा कर रहे हैं वह
आप के कदम चूमेगी।
नहीं है। सोचा-विचारा
होती है।

8 अंक का अर्थ है– आपकी सोच उचित रह... के लिए मन में विचार किया है, वह अवश्य सफल होगा। हां! अ... सोच आने वाले किसी दूर के पारिवारिक सदस्य की है तो उसका इस समय आ पाना संभव नहीं है।

9 अंक का अर्थ है– उस समय आप द्वारा किया गया समझौता उचित था, लेकिन इस समय यह आप के हित में नहीं है। इसका दूसरा पहलू आपको तकलीफ दे सकता है।

10 अंक का अर्थ है– इस समय आप जिस चिंता से परेशान हैं, वह आप की अपनी लापरवाही की वजह से आपको परेशान कर रही है। अगर उस समय आप लापरवाही नहीं करते तो आपको यह परेशानी न होती।

11 अंक का अर्थ है– आप जो प्रयास कर रहे हैं, उसमें आप अवश्य ही सफल होंगे। आपने अपनी जिम्मेदारी को समझा है।

12 अंक का अर्थ है– आपका काम बन जाएगा, आपका प्रश्न उचित है। अगर आप जरा-सी भी असावधानी बरतते तो आपको मुश्किल आ सकती थी।

13 अंक का अर्थ है– आप द्वारा किया गया प्रश्न उचित नहीं है। आप के काम में बराबर गिरावट या व्यवधान आता रहेगा। फिर भी, आपको निराश नहीं होना है, आप बराबर प्रयत्नशील रहें।

14 अंक का अर्थ है– आपका सवाल विवाह से संबंधित है और आप की चिन्ता भी जायज है। आपने विवाह का निर्णय देर से किया। इसी कारण आपको परेशानी का सामना करना पड़ा है।

15 अंक का अर्थ है– आपका प्रश्न श्रेष्ठ है; इसलिए आपका कार्य बड़े ही सम्माननीय ढंग से सम्पन्न होगा और आप हैरान होंगे कि यह कैसे इतनी अच्छी तरह से हो गया है।

16 अंक का अर्थ है– आप द्वारा किया गया प्रश्न आपके हित म... रहेगा। शीघ्र ही आपको शुभ समाचार मिलेगा। तमाम जगह से आपको निर... मिली है, लेकिन अब शीघ्र ही आपकी निराशा को खुशी में बदलने ... समाचार प्राप्त होगा।

17 अंक का अर्थ है– आप द्वारा किया गया प्रश्न आपके ही ... है, आप सावधान रहें। आपके साथ दुर्घटना हो सकती है या आप वि... का शिकार होने वाले हैं।

18 अंक का अर्थ है– आपको अभी और संघर्ष करना होगा...

अंकों से प्रश्नों का हल

अब मैं एक बहुत उपयोगी पद्धति का सविस्तार वर्णन करने जा रहा हूं। यह एक महत्त्वपूर्ण पद्धति है। विश्व के सफल लेखक M.M.MISKORE ने अपनी पुस्तक में इसका वर्णन किया है, साथ ही सेफेरियल ने भी THE KABALA OF NUMBERS में इस विषय पर विस्तार से लिखा है।

यह पद्धति बहुत उपयोगी है।

मान लीजिये, आपके किसी मित्र ने आपको लिखकर संख्या दी है 12123

इसको पहले आपस में जोड़ते हैं–

1+2+1+2+3

= 9

अब इनमें अपनी तरफ से 3 और जोड़ दें

9+3 = 12 = 1 + 2 = 3

इस पद्धति में केवल अधिक से अधिक 9 अंकों को लिखा जा सकता है।

ऊपर हमें अंक मिला है 3 तो इसका अर्थ इस प्रकार है–

3 अंक का अर्थ है– आपका प्रश्न अनुकूल नहीं है और न ही आपकी स्थिति ठीक है। आपको शीघ्र ही हानिकारक समाचार प्राप्त होगा।

4 अंक का सम्बंध– प्रेम प्रसंग से है। आप, अपने प्रेम में सफल होंगे।

5 अंक अर्थ है– आज आप जो समझौता करने जा रहे हैं वह इस वक्त तो ठीक लगेगा, लेकिन भविष्य में इससे हानि होगी। आपको सभी पहलुओं पर सोच-विचार कर काम करना चाहिए।

6 अंक का अर्थ है– आप जिस स्थान की यात्रा कर रहे हैं वह लाभदायक है। आप निडर होकर यात्रा करें, सफलता आप के कदम चूमेगी।

7 अंक का अर्थ है– आपको उतावला होना उचित नहीं है। सोचा-विचारा कार्य अधिक सफल होता है और उसकी खुशी भी होती है।

8 अंक का अर्थ है– आपकी सोच उचित राह पर है। आपने जिस काम के लिए मन में विचार किया है, वह अवश्य सफल होगा। हां! अगर आपकी सोच आने वाले किसी दूर के पारिवारिक सदस्य की है तो उसका इस समय आ पाना संभव नहीं है।

9 अंक का अर्थ है– उस समय आप द्वारा किया गया समझौता उचित था, लेकिन इस समय यह आप के हित में नहीं है। इसका दूसरा पहलू आपको तकलीफ दे सकता है।

10 अंक का अर्थ है– इस समय आप जिस चिंता से परेशान हैं, वह आप की अपनी लापरवाही की वजह से आपको परेशान कर रही है। अगर उस समय आप लापरवाही नहीं करते तो आपको यह परेशानी न होती।

11 अंक का अर्थ है– आप जो प्रयास कर रहे हैं, उसमें आप अवश्य ही सफल होंगे। आपने अपनी जिम्मेदारी को समझा है।

12 अंक का अर्थ है– आपका काम बन जाएगा, आपका प्रश्न उचित है। अगर आप जरा-सी भी असावधानी बरतते तो आपको मुश्किल आ सकती थी।

13 अंक का अर्थ है– आप द्वारा किया गया प्रश्न उचित नहीं है। आप के काम में बराबर गिरावट या व्यवधान आता रहेगा। फिर भी, आपको निराश नहीं होना है, आप बराबर प्रयत्नशील रहें।

14 अंक का अर्थ है– आपका सवाल विवाह से संबंधित है और आप की चिन्ता भी जायज है। आपने विवाह का निर्णय देर से किया। इसी कारण आपको परेशानी का सामना करना पड़ा है।

15 अंक का अर्थ है– आपका प्रश्न श्रेष्ठ है; इसलिए आपका कार्य बड़े ही सम्माननीय ढंग से सम्पन्न होगा और आप हैरान होंगे कि यह कैसे इतनी अच्छी तरह से हो गया है।

16 अंक का अर्थ है– आप द्वारा किया गया प्रश्न आपके हित में ही रहेगा। शीघ्र ही आपको शुभ समाचार मिलेगा। तमाम जगह से आपको निराशा मिली है, लेकिन अब शीघ्र ही आपकी निराशा को खुशी में बदलने वाला समाचार प्राप्त होगा।

17 अंक का अर्थ है– आप द्वारा किया गया प्रश्न आपके ही खिलाफ है, आप सावधान रहें। आपके साथ दुर्घटना हो सकती है या आप किसी रोग का शिकार होने वाले हैं।

18 अंक का अर्थ है– आपको अभी और संघर्ष करना होगा। सफलता

सकती है।

19 अंक का अर्थ है– आपकी कोशिश सफल नहीं होगी।

20 अंक का अर्थ है– काम बनने में बाधा पहुंचेगी। आपने तर्क से सोचकर निर्णय नहीं लिया है।

21 अंक का अर्थ है– आपका प्रश्न 'देर हो गई' से संबंध रखता है। आपको अपना कार्य ईश्वर सहारे छोड़ देना चाहिए। समय का इंतजार करें।

22 अंक का अर्थ है– यह आपकी घरेलू समस्या है। आप अपने अहम् को त्याग दें और परिवार के हित में काम करें।

23 अंक का अर्थ है– आपका प्रश्न विलासिता से संबंध रखता है, लेकिन दूसरों के साथ अपने-आपको न जोड़ें। आप अपनी आय से ही सन्तुष्ट रहें।

24 अंक का अर्थ है– इस समय आप बेरोजगार हैं। हां! कुछ समय बाद आपकी स्थिति में सुधार आएगा।

25 अंक का अर्थ है– आपको शुभ सूचना मिलने वाली है, आपका कार्य शीघ्र ही सम्पन्न होगा।

26 अंक का अर्थ है– चंचलता आपके हित में नहीं है। आपको कदम-दर-कदम आगे बढ़ना होगा, तभी आप सफल होंगे।

27 अंक का अर्थ है– आपका काम बनेगा, बस थोड़ी-सी प्रतीक्षा करने की दरकार है।

28 अंक का अर्थ है– आपकी सेहत ठीक नहीं है। इसी के कारण आप के कार्य में व्यवधान खड़ा हो रहा है।

29 अंक का अर्थ है– आपके कार्य में आपके विरोधी अवरोध खड़े कर रहे हैं। इसलिए आपका कार्य बनने में संदेह है।

30 अंक का अर्थ है– प्रश्न आपने उत्तम किया है, शीघ्र ही शुभ समाचार मिलेगा। इस समाचार को सुनने के लिए आप बेचैन थे। फिर भी आप यह बात किसी से न कहें तो श्रेष्ठ है।

31 अंक का अर्थ है– आपकी लापरवाही ही इस स्थिति के लिए जिम्मेदार है।

32 अंक का अर्थ है– आपको सतर्क रहने की जरूरत है। पैसा उधार न दें, कुछ समय बाद आप पर विपदा आ सकती है।

33 अंक का अर्थ है– शीघ्र ही आपको मनचाहा समाचार मिलेगा।

आपका प्रश्न धन से जुड़ा हुआ है। आप पहले जो कमा रहे थे उसमें आइ
रुकावट हट जाएगी।

34 अंक का अर्थ है– आपकी स्थिति बहुत दिनों से अस्थिर थी। आप अपनी स्थिति को देखते हुए समझौता कर लें तो उचित रहेगा।

35 अंक का अर्थ है– आपने साधारण-सी जान-पहचान के कारण इतना बड़ा जोखिम भरा कार्य कर डाला। यह आपको परेशानी में डाल सकता है।

36 अंक का अर्थ है– आप बिना श्रम के अकूत धन की लालसा करते हैं, यह ठीक नहीं है। आप लॉटरी या सट्टे से सावधान रहें। आपने प्रश्न अनुचित किया है।

37 अंक का अर्थ है– आप पर कोर्ट से सम्बन्धित आरोप शीघ्र ही लगने वाला है। आप किसी भी वाद-विवाद में न पड़ें तो अच्छा है।

38 अंक का अर्थ है– आपकी आदतें आपको हानि पहुंचा रही हैं। आप पनी सेहत के बारे में लापरवाही न बरतें। समय आपके अनुकूल नहीं है।

39 अंक का अर्थ है– प्रश्न आपका आपके अनुकूल है। आपने मन में सोचा है, वह कार्य अवश्य ही पूरा होगा।

40 अंक का अर्थ है– आप अपने जीवन में ऊंचे उठने की सोच रहे हैं, किन यह उसी अवस्था में संभव है जब आप दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ काम ुट जायेंगे।

41 अंक का अर्थ है– विगत में जो घटनाएं आपके जीवन में घटी हैं वे ो बहुत कष्ट पहुंचा रही हैं। आपने जो सोचा था, उसके विपरीत हुआ र भी आप निराश न हों, समय का इंतजार करें।

2 अंक का अर्थ है– आप अपने जीवन साथी से परेशान हैं। अगर कोई है तो आपसी विचार-विमर्श से ही हल ढूंढ़ें। किसी तीसरे को शामिल तो स्थिति और भी बिगड़ सकती है। आप ठंडे दिमाग से ही कोई ठाएं।

अंक का अर्थ है– आपको अपनी पुरानी जायदाद की चिंता हो रही साथ जो विवाद चल रहा है उसके निबटारे में समय लग जाएगा। मन को विचलित न करें।

क का अर्थ है– सावधान रहें। आप आराम तो कम कर रहे हैं, एक सीमा से अधिक कर रहे हैं। इससे आपके जीवन को खतरा ता है। आप अपने शरीर के विषय में भी सोचें।

मिलने में देर हो सकती है।

19 अंक का अर्थ है– आपकी कोशिश सफल नहीं होगी।

20 अंक का अर्थ है– काम बनने में बाधा पहुंचेगी। आपने तर्क से सोचकर निर्णय नहीं लिया है।

21 अंक का अर्थ है– आपका प्रश्न 'देर हो गई' से संबंध रखता है। आपको अपना कार्य ईश्वर सहारे छोड़ देना चाहिए। समय का इंतजार करें।

22 अंक का अर्थ है– यह आपकी घरेलू समस्या है। आप अपने अहम् को त्याग दें और परिवार के हित में काम करें।

23 अंक का अर्थ है– आपका प्रश्न विलासिता से संबंध रखता है, लेकिन दूसरों के साथ अपने-आपको न जोड़ें। आप अपनी आय से ही सन्तुष्ट रहें।

24 अंक का अर्थ है– इस समय आप बेरोजगार हैं। हां! कुछ समय बाद आपकी स्थिति में सुधार आएगा।

25 अंक का अर्थ है– आपको शुभ सूचना मिलने वाली है, आपका कार्य शीघ्र ही सम्पन्न होगा।

26 अंक का अर्थ है– चंचलता आपके हित में नहीं है। आपको कदम-दर-कदम आगे बढ़ना होगा, तभी आप सफल होंगे।

27 अंक का अर्थ है– आपका काम बनेगा, बस थोड़ी-सी प्रतीक्षा करने की दरकार है।

28 अंक का अर्थ है– आपकी सेहत ठीक नहीं है। इसी के कारण आप के कार्य में व्यवधान खड़ा हो रहा है।

29 अंक का अर्थ है– आपके कार्य में आपके विरोधी अवरोध खड़े कर रहे हैं। इसलिए आपका कार्य बनने में संदेह है।

30 अंक का अर्थ है– प्रश्न आपने उत्तम किया है, शीघ्र ही शुभ समाचार मिलेगा। इस समाचार को सुनने के लिए आप बेचैन थे। फिर भी आप यह बात किसी से न कहें तो श्रेष्ठ है।

31 अंक का अर्थ है– आपकी लापरवाही ही इस स्थिति के लिए जिम्मेदार है।

32 अंक का अर्थ है– आपको सतर्क रहने की जरूरत है। पैसा उधार न दें, कुछ समय बाद आप पर विपदा आ सकती है।

33 अंक का अर्थ है– शीघ्र ही आपको मनचाहा समाचार मिलेगा।

आपका प्रश्न धन से जुड़ा हुआ है। आप पहले जो कमा रहे थे उसमें आई रुकावट हट जाएगी।

34 अंक का अर्थ है– आपकी स्थिति बहुत दिनों से अस्थिर थी। आप अपनी स्थिति को देखते हुए समझौता कर लें तो उचित रहेगा।

35 अंक का अर्थ है– आपने साधारण-सी जान-पहचान के कारण इतना बड़ा जोखिम भरा कार्य कर डाला। यह आपको परेशानी में डाल सकता है।

36 अंक का अर्थ है– आप बिना श्रम के अकूत धन की लालसा करते हैं, यह ठीक नहीं है। आप लॉटरी या सट्टे से सावधान रहें। आपने प्रश्न अनुचित किया है।

37 अंक का अर्थ है– आप पर कोर्ट से सम्बन्धित आरोप शीघ्र ही लगने वाला है। आप किसी भी वाद-विवाद में न पड़ें तो अच्छा है।

38 अंक का अर्थ है– आपकी आदतें आपको हानि पहुंचा रही हैं। आप अपनी सेहत के बारे में लापरवाही न बरतें। समय आपके अनुकूल नहीं है।

39 अंक का अर्थ है– प्रश्न आपका आपके अनुकूल है। आपने मन में जो सोचा है, वह कार्य अवश्य ही पूरा होगा।

40 अंक का अर्थ है– आप अपने जीवन में ऊंचे उठने की सोच रहे हैं, लेकिन यह उसी अवस्था में संभव है जब आप दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ काम में जुट जायेंगे।

41 अंक का अर्थ है– विगत में जो घटनाएं आपके जीवन में घटी हैं वे आपको बहुत कष्ट पहुंचा रही हैं। आपने जो सोचा था, उसके विपरीत हुआ है। फिर भी आप निराश न हों, समय का इंतजार करें।

42 अंक का अर्थ है– आप अपने जीवन साथी से परेशान हैं। अगर कोई समस्या है तो आपसी विचार-विमर्श से ही हल ढूंढें। किसी तीसरे को शामिल करने से तो स्थिति और भी बिगड़ सकती है। आप ठंडे दिमाग से ही कोई कदम उठाएं।

43 अंक का अर्थ है– आपको अपनी पुरानी जायदाद की चिंता हो रही है। आपके साथ जो विवाद चल रहा है उसके निबटारे में समय लग जाएगा। आप अपने मन को विचलित न करें।

44 अंक का अर्थ है– सावधान रहें। आप आराम तो कम कर रहे हैं, लेकिन श्रम एक सीमा से अधिक कर रहे हैं। इससे आपके जीवन को खतरा भी हो सकता है। आप अपने शरीर के विषय में भी सोचें।

45 अंक का अर्थ है– आप आराम से रहें। जिसकी चाहत में आप उतावले थे उसका मिलन शीघ्र ही होगा। आपने प्रश्न उचित किया है। शीघ्र ही शुभ समाचार मिलेगा।

46 अंक का अर्थ है– आप नाहक परेशान हो रहे हैं। यह कार्य होने वाला नहीं है। आप अपनी आयु को देखें और जिसके बारे में सोच रहे हैं उसकी आयु की ओर देखें।

47 अंक का अर्थ है आप लम्बे समय से मुकदमा लड़ते चले आ रहे हैं। इसमें धन, समय की हानि हुई है। अच्छा है, आप ठंडे दिमाग से सोच कर समझौता कर लें।

48 अंक का अर्थ है– वैसे तो प्रश्न आपके ही अनुकूल है, लेकिन इसमें समस्या यह है कि आप कार्य में ढील डाल देते हैं और उसी ढील के कारण कार्य की गति फायदेमंद नहीं हो पाती है। आप चिंता न करें। आपको शीघ्र ही समस्या से छुटकारा मिलेगा। अधूरा काम छोड़ देने से सफलता नहीं प्राप्त होती है।

49 अंक का अर्थ है– आप सीमा से अधिक विश्वास करते हैं। व्यापार में यह अच्छा गुण नहीं माना जाता। आपके इस विश्वास के कारण ही आपको परेशानियां उठानी पड़ रही हैं। अतः आप और अधिक समझदारी और सूझ-बूझ से काम लें।

50 अंक का अर्थ है– आपका प्रश्न यात्रा से सम्बंध रखता है, आप शीघ्र ही यात्रा पर जाने वाले हैं लेकिन, चिंता इस बात की है कि यह यात्रा आपको दुःख देगी और हो सकता है कि आप दुर्घटनाग्रस्त भी हो जाएं।

51 अंक का अर्थ है– आपने उत्तम प्रश्न किया। बहुत दिनों से अधूरा काम शीघ्र ही पूरा हो जाएगा और आप को आकस्मिक लाभ भी प्राप्त होगा।

52 अंक का अर्थ है– इस समय जो आपने प्रश्न किया है वह निश्चित ही सफल होगा, लेकिन इस कार्य में आपका निजी सहायक आपकी मदद करेगा। आपकी उस व्यक्ति ने सदा ही समय-समय पर मदद भी की है।

53 अंक का अर्थ है– आज आपने जो परेशानियां अपने लिए खड़ी की हैं वे आपकी लापरवाही का नतीजा हैं। आप निराश न हों और बराबर प्रयत्नशील रहें। समय लगेगा, लेकिन आपका काम हो जाएगा।

54 अंक का अर्थ है– हालांकि आपके भाग्य के अनुसार जो समय चल रहा है, उसे आपने अपने हाथों बिगाड़ा है। चाहे आपको ऐसा महसूस न होता

हो। यह बात याद रखें कि प्रयास चाहे जबरन ही क्यों न करना पड़े, प्रयास से ही सफलता मिलती है।

55 अंक का अर्थ है– आपने जो प्रश्न किया है, वह भारी विपदा से संबंध रखता है। आपने ही लापरवाही बरत कर ऐसी स्थिति को जन्म दिया है। आप अपने अच्छे समय की प्रतीक्षा करें।

56 अंक का अर्थ है– शीघ्र ही आपको सफलता मिलेगी। भावी समय आपके हित में ही होगा। मित्रों से सावधानी बरतें।

57 अंक का अर्थ है– आपकी चिंता का कारण धन है। जब परिवार बड़ा हो जाता है तो धन की चिंता होती ही है। समय का सदुपयोग करें। अगर पहले आठ घंटे कार्य करते थे, तो अब बारह घंटे काम करें। आपको धन की प्राप्ति होगी।

58 अंक का अर्थ है– आप गलत व्यक्ति से प्रेम कर बैठे हैं। वह आपको लाभ पहुंचा ही नहीं सकता है।

59 अंक का अर्थ है– आपने लम्बी बीमारी से ऊबकर प्रश्न किया है। चिंता न करें, शीघ्र ही आपको इस रोग से छुटकारा मिल जाएगा।

60 अंक का अर्थ है– आपका प्रश्न आध्यात्मिक है। ईश्वर के विषय में चिंता करना व्यर्थ है। ब्रह्म की शक्ति अपार है और अलौकिक भी। आपको चाहिए कि आप अपने काम में व्यस्त रहें।

61 अंक का अर्थ है– आपका प्रश्न सार्थक है। सफलता आपके कदम चूमेगी, क्योंकि परिस्थितियां आपके अनुकूल बनने लगी हैं। आपके प्रश्न को देखते हुए आप सफल व्यक्ति साबित होंगे।

62 अंक का अर्थ है– आपने आलस और लापवाही में अपनी यह दशा बना ली है। आपने बगैर देखे ही पत्रों पर हस्ताक्षर कर दिये। ऐसी स्थिति में आप भाग्य को दोष कैसे दे सकते हैं। आप निराश न हों और उसी उत्साह के साथ कार्य करें। आपको सफलता प्राप्त होगी।

63 अंक का अर्थ है– आप तो अपनी सम्पत्ति के बारे में चिंतित हैं। सम्पत्ति के निर्णय में सदा ही देर होती है। इसलिए व्यर्थ की चिंता छोड़ें और अपने दैनिक कार्यों को चित्त लगाकर करें। आप अवश्य ही सफल होंगे।

64 अंक का अर्थ है– आपका प्रश्न आपके खिलाफ है। आप इस विषय में न ही सोचें तो अच्छा है।

65 अंक का अर्थ है– आपके द्वारा लिखा गया प्रश्न उलझनों को दर्शाता

है। आप अच्छे समय का इंतजार करें। जैसे-जैसे समय गुजरेगा, परिस्थितियां आपके अनुकूल होंगी।

66 अंक का अर्थ है– आप द्वारा लिखा गया प्रश्न विरोधाभासी है।

67 अंक का अर्थ है– आपका प्रश्न बेकार है।

68 अंक का अर्थ है– आपका प्रश्न सफल होगा, लेकिन आपको इसी तरह की सर्तकता भी बरतनी होगी।

69 अंक का अर्थ है– यह प्रश्न आपके रोजगार या व्यवसाय से सम्बंध रखता है। यह समय आपके अनुकूल है। आप तेजी से कार्य करके प्रगति कर सकते हैं।

70 अंक का अर्थ है– आपका प्रश्न आपकी बीवी से सम्बंध रखता है। आपने अपनी इच्छा से विवाह किया है। घर के मुखिया की राय नहीं ली है। ऐसे में आप संतान का मुंह कैसे देख सकते हैं।

71 अंक का अर्थ है– आप जिस तरह से प्रगति के नशे में चूर हैं, वह ठीक नहीं है। आपमें आलस्य अधिक है। ऐसी स्थिति में आपको हानि भी हो सकती है। सचेत रहें।

72 अंक का अर्थ है– आपको धन की चिंता है। आप निराश न हों, शीघ्र ही आपकी आय में वृद्धि के लिए नये स्रोत का सृजन होगा। परन्तु आपको श्रम अधिक करना होगा।

73 अंक का अर्थ है– आप अपने इस समय को गुजर जाने दें। शीघ्र ही अच्छा समय आएगा, जो आपकी परेशानियों को समाप्त कर देगा।

74 अंक का अर्थ है– आपका प्रश्न ससुराल से सम्बंध रखता है। आप अपने को ससुराल वालों से श्रेष्ठ न समझें। जब आप ऐसा करने लगेंगे तो आपकी समस्या समाप्त हो जाएगी।

75 अंक का अर्थ है– प्रश्न अति उत्तम है। शीघ्र कार्य बनेगा।

76 अंक का अर्थ है– कुछ ही समय बाद आप ऐसी परियोजना से जुड़ने जा रहे हैं जिसके माध्यम से आपकी सामाजिक और आर्थिक प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी होगी। सचेत रहें।

77 अंक का अर्थ है– प्रश्न में उलझन है। काम भी उलझनों के साथ ही बन पाएगा।

78 अंक का अर्थ है–हर एक कार्य के लिए कुछ-न-कुछ समय तो देना ही पड़ता है। आप नाहक ही परेशान हो रहे हैं। स्थिति को समय पर छोड़ दें।

79 अंक का अर्थ है– आप अपने व्यक्तिगत मसले के लिए परेशान हैं। के प्रश्न के अनुसार आपके काम में देरी लगेगी।

80 अंक का अर्थ है– आप तो मुनाफा और नुकसान के चक्कर में पड़े हैं। जहां तक प्रश्न की बात है, समय की प्रतीक्षा करें। हां! लेन-देन में धानी अवश्य ही बरतें।

81 अंक का अर्थ है– आपकी समस्या आर्थिक है, लेकिन आपके प्रश्न तो उतावलापन झलकता है। यह आपके हित में नहीं है।

82 अंक का अर्थ है– आपके प्रश्न की सफलता में संदेह है।

83 अंक का अर्थ है– आपका प्रश्न व्यापार की सफलता के लिए है। प कर्म कीजिए, फल की पूर्ति स्वयं हो जायेगी।

84 अंक का अर्थ है– आपका प्रश्न उत्तम है। आप पूरी तन्मयता से लगे हैं। समय के साथ आपको शुभ सूचना प्राप्त होगी।

अब मैं इस शृंखला को समाप्त कर रहा हूं। अब आप भी कह सकते हैं क यहां प्रश्न संख्या 84 पर ही क्यों खत्म किया गया है।

इसका अर्थ है–

8+4 = 12

=1+2 = 3

शुरू में भी यही 3 अंक आया था। जिस तरह से A-B-C-D के मान ाधारित हैं उसी तरह इन प्रश्नों के नम्बरों का मान और उत्तर निश्चित है। फेरियल की पद्धति भी उसी तरह की है। आप कोई भी अध्ययन करके और ससे पद्धति की जानकारी हासिल करके दूसरों को हैरत में डाल सकते हैं।

■■

अंक प्रश्नावली

अब मैं अपने पाठकों के सामने उस महत्त्वपूर्ण प्रश्नावली का ज़िक्र कर रहा हूं जिसका सम्बंध हर मनुष्य से है। मन में प्रश्न उठना स्वाभाविक है। प्रश्नों का उत्तर मिलना मानव जीवन का महत्त्वपूर्ण हिस्सा है। मेरे पास तमाम पत्र आते रहे हैं ताकि मैं उनके प्रश्नों का उत्तर दूं।

प्रश्न 1: मेरा नाम रोजर पालमर है। क्या मैं ली से यौन संबंध स्थापित करने में सफल हो जाऊंगा।

आपका नाम

ROGER	PALMER	LEE
2+7+3+5+2	8+1+3+4+5+2	3+5+5
= 19	= 23	= 13
= 1+9	= 2+3	= 1+3
= 10 =1+0 =1	=5	= 4
	1+5	
	= 6 अंक	

आपके अंक का मूलांक 6 बना और LEE का मूलांक है 4, और SEX का मूलांक बना 4 तो आपके प्रश्न का सीधा-सा अर्थ है– आप ली से यौन सम्बंध स्थापित कर सकते हैं।

प्रश्न 2: मेरे संरक्षक मेरी शादी मेरी इच्छा के विरुद्ध जेन डिग्बी से करना चाहते है। मेरा नाम लिली है। क्या शादी के बाद मेरा मैरिज लाइफ आन्ददायक रह सकता है?

JANE	DIGBY
1+1+5+5	4+1+3+2+1
= 12 = 1 + 2 = 3	= 11 = 1+1 = 2

इनका मूलांक बना

3+2 = 5

लिली का मूलांक बना

L I L L Y

3+1+3+3+1

= 11 = 1+1 = 2

मूलांक 5 मूलांक 2 का अति मित्र है। इसलिए इनका दाम्पत्य जीवन अच्छा रहेगा।

प्रश्न 3: मेरा नाम विलसन है। मैं नेवी में जाना चाहता हूं। क्या मैं अपने कैरियर में सफल हो सकता हूं?

WI LSON

6+1+3+3+7+5 = 25 = 2+5 = 7 मूलांक

NAVY

5+1+6+1 = 13 = 1+3 = 4 अंक

अंक 4 अंक 7 का सम अंक है। इसलिए विलसन के लिए नेवी में जाना सामान्य है तथा इन्हें सफलता भी प्राप्त हो सकती है।

प्रश्न 4: मैंने व्यापार में किसी को एक लाख रुपया दिया है। क्या यह रुपया मुझे मिल सकेगा? मेरा नाम एलविन रोज है।

यहां MONEY का मूलांक निकालना होगा।

4+7+5+5+1

= 22 = 2+2 = 4 अंक

ALWIN	ROSE
1+3+6+1+5	2+7+3+5
= 16 = 1+6 = 7	= 17 = 1+7 = 8

दोनों का जोड़ 7+8 = 15

= 1+5 = 6

मनी का अंक 4 है और अंक 6 का अंक 4 सम अंक है। इसलिए इसका उत्तर है कि इन्हें रुपया अवश्य ही मिल जाएगा।

प्रश्न 5: मेरा नाम ऐन किंग है। मैं अपना व्यापार करना चाहती हूं। क्या मैं सफल हूंगी?

ANN	KING
1+5+5	2+1+5+3
= 11	= 11
= 1+1	= 1+1
= 2	= 2

जोड़ दें 2+2
= 4 अंक

अब BUSINESS का मूलांक निकालते हैं।
2+6+3+1+5+5+3+3
जोड़ने पर = 28 = 2+8 = 10 =1+0 = 1 अंक
इनका जवाब है मूलांक अंक 4 अंक 1 का सम अंक है। इनके
लिए बिजनेस में लाभ सामान्य ही होगा।

प्रश्न 6: मेरा नाम बरोटिका है। मैं विलियम से विवाह करना चाहती
क्या हम दोनों सुखी रहेंगे।

BAROTICA
2+1+2+7+4+1+3+1
जोड़ दें
= 21 = 2+1 = 3;
1 अंक

WILLIAM
6+1+3+3+1+1+4
= 19 = 1+9 = 10 1+0,

अंक 3 का अंक 1 सम अंक है। इसलिए इनकी जोड़ी सामान्य रहेगी।

प्रश्न 7: मेरा नाम राबर्ट डेनी है, क्या मैं जापान में रह सकता हूं ?

ROBERT
2+7+2+5+2+4
= 22
= 2+2
= 4

DANNI
4+1+5+5+1
= 16
= 1+6
= 7

मूलांक 4+7
= 11
= 1+1
= 2 अंक

अब जापान JAPAN का मूलांक निकालना होगा,
JAPAN
1+1+8+1+5
जोड़ = 16 = 1+6 = 7

अब इनका उत्तर यह है कि अंक 2 का अंक 7 शत्रु अंक है। इसलिए
राबर्ट डैनी को जापान में रहने की बात भूल जानी चाहिए। इनके लिए यह देश
ठीक नहीं है।

वाला अंक है।

अब मैं फ्रांस के रचनाकार वाल्टेयर की चर्चा करना चाहूंगा।
गत में बहुत नाम कमाया है।
ाक है- 1694
+4
= 20 = 2 अंक
जन्म तिथि 2, 11, 20, 29 में से कोई एक तिथि होगी।
को फ्रांसीसी क्रांति फैलाने वाले दार्शनिकों में प्रमुख माना जाता
यर की आयु 84 वर्ष रही है।

WALTAIR
6+1+3+4+1+1+2
= 18 = 1+8 = 9
= अंक 9 अंक 84 (8+4 = 12 = 3) का सम अंक है। फल साधारण

—अब मैं आपके सामने एक ऐसी विश्व प्रसिद्ध महिला का नाम ले रहा
जिसने इग्लैंड में हाहाकार मचा दिया था।
वह है एक काल गर्ल जिसका नाम है 'क्रिस्टीन किलर'।
इस महिला ने न केवल राजनीतिज्ञों को अपनी रूप की छवि से मोहा,
क धन कुबेर भी उसके दीवाने हुए।

CRISTEEN	KILLER
3+2+1+3+4+5+5+5	2+1+3+3+5+2
= 28	= 16
= 2+8	= 1+6
= 10 1+0 =1	= 7

संयुक्तांक 1+7
= 8

आपने। मैं पहले भी बता चुका हूं कि 8 अंक एय्याशी में लिप्त
इसका मूल ग्रह शनि है। और शनि वाले स्त्री-पुरुष दूसरे साथी से
यौन सम्बंध रखते हैं।
कुछ हत्याओं की चर्चा करना चाहूंगा। आखिर इन महान हस्तियों की
वाले उनके शत्रु थे।

एक-दूसरे से जिसे इन विश्लेषणों से स्पष्ट हो जाएगा कि एक अंक व दूसरे अंक से रिश्ता या सम्बंध कितना सूक्ष्म है और अलग नहीं किया ज सकता।

ABRAHAM	LINCOLN
1+2+2+1+5+1+4	3+1+5+3+7+3+5
= 16	= 27
= 1+6	= 2+7
= 7	= 9

संयुक्तांक 7+9 = 16
= 1+6
= 7 अंक

इनकी हत्या करने वाला था-

JOHN	WILKES	BOOTH
1+7+5+5	6+1+3+2+5+3	2+7+7+4+5
= 18	= 20	= 25
1 + 8 = 9	2 + 0 = 2	2 + [illegible]

= 18 = 1+9 = 9
संयुक्तांक = 9

अब आप शत्रु-मित्र तालिका में देखें और चौंकेंगे कि अंक 7 का अं 9 शत्रु अंक है।

इतने विस्तार से विश्लेषण करने का मेरा मतलब यही है कि आप इस विज्ञान की बात को शत/प्रतिशत सच मानें।

ज्योतिष शास्त्र की दूसरी शाखायें कैलकुलेशन 'गणना' के लिहाज से गलत भी हो सकती है, किन्तु अंक विज्ञान कभी गलत नहीं हो सकता।

इस विज्ञान में अक्षर की विशेषता है। इसी विशेषता की वजह से यह विश्व में श्रेष्ठ और प्रामाणिक माना जाता है।

अब मैं पाठकों के सामने फ्रांस के रोमांटिक छवि वाले नेता 'पान्चों विला' का नाम प्रस्तुत कर रहा हूं।

इनको योजना बनाकर मारा गया था।

PANCHO	VILLA
8 + 1 + 5 + 3 + 5 + 7	6 + 1 + 3 + 3 + 1
= 29	= 14

= 2 + 9	= 1 + 4
= 11	= 5
= 1 + 1	
= 2	

संयुक्तांक = 2+5

= 7

अब हत्यारे का मूलांक देखें–

JESUS	SALAS
1+5+3+6+3	3+1+3+1+3
= 18	= 11
= 1+8	= 1+1
= 9	=2

संयुक्तांक 9 + 2 = 11

1+1

= 2

देखा आपने, अंक 7 का अंक 2 शत्रु अंक है। इसलिए इस व्यक्ति ने उसकी हत्या की।

अपने अंक के महत्त्व को जानें

इस अध्याय में मैं अब पाठकों को अपने अंक पर विशेष ध्यान दिलाना चाहता हूं।

हर अंक की अपनी शक्ति और अपनी विशेषता है। जिस समय आपको यह मालूम हो जाता है कि आपका मूलांक क्या है, उस समय आपको अपने मूलांक की शक्ति को जानना आवश्यक है।

इसके प्रभाव से मानव जीवन का विकास तो होता ही है साथ ही, उसकी प्रतिभा भी निखरती है।

आज विश्व में जो भी सफल शक्तियां हैं, उन्हें हर क्षेत्र में, हर कार्य में अपने अंक का ध्यान रखना चाहिए।

दरअसल, यह शक्ति हर नर-नारी को प्रकृति ने जन्म से ही प्रदान की है, लेकिन बहुत कम लोग इस शक्ति को जानते हैं।

आप कहीं भी चले जाइए- सफर में, ऑफिस में, वहां तमाम लोग इधर-उधर की फालतू बातें करते मिल जाएंगे।

वे ऐसे लोग हैं जिन्हें अपने अंक की शक्ति का आभास ही नहीं है।

इसमें उन लोगों का दोष नहीं होता है। दोष तो प्रकृति प्रदत्त है, क्योंकि ऐसे व्यक्तियों को किसी बात पर ध्यान केन्द्रित करने की शक्ति होती ही नहीं है।

इसी शक्ति को न जान सकने के कारण वे जो बातें करते हैं, उनकी बात का कोई भी प्रभाव नहीं होता है। ठीक उसी प्रकार बहुत से व्यक्ति जब किसी को पत्र लिखते हैं तो बड़े ही लच्छेदार भाषा का प्रयोग करते हैं।

इस पत्र को पढ़ने वाला, पत्र पढ़कर फिर फाड़कर रद्दी की टोकरी में डाल देता है।

इसीलिए हम यह मानते हैं कि पत्र संक्षिप्त और मुख्य बात पर केन्द्रित तो उसका प्रभाव सटीक पड़ता है।

जो पाठक इसकी (अपने अंक) शक्ति को विकसित करना चाहते हैं न्हें अपने अंकों का सही प्रयोग करना चाहिए।

मान लिया कि किसी व्यक्ति का अंक 2 है तो उस व्यक्ति को उसे नपना लक्ष्य, अपना भाग्य और अपना भगवान मान कर चलना चाहिए।

मान लीजिए, कोई व्यक्ति कहीं पर किसी से कुछ मांगने जा रहा है तो -से मांगने वाले व्यक्ति की जन्म-तारीख और उसके स्वभाव को जान लेना नावश्यक है। किसी व्यक्ति की जन्मतिथि जान लेना कोई बहुत मुश्किल नहीं ।

अगर कोई व्यक्ति किसी नौकरी के लिए इण्टरव्यू देने जा रहा है तो इण्टरव्यू लेने वाले की जन्म-तिथि और स्वभाव जानकर उसे अपने अंक से मिलान करना चाहिए।

इससे सफलता आपके कदम चूमेगी और आप जीवन में कभी मात नहीं खाएंगे।

कुछ अंक ऐसे हैं जो कभी साथ नहीं देते हैं। जैसे अंक 1 अंक 3 को कभी भी प्रभावित करने की क्षमता नहीं रखता है। अगर कोई व्यक्ति व्यर्थ ही अपना श्रम खर्च करे तो उसके लिए क्या कहा जा सकता है।

इस अध्याय की उपयोगिता इसलिए है कि अगर आप अपने अंक का ध्यान करके कोई विशेष दिन 'मुलाकात' का दिन चुन लेते हैं तो आप यह देखकर सन्न रह जाएंगे कि आपका काम इतनी सरलता से हो गया और जिसके बारे में आप को आभास भी नहीं हुआ कि काम कब बन गया।

अंकों की बारम्बारता

पाठकों के लिए यह अध्याय बहुत महत्त्वपूर्ण है। वह इसलिए कि अगर उनके जीवन में कोई अंक बार-बार आता है तो उसका प्रभाव क्या होता है?

इसकी उपयोगिता को देखते हुए मैं कुछ उदाहरण प्रस्तुत कर रहा हूं।

सम्राट एडवर्ड

एडवर्ड की जन्मतिथि 9 नवम्बर है। इसलिए इनका मूलांक अंक 9 बना। उनका विवाह हुआ सन् 1863 में, अब हम इन अंकों को जोड़ते हैं-

1863

= 1 + 8 + 6 + 3

= 18 = 1+8 = 9

सम्राट का अभिषेक हुआ 27 जून को। अब इससे भी जोड़ें तो-

2+7 = 9

और 6 मई को 69वें वर्ष में पहली बार ये दोनों अंक (6 और 9) एक साथ आये थे।

इसी दिन उनकी मृत्यु हो गयी है।

इसके बाद ऐसा ही उदाहरण है, सर आलमा-टोडेमा का है। यह समाचार लंदन के तमाम समाचार पत्रों में प्रकाशित हुआ है।

विश्व प्रसिद्ध सर आलमा-टोडेमा लिखते हैं कि उनका महत्त्वपूर्ण अंक 17 है। जब वे सबसे पहले अपनी पत्नी से मिले, उस समय उनकी आयु 17 वर्ष थी उनके मकान का अंक 17 था।

उन्होंने अपने मकान का पुनः निर्माण 17 अगस्त को प्रारम्भ किया था।

■■

अक्षर बदल कर भाग्य बदलें

हमारे सामाजिक जीवन में अक्सर ऐसा देखा गया है कि अगर किसी युवा की नौकरी नहीं लगती है तो उसे भाग्यहीन समझ कर लेते हैं, अगर युवा लड़की की शादी नहीं हो पा रही है तो लोग उसे दबी जुबान से कहते हैं- "लड़की का नसीब ही खराब है।"

आपका भाग्य इससे भी बदल सकता है कि आपके नाम के अक्षरों को बदल दिया जाए। अक्षर बदल जाने से भाग्यांक बदल जाता है। इससे शर्तिया ही आप के भविष्य पर उसका व्यापक प्रभाव पड़ता है। मैं आपको एक नाम देता हूं- LEE.

LEE

3 + 5 + 5

= 13 = 1 + 3 = 4

ली का भाग्यांक 4 निकलता है, अब अगर हम ली की स्पेलिंग में एक शब्द बदल दें तो

LEI

3 + 5 + 1

= 9 अंक

अक्षर बदलने से ली का भाग्यांक बदलकर 9 हो गया। यह चमत्कारी ढंग है, अपने भविष्य को बदलने का।

इसी तरह से अगर आप किसी कम्पनी में नौकरी नहीं पा रहे हैं तो अपने नाम की स्पेलिंग बदल कर देखें आपको हैरत होगी। आपकी नौकरी लग जायेगी। जिस तरह से सुबह के बाद शाम का होना सूर्योदय के बाद यूर्यास्त का होना निश्चित है, उसी नाम के अक्षर की स्पेलिंग बदल कर कोई भी स्त्री-पुरुष अपने भाग्य में चमत्कारी परिवर्तन ला सकता है।

अब हम एक विश्व की प्रसिद्ध हस्ती का नाम देखते हैं-
ZONE OF ARC

जोन ऑफ आर्क का भाग्यांक बनता है-

ZONE	OF	ARC
7 + 7 + 5 + 5	7 + 8	1 + 2 + 3
= 24	15	6
2 + 4	1 + 5	6
= 6 + 6 + 6		

= 18 = 1 + 8 = 9 अंक

ZONE OF ARC का मूलांक अंक 9।

अब हम अगर सिर्फ अंतिम शब्द आर्क- AARC में A की स्पेलिंग चेंज कर दें तो देखते हैं कि उनका भाग्यांक क्या हो जाता है?

ZONE	OF	AARC
7 + 7 + 5 + 5	7 + 8	1 + 1 + 2 + 3
= 24	= 15	= 7
= 2 + 4	1 + 5	= 6
= 6 + 6 + 7 = 19		

= 1 + 9 = 10 = 1 + 0 = 1

देखिए केवल एक अक्षर बदलने से ही भाग्यांक 9 से 1 हो गया।

-माना कि किसी मनुष्य का नाम JPSEPH है। इस रूप में इसका भाग्यांक बनता है-

JOSEPH

1+7+3+5+8+5

= 2+9

= 11 = 1+1= 2 अंक

मूलांक बना 2

अब अगर हम इस नाम में से 'E' एक स्पेलिंग को हटा दें तो-

JOSPH

1 + 7 + 3 + 8 + 5

= 24 = 2 + 4 = 6 अंक

मूलांक बना = 6

JOSEPH 'E' बदलने से ही भाग्यांक में चमत्कारी परिवर्तित आ गया।

-अब हम अगला नाम लेते हैं-

MERY

4 + 5 + 2 + 1

= 12

= 1 + 2 = 3

WILSON

6 + 1 + 3 + 3 + 7 + 5

= 25

= 2 + 5 = 7

संयुक्तांक बनता है = 3 + 7 = 10 =1 + 0 = 1

-अब हम अगर मैरी की स्पेलिंग में परिवर्तन कर देते हैं तो-

MARY

4 + 1 + 2 + 1

= 8

WILSON

6 + 1 + 3 + 3 + 7 + 5

25

= 2 + 5 = 7

संयुक्तांक = 8 + 7 = 15 = 1 + 5 = 6 अंक

ऊपर भाग्यांक बनता है 1 अंक और स्पेलिंग बदल लेने से भाग्यांक 6 अंक बन जाता है।

-अब हम PAUL के नाम को लेते हैं-

PAUL

8 + 1 + 6 + 3

= 18

= 1 + 8 = 9

इन स्पेलिंगों से भाग्यांक बना है 9 और अगर हम PAL को लें तो-

PAL

8 + 1 + 3

= 12 = 1 + 2 = 3

देखा आपने! कितना अंतर आ गया।

अब हम JACOB के नाम को लेते हैं-

JACOB

+ 1 + 3 + 7 + 2

14 = 1 + 4 = 5

भाग्यांक बना 5 अंक

अगर हम जेकब के नाम में A की जगह E शब्द का परिवर्तन कर लें

भाग्यांक बनता हैं-

अब हम एक विश्व की प्रसिद्ध हस्ती का नाम देखते हैं-

ZONE OF ARC

जोन ऑफ आर्क का भाग्यांक बनता है-

ZONE	OF	ARC
7 + 7 + 5 + 5	7 + 8	1 + 2 + 3
= 24	15	6
2 + 4	1 + 5	6
= 6 + 6 + 6		

= 18 = 1 + 8 = 9 अंक

ZONE OF ARC का मूलांक अंक 9।

अब हम अगर सिर्फ अंतिम शब्द आर्क- AARC में A की स्पेलिंग चेंज कर दें तो देखते हैं कि उनका भाग्यांक क्या हो जाता है?

ZONE	OF	AARC
7 + 7 + 5 + 5	7 + 8	1 + 1 + 2 + 3
= 24	= 15	= 7
= 2 + 4	1 + 5	= 6
= 6 + 6 + 7 = 19		
= 1 + 9 = 10 = 1 + 0 = 1		

देखिए केवल एक अक्षर बदलने से ही भाग्यांक 9 से 1 हो गया।

-माना कि किसी मनुष्य का नाम JPSEPH है। इस रूप में इसका भाग्यांक बनता है-

JOSEPH

1+7+3+5+8+5

= 2+9

= 11 = 1+1= 2 अंक

मूलांक बना 2

अब अगर हम इस नाम में से 'E' एक स्पेलिंग को हटा दें तो-

JOSPH

1 + 7 + 3 + 8 + 5

= 24 = 2 + 4 = 6 अंक

मूलांक बना = 6

JOSEPH 'E' बदलने से ही भाग्यांक में चमत्कारी परिवर्तित आ गया।

-अब हम अगला नाम लेते हैं-

MERY
4 + 5 + 2 + 1
= 12
= 1 + 2 = 3

WILSON
6 + 1 + 3 + 3 + 7 + 5
= 25
= 2 + 5 = 7

संयुक्तांक बनता है = 3 + 7 = 10 =1 + 0 = 1

-अब हम अगर मैरी की स्पेलिंग में परिवर्तन कर देते हैं तो-

MARY
4 + 1 + 2 + 1
= 8

WILSON
6 + 1 + 3 + 3 + 7 + 5
25
= 2 + 5 = 7

संयुक्तांक = 8 + 7 = 15 = 1 + 5 = 6 अंक

ऊपर भाग्यांक बनता है 1 अंक और स्पेलिंग बदल लेने से भाग्यांक 6 अंक बन जाता है।

-अब हम PAUL के नाम को लेते हैं-

PAUL
8 + 1 + 6 + 3
= 18
= 1 + 8 = 9

इन स्पेलिंगों से भाग्यांक बना है 9 और अगर हम PAL को लें तो-

PAL
8 + 1 + 3
= 12 = 1 + 2 = 3

देखा आपने! कितना अंतर आ गया।

अब हम JACOB के नाम को लेते हैं-

JACOB
1 + 1 + 3 + 7 + 2
= 14 = 1 + 4 = 5

भाग्यांक बना 5 अंक

-अगर हम जेकब के नाम में A की जगह E शब्द का परिवर्तन कर लें तो भाग्यांक बनता है-

JECOB

1 + 5 + 3 + 7 + 2

= 18

= 1 + 8 = 9 अंक

ऊपर 5 अंक बनता है और नीचे स्पेलिंग बदलने से इतना अंतर आ गया।

–अब हम MACHEY को लेते हैं–

MACHEY

4 + 1 + 3 + 5 + 5 + 1

= 19

= 1 + 9 = 10

= 1 अंक

–अब अगर हम स्पेलिंग बदल कर MECHEY कर लेते हैं तो–

MECHEY

4 + 5 + 3 + 5 + 5 + 7

= 29

= 2 + 9 = 11 = 1 + 1 = 2

अक्षर बदलने से भाग्यांक में अंतर आना ही अंक विज्ञान की पद्धति का चमत्कार है।

–अब हम शब्द लेते हैं फ्रेंकलीन। इसकी शब्द वैल्यू निकालते हैं–

FRANKLINE

8 + 2 + 1 + 5 + 2 + 3 + 1 + 5 + 5

= 32

= 3 + 2 = 5

अब हम इसमें E शब्द हटा दें तो–

FRANKLIN

8 + 2 + 1 + 5 + 2 + 3 + 1 + 5

= 27

= 2 + 7 = 9 अंक

अब अन्तर हमारे सामने हैं। कहां अंक 5 का भाग्यांक है और कहां भाग्यांक 9 अंक। इन दोनों में जमीन-आसमान का अंतर हो गया है।

–अब हम PRIM ROSE नाम को लेते हैं–

PRIM	ROSE
8 + 2 + 1 + 4	2 + 7 + 3 + 5
= 15	= 17
= 1 + 5 = 6	= 1 + 7 = 8

संयुक्तांक = 6 + 8 = 14

= 1 + 4 = 5

भाग्यांक = 5

अब अगर हम PRIM E ROSE शब्द को लें और E शब्द M के बाद लगा दें तब–

PRIME	ROSE
8 + 2 + 1 + 4 + 5	2 + 7 + 3 + 5
= 20	= 17
= 2 + 0 = 2	1 + 7 = 8

संयुक्तांक = 2 + 8 = 10 = 1 अंक।

भाग्यांक = 1

अंतर हमारे सामने है। इस तरह आप अपने लाइफ पार्टनर के नाम में शब्द बदल कर उसका भाग्यांक बदल सकते हैं।

अब हम BARKER शब्द को लेते हैं।

BARKER

2 + 1 + 2 + 2 + 5 + 2

= 14

= 1 + 4 = 5 अंक

इसमें हम E शब्द के स्थान पर अगर A शब्द बदल दें तो–

BARKAR

2 + 1 + 2 + 2 + 1 + 2

= 10

= 1 अंक

भाग्यांक में कितना अंतर आ गया है।

–अब हम VICTOR नाम को लेते हैं।

VICTOR

6 + 1 + 3 + 4 + 7 + 2

= 23

= 2 + 3 = 5 अंक

अब अगर ऊपर दिये गये शब्द में R के बाद E शब्द लगा देते हैं–

VICTORE .

6 + 1 + 3 + 4 + 7 + 2 + 5

= 28

= 2 + 8 = 10

= 1 + 0 = 1 अंक

इन विश्लेषणों से मेरी यह बात बहुत अच्छी तरह से सिद्ध हो जाती है कि नाम में अक्षर बदल कर कोई भी मनुष्य अपना भाग्य बदल कर अपना जीवन सुखमय बना सकता है।

■■

वित्तीय मूल्यांक

अब मैं अंक विज्ञान का एक महत्त्वपूर्ण बिन्दु अपने पाठकों के सामने प्रस्तुत करने जा रहा हूं। माना कि हमारे पास नाम है– HUEY LONG.

HUEY	LONG
5+6+5+1	3+7+5+3
= 17	= 18
= 1+7	= 1+8

संयुक्तांक = 8+9 = 17

= 1 + 7 = 8

इन दो नाम खण्डों का योग 8 हुआ है। इसलिए यह अंतिम 8 अंक ही उपरोक्त नाम के मनुष्य के लिए वित्तीय उपलब्धि का अंक होगा जो कि जीवन की सामान्य परिस्थितियों में हानि-लाभ प्रदान करता रहेगा।

आगे के पृष्ठों पर मैं अपने पाठकों को 1 से 22 तक के अंकों की वित्तीय विश्लेषण की जानकारी प्रदान करूंगा।

अंक : 1 :

आपका वित्तीय अंक माना कि एक है तो आप धनवान होंगे। आप धन संचय के स्रोत अपने आप खोज लेंगे।

धन कमाने के प्रमुख स्रोत आपके लिए दिमागी, यात्रा, वाहन आदि के क्षेत्र में ही उपलब्ध रहेंगे लेकिन आप को किसी के साथ साझेदारी करने के लिए बहुत सोच समझ कर ही कोई कदम उठाना चाहिए। अगर आपको अपने जीवन में कहीं कर्ज लेना हो या जमानत देनी हो तो बहुत अधिक सावधानी बरतने की आवश्यकता है। वरना आप को भारी वित्तीय हानि हो सकती है। 20 साल से 29 साल तक समय आप के भाग्योदय का समय है।

अंक : 2 :

यदि यह अंक आपका वित्तीय अंक है तो एक तरह से यह कहा जा

सकता है कि उधार लेना आपकी आदत का प्रतीक है। और आप किसी भी अवसर पर धन खर्च करने के लिए हिचकेंगे नहीं, लेकिन इतना तय है कि आप खर्च किया गया धन वसूल कर लेना चाहेंगे तो आप इसमें सफल भी हो जाएंगे।

व्यावसायी स्तर पर ठेकेदारी, जनरल मर्चेंट एवं थोक व्यापार से आपकी आजीविका जुड़ी रहेगी। साहित्य के क्षेत्र में कुछ लोगों के लिए आप लाभकारी सिद्ध होगें। महिला वर्ग में पत्रकारिता और वित्त सम्बंधी क्षेत्र लाभकारी साबित होगा। आपका भाग्योदय 25 से 50 साल की आयु के मध्य आपके लिए हितकारी और लाभदायक सिद्ध होगा।

अंक : 3 :

आपके जीवन में आर्थिक स्थिति बहुत ही विस्मयकारी ढंग से शुरू होगी और आप एकाएक ही धन कमाने का अनोखा बिन्दु प्राप्त करने में सफल होंगे। यह भी हो सकता है कि धन कमाने के लिए आपको अनचाहे भी किसी क्षेत्र विशेष में उतरना पड़े। इन सभी मुददों में आप पर पक्षपात या अवसरवाद का आरोप भी लगाया जा सकता है।

आप की मानसिक प्रवृत्ति में वैभव और विलासिता का व्यापक प्रभाव रहेगा। इसके लिए आप कोई भी उचित या अनुचित कार्य करने में हिचकेंगे नहीं। आपके जीवन की कमी यह है कि आप किसी पर भी विश्वास कर बैठते हैं। यह आपकी वित्तीय क्षमता के लिए घातक भी सिद्ध हो सकता है।

आपका कोई भी मित्र या जीवन साथी मुंहफट या स्पष्ट वकता होना चाहिए। जो समय-समय पर आपको सर्तक करता रहे। आपकी भाग्योदय की स्थिति युवावस्था से प्रारम्भ होगी।

अंक : 4 :

अगर आपका वित्तीय अंक चार है तो यह इस बात की गारंटी देता है कि आपमें कठिन से कठिन स्थिति में भी लम्बे समय तक संघर्ष करने की क्षमता है। इसलिए श्रम से धन कमाना आपको ज्यादा सहज और सरल लगता है। इस स्थिति के लिए आपके जीवन में कई ऐसे अवसर भी प्राप्त होंगे जिनमें आप अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं।

आपके जीवन में कई बार ऐसा भी होगा कि धन अपने आप ही आपको प्राप्त होता रहेगा और कई बार तो आपको ऐसी परिस्थिति का सामना भी करना पड़ सकता है जब आप को धन खर्च में कंजूसी करनी पड़ेगी।

अत्याधिक दिखावे या अनचाही वस्तु को प्राप्त करने में आपको किसी के आगे हाथ भी फैलाने पड़ सकते हैं। क्योंकि आपके अंदर उधार या किश्तों में चीजें खरीद लेने की प्रवृत्ति भी मौजूद होगी जो आपके वित्तीय संसाधनों को डावांडोल भी कर सकती है। शेयर या सट्टे के लालच में आप दिवालिया भी हो सकते हैं।

आपकी आयु के 30 से 35 वर्ष के अन्तराल में आप अपनी प्रवृत्ति पर काबू पा लेते हैं तो आप के जीवन के 40 सालों के बाद आप भाग्योदय चमत्कार दिखला सकते हैं। तथा धनी व्यक्ति होने का गौरव भी अर्जित कर सकते हैं। बस! आप को स्वयं पर संयम अवश्य ही रखना होगा।

अंक : 5 :

यह अंक धन पर अपना अधिकार जमाने वाला माना जाता है। इस अंक की वित्तीय अवस्था वाला व्यक्ति जन्म से ही धनी होता है तथा जीवन में इस अंक का व्यक्ति धन कमाने में अपनी तत्परता एवं विवेक के कारण आसानी से अपने जीवन में सफल हो जाता है।

इस अंक वाले व्यक्ति का धन निवेश या सट्टे आदि में संचय होता रहता है। इस कारण से धन कमाने का मनोबल सदा ही ऊंचा बना रहता है। अगर किसी कारणवश परिवार में बंटवारा भी होता है तो इसको कोई हानि उठाने का जोखिम नहीं होता है।

अगर इस अंक वाले ने अपने फालतू खर्च पर नियंत्रण नहीं रखा तो कभी-कभी धन की कमी का तनाव भी झेलना पड़ सकता है। इस व्यक्ति को इस बात का सदा ध्यान रखना चाहिए कि विपदा कभी भी आ सकती है। इस अंक वाले व्यक्ति को व्यसनों से अवश्य ही बचना चाहिए। इन व्यसनों से जो फिजूल खर्च बचेगा वह धीरे-धीरे आपकी वित्तीय स्थिति को सुदृढ़ बना कर रखेगा।

माना कि आप ने छोटे-छोटे खर्चों में दिल खोल कर व्यय किया और सावधानी नहीं बरती तो आपकी वित्तीय व्यवस्था अस्थिर भी हो सकती है। अंक 5 का भाग्योदय 30 वर्ष के बाद प्रारम्भ होता है।

अंक : 6 :

यह अंक वित्तीय संसाधनों में प्रभावी योगदान देता रहता है। उसे जहां से भी धन प्राप्त करने का माध्यम हो सकता है उसकी जानकारी का स्त्रोत उसे प्राप्त हो ही जाता है। कई बार तो स्थिति इतनी सहज होती है कि ऐसा लगता

है कि बिना किसी श्रम के ही पैसा प्राप्त हो गया है और कई बार तो कड़ी मेहनत करने के बाद ही पैसा प्राप्त होता है। इस अंक वाले व्यक्ति को भाग्य पर निर्भर नहीं होना चाहिए। इन्हें अपने विवाह से प्राप्त धन का लाभ भी उठाना चाहिए और यह तभी संभव होगा जब जीवन साथी का भरपूर सहयोग प्राप्त होगा।

इस अंक वालों को जीवन साथी चुनने में अति सावधानी बरतनी चाहिए। बिचौलिये की नादानी या चालाकी से आपके वित्तीय संसाधन गड़बड़ा भी सकते हैं। साथ ही साथ दाम्पत्य जीवन में तनाव भी उत्पन्न हो सकता है। इनका भाग्योदय युवावस्था से प्रारम्भ हो जाता है।

अंक : 7:

यह अंक इस बात का प्रतीक है कि इस व्यक्ति का वित्तीय पक्ष स्थिर एवं उन्नति देने वाला है और साथ ही साथ आमदनी के भिन्न-भिन्न स्रोत भी इसके लिए सहायक हैं। आमदनी और खर्चा तो घटता-बढ़ता रहता ही है। इस क्षेत्र में विवेकपूर्ण निर्णय लेकर ही कार्य करना चाहिए। किसी भी क्षेत्र में निवेश करने से पहले उसके वित्तीय पहलुओं का पूर्व मूल्यांकन आवश्यक है।

इस अंक वाले व्यक्ति एक विशेष अन्तराल के समय में जो भी जोखिम भरा कार्य करते हैं उसमें उन्हें अवश्य ही सफलता हासिल होती है लेकिन बिना परिणाम जाने कार्य करना जोखिम भरा होगा। इससे सदैव सावधान रहना चाहिए। अपने व्यवसाय के ढांचे को सुदृढ़ और सुचारू बनाने के लिए सुधारवादी उपायों पर भी विशेष जोर देना चाहिए। इस अंक वाले व्यक्ति का भाग्योदय 25 वर्ष की आयु के बाद प्रारम्भ होता है।

अंक : 8 :

इस अंक वाले व्यक्ति की महत्वाकांक्षा ही इसके वित्तीय संसाधनों का निर्माण कराती है। यह जिस क्षेत्र में जाना चाहे उस क्षेत्र में इसकी महत्वाकांक्षा ही बहुत बड़ा योगदान प्रदान करती है।

इस अंक के व्यक्तियों को दो तरह से वित्तीय संसाधन प्राप्त होते हैं। पहला तरीका एकदम सुरक्षित तरीका है। जो स्थिरता दे और दूसरा तरीका है यह अपनी इच्छा से धन का संग्रह करें। इससे इनके जीवन स्तर में सुधार आयेगा और फिजूल चीजों में जो धन लगा हुआ है उससे छुटकारा प्राप्त होगा। इनके जीवन में कई बार ऐसा भी होता है जहां धन अधिक खर्च करने की आवश्यकता होती है वहां यह कंजूसी दिखा कर खर्च करते हैं और जहां कम

न खर्च करना होता है, वहा अधिक धन खर्च बैठते हैं। इससे वित्तीय साधनों में अस्थिरता का माहौल बन जाता है, जो इनके जीवन स्तर को नापक संघर्ष करने पर विवश कर देता है।

इस अंक के स्वामी शनि हैं और इनका भाग्योदय 36 साल की अवधि = बाद ही प्रारम्भ हो पाता है।

अंक : 9:

इस अंक के व्यक्ति की आर्थिक स्थिति इसके जीवन से जुड़ी आशाएं और कामनाओं पर निर्भर रहती है। यह अगर अपनी इच्छा शक्ति से धनवान नने की बात ठान लें तो इनके मार्ग में आने वाली हर एक बाधा स्वतः ही नट जाती है।

इस अंक वाले व्यक्ति किसी भी विपत्ति में पूर्वानुमान के कारण अपने नीवन को संवार लेते हैं। इनका सार्वजनिक एवं सामाजिक जीवन भी सराहनीय और प्रतिष्ठावोन होता है। अपनी इसी नेतत्व प्रधान क्षमता के कारण न्हें सही दिशा प्राप्त होती रहती है।

सामाजिक जीवन में पैसे या धन की किसी बड़ी योजना में सहयोग या तृत्व के लिए इनका नाम सबसे पहले लिया जाता है। इन्हें रचनात्मक निवेश में आशातीत सफलता प्राप्त होती है। वैसे इन्हें निजी तौर पर जुए एवं सट्टे से दूर का भी सम्बंध नहीं रखना चाहिए।

अंक : 10:

यह अंक इस बात की गारंटी प्रदान करता है कि इन्हें अनायास लाभ हो सकता है तो अचानक हानि भी उठानी पड़ सकती है। ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि यह कभी-कभी अपना व्यवसाय अचानक ही बदल लेंगे और कई बार सट्टे के भारी लालच के कारण भी इन्हें हानि मिल सकती है। व्यापार में मूल रूप से धीरे-धीरे व्यापार का स्तर बढ़ाना चाहिए, इससे इन्हें व्यवसाय में पूर्ण अधिकार रहेगा और स्थिति स्थिर होने पर वित्तीय संसाधन भी स्थिर ही रहेंगे।

इन्हें अपने कार्य बड़ी सहजता से करने चाहिए, वरना इनके सहायक या सहयोगी ही इनके विरोध में भी खड़े हो सकते हैं।

अंक : 11 :

इस अंक की विशेषता यह है कि यह अंक अनोखे किस्म के फल देता

है। यह अंक आपको किसी भी मुद्दे पर लम्बी अवधि तक उसे स्व नियंत्रण में रखने की क्षमता का अवसर प्रदान करता है। इसका सीधा-सा अर्थ यह है कि यह अंक आपको लाभकारी अवसर अपने हाथों में सुरक्षित रखने का अवसर प्रदान करता है। इसी वजह से लोग आप से लेन-देन करके प्रसन्न होते हैं।

इस अंक वाले व्यक्ति को कठिनाई या बुरे दिनों के बचाव के लिये सदैव तैयार रहना चाहिए। अनचाही घटनाओं के प्रति, डकैतों, ठगी करने वालों से या धोखेबाजों से सर्तक रहना चाहिए। आपको चोरी, गबन और किसी के साथ बेईमानी करने से बचना चाहिए।

आपके जीवन में ऐसा भी हो सकता है कि आप कभी बुरे समय में फंस कर भावावेश में आकर गलत निर्णय पर बैठते हैं। ऐसे अवांछनीय कार्य से बचकर हानि उठाने से बचें। ध्यान रहे ऐसे कार्य से आपको बचना है। आपको लगातार कठिनाइयों का सामना करना भी पड़ सकता है। ऐसी सतर्कता से आप हानि और अप्रतिष्ठा से बच सकते हैं।

अंक : 12 :

इस अंक के व्यक्ति के आर्थिक जीवन में तमाम तरह के उतार-चढ़ाव आते रहते हैं लेकिन ऐसे अवसरों पर आप की आय-व्यय पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा, सौभाग्यशाली अवसर बराबर आते रहते हैं। इसी वजह से आपकी आय में कोई विशेष अंतर नहीं पड़ेगा।

अपने जीवन में आपको अपने दोस्तों के माध्यम से व्यवसाय में विश्वास पैदा करके तथा सद्भावनाओं के चलते लाभ के अवसर प्राप्त होते रहेंगे। आपके लिए यह हर्ष का विषय रहेगा कि आप धार्मिक कार्यों के संचालन से, वैज्ञानिक, मनोवैज्ञानिक या फिर जनहित के कार्यों से ही आप लाभ उठा सकते हैं। ध्यान रहे, झूठे मित्रों से धोखा, हानि भी होने की प्रबल संभावनाएं हैं।

आपको रातोंरात धन कमाने के चक्कर से बचना होगा, अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप गलत लोगों के चंगुल में फंस भी सकते हैं। आप सदैव विवेकपूर्ण निर्णय से अपनी वित्तीय परिस्थितियों को सुचारु रूप से संचालित कर सकते हैं, गफलत और लापरवाही आपके जीवन को तहस-नहस कर सकती है।

अंक : 13 :

यह अंक इस बात की ओर इशारा करता है कि अगर आपकी जेब में धन तो आपको खर्च करने से रोक पाना कठिन है। इससे यह बात सामने आती कि अगर यही क्रम भविष्य में जारी रहता है तो आपको भारी वित्तीय कटों से गुजरना पड़ सकता है। तब आपको अपनी जीवन की जरूरतों को रा करने के लिए मुसीबतें भी उठानी पड़ सकती हैं।

ध्यान रहे आपके अंदर धन कमाने की अद्भुत क्षमता है। बस! आपको नपने जीवन के हर पहलू पर गंभीरता से विचार करना है।

अगर आपको आर्थिक स्रोतों के विकास का काम सौंपा गया है तो आप अपनी योजना पर कम समय में अपूर्व प्रगति भी दिखा सकते हैं लेकिन अन्य जोखिम वाले कार्य जैसे लॉटरी खेलना, जुआ या जल्दी अमीर बनने के मार्ग नहीं अपनाने चाहिए। इस क्षेत्र में आपको अपने ऊपर हर हाल में नियंत्रण रखना है। आर्थिक अभियान में सफलता प्राप्त करने के लिए समयबद्ध प्रयास आवश्यक है। श्रम ही जीवन है, इस बात को सदैव ही महत्त्व दें।

अंक : 14 :

यह अंक इस बात की तरफ इशारा करता है कि आपको आर्थिक प्रक्रियाओं में व्यावहारिक होना पड़ेगा अर्थात आपका काम-धंधा एवं जीविका ऐसी भी हो सकती है जहां लेन-देन का कार्य प्रमुख रूप से हो और आप अपने कार्य के वित्तीय कर्मचारी हो, जैसे बैंक के खजांची या कम्पनी के कैशियर, अपने कार्य में ईमानदारी बरतें।

इस अंक वाले व्यक्ति के अंदर एक विशेष तरह का कर्मबोध भी पैदा होता रहता है। यह कर्मबोध आपके वित्तीय स्रोत को सुदृढ़ आधार भी प्रदान कर सकता है। ऐसी स्थिति के लिए आपको आर्थिक हितों का संरक्षण करना भी जरूरी है लेकिन अपनी पूंजी बढ़ाने की सोच आप में अपूर्व खतरे उठाने की प्रवृत्ति को जन्म दे सकती है, जो आपके लिए उचित नहीं है। आप अगर अपनी पूंजी बढ़ाने की चिंता में हैं तो आपको सुरक्षित निवेश की ओर ध्यान देना होगा।

आपको कलात्मक क्षेत्रों में भी सफलता मिल सकती हैं। जैसे, अगर आप संगीत या मूर्तिकला के क्षेत्र में व्यवसाय कर रहें हैं तो आप इस क्षेत्र में विशेष रुचि लें और अपने श्रम को अभीष्ट मान कर कार्य करते रहें। आप अपने

जीवन से जो अनुभव प्राप्त करेंगे वह कदम-कदम पर आपके काम भी आता रहेगा।

किसी मित्र या रिश्तेदार के कहने से पूंजी निवेश से बचना ही हितकर होगा।

अंक : 15 :

यह अंक आपको सलाह देता है कि आप अपने वित्तीय तंत्र को किस तरह से अपने काबू में रखें। इससे आपको सामान्य आय में आर्थिक वृद्धि करने की प्रेरणा प्राप्त होगी और आप अपने आर्थिक विकास की ओर बढ़ते रहेंगे।

आपके अधिकतर विचार प्रयोगवादी न होकर व्यवहार कुशल तौर-तरीके की सीमा में सही तालमेल रखने में सक्षम रहते हैं। आपको यह भी जानना है कि आर्थिक व्यवस्था में आपको कोई बॉस तो नहीं बन रहा है क्योंकि काम तो आप कर रहे हैं और उसका लाभ किसी दूसरे की जेब में जा रहा है। इसके लिए आपको अपनी योजनाओं में गोपनीयता बरतनी चाहिए।

अगर आपको किसी योजना या प्रधान कार्य सौंप दिया जाता है तो आपके वित्तीय संसाधन अपने आप विकसित होते चले जाते हैं। बस! आपको उन पर कड़ी नजर रखनी है।

आपको अपने वित्तीय स्रोतों को दांव पर कभी भी नहीं लगाना है। माना कभी आपकी व्यावसायिक प्रक्रिया राष्ट्रीय या अन्तर्राष्ट्रीय संकट के कारण गड़बड़ाती है तो आपको निश्चय ही नुकसान उठाना पड़ सकता है। आपके अंदर मौजूद संघर्ष क्षमता और नेतृत्व आपका मार्ग प्रशस्त करता ही रहेगा।

आपके युवाकाल गुजरते ही आपकी वित्तीय अवस्था में बराबर सुधार आता चला जाएगा। ध्यान रहे कि अगर आप किसी दुर्घटना या बीमारी का शिकार या किसी भी मुकदमे में फंस गए हैं तो स्थिति खराब हो सकती है। इसके लिए आपको सर्तक रहना होगा।

अंक : 16 :

इस अंक के व्यक्ति को धन कमाने के लिए वास्तव में कठोर परिश्रम करना पड़ता है या आप यह भी कह सकते हैं कि इस धन अंक के व्यक्ति को पैसे कमाने के लिए कठोर से कठोर श्रम करना पड़ता है।

लेकिन इस अंक के व्यक्ति के लिए धन को बचाकर रखना मुश्किल है।

इसलिए होता है कि आप जो धन कमा रहे हैं उसको खर्च करने का सामने रहता है। माना आपकी आय 3000 है तो आपका खर्च भी की सीमा के आस-पास ही है। दरअसल इस अंक के व्यक्ति में धन करने की व्यग्रता बहुत अधिक रहती है। इससे सर्तक रहना चाहिए। इस अंक के व्यक्ति के जीवन में आये दिन ऐसा अवसर भी आता रहता ब आपके पास धन का अभाव रहता है। इससे आप कर्ज लेकर अपना चलाते हैं ऐसा करने से आपके वित्तीय संसाधन प्रभावित तो होते ही हैं, साथ ही साथ मानसिक तनाव की स्थिति भी बनी रहती है।

अंक : 17 :

यह अंक इस बात को बताता है कि आपके आर्थिक जीवन के रे-तीसरे माध्यम सदा साथ रहते हैं। आपको धन एक से नहीं कई पैतृक तों से होती है या फिर नौकरी और बौद्धिक आजीविका में भी आपके धन माने के स्रोत कई होंगे। जब भी आप अपना व्यापार अथवा रोजी-रोटी, करी आदि करें तो यह भी देखें कि आप उसी स्थान पर अपना सिक्का मायें जहां आपकी आमदनी आपके रुतबे को बढ़ा सके। नौकरी करने वालों र यह बात पूरी तरह से प्रभावी नहीं होती है लेकिन व्यापारीगण ऐसी व्यवस्था आगे के भविष्य के लिए कर सकते हैं।

आप साहित्य, लेखन, अनुवाद के ज्ञाता हैं तो आपके आर्थिक विकास में विशेष सहायक हो सकता है। यूं तो आय-व्यय में असंतुलन तो आता ही रहता है फिर भी अगर वाहन, यातायात का व्यवसाय भी आपको धन की प्राप्ति करा सकता है लेकिन जीवन में कई बार ऐसे अवसर भी आते रहेंगे जब आपको किसी दूसरे के सामने हाथ फैलाना पड़ सकता है। अगर आप भविष्य में किसी से करारनामा करते हैं या किसी की जमानत देते हैं तो किसी वित्तीय संस्था से सलाह अवश्य ही लें। ऐसा न करने से आपको हानि उठानी पड़ सकती है।

अंक : 18 :

यह अंक धन का मित्र अंक माना जाता है। जब आपके पास अपार धन आ जाता है तो आप गलत निवेश करने में भी नहीं हिचकते। यही कारण है कि आपको निंदा सहनी पड़ जाती है। आप अपने सोचे-समझे निवेश में ही धन को लगायें। आपके निर्णय पर घरेलू परिस्थितियों का प्रभाव भी अवश्य

ही पड़ेगा। यही वजह है कि आपके निजी हित सामने आ जाते हैं। आपका यही व्यक्तित्व आपकी वाह्य और भीतरी छवि को बड़ी सहजता व्यक्त कर देता है। अगर आप विवाहित हैं तो आपको पत्नी, पुत्र, पुत्री की सलाह माननी चाहिए। अगर आप अपने मित्र जनों की सलाह नहीं मानते हैं तो आपकी वित्तीय स्थिति डावांडोल हो सकती है। आपको सतर्क और सावधान रहना है।

अंक : 19 :

इस अंक की विशेषता यह है कि इस अंक का व्यक्ति जितने धन की अपेक्षा करता है, उतना धन उसे सहजता से प्राप्त हो जाता है; क्योंकि यह अंक बहुत गंभीर धन संचय का स्वामी है। हां! अगर आप किसी से साझा व्यवहार या व्यापार करते हैं तो आपको सतर्क रहने की जरूरत है। आपकी संगठन शक्ति अच्छी है। इसी आधार पर आप कोई भी योजना बनाते हैं तो उसका आपको परोक्ष लाभ यह मिलता है कि आपसे वित्तीय संस्थान प्रभावित होते हैं, लेकिन आपमें खुले दिल से खर्च करने की जो प्रवृत्ति है उस पर अंकुश लगाना आवश्यक है वरना यह स्थिति आपको नुकसान भी पहुंचा सकती है, लेकिन आप खुद को संभाल लेने में माहिर हैं। शेयर बाजार या सट्टेबाजी से सावधान रहें, लेकिन खास बात यह है कि अगर आप पर गरीबी की छाया पड़ती भी है तो यह अंक उसे छिपाने में सफल हो जाता है, लेकिन बुढ़ापे के लिए धन का संचय अनिवार्य है।

अंक : 20 :

यह अंक आपके लिए बहुत ही परोपकारी है। साथ ही यह आपको अनुकूल प्रभाव देने वाला है। अगर वित्तीय सहायता के लिए इसका विश्लेषण किया जाए तो इस क्षेत्र में सफलता के लिए आपके व्यक्तित्व और निजी तौर-तरीके तथा कार्य करने की क्षमता का बहुत बड़ा हाथ तो होता ही है, साथ ही आप अपनी मानसिक और शारीरिक शक्ति को वहीं पर प्रयोग करते हैं जहां से तत्काल आशातीत लाभ होने की संभावना रहती है। आपको पारिवारिक क्रिया-कलापों से, सजावटी वस्तुओं से, घरेलू उपकरणों, कानूनी एवं न्याय नीति के क्षेत्र की गतिविधियों से विशेष लाभ हो सकता है। आप शारीरिक श्रम से अधिक बौद्धिक श्रम से धन कमा सकते हैं। आपमें यह खूबी है कि कैसे भी हालात हो आप अपनी वित्तीय स्थिति को कमजोर होने नहीं देते हैं। इसी विशेषता की वजह से अंतिम समय में भी आपके पास जरूरत

2+4+5+3

4+1+4+0+1+3

कहते हैं कि नवग्रहों में ही संसार का समस्त रहस्य [illegible] है। प्रत्येक म[illegible]
व्यवहार को इन्हीं नवग्रहों ने प्रभावित कर रखा है। प्रत्येक व्यक्ति किसी न किसी ग्रह से [illegible]
है तथा उससे प्रभावित रहता है। मनुष्य की इसी प्रभावित दशा का विज्ञान ही [illegible]

प्रस्तुत पुस्तक में आपकी जन्म तिथि के आधार पर आपके भाग्यशाली अंक, [illegible] की जांच परख, आपके भाग्य के अनुसार कौन सा रत्न एवं रंग धारण करना आपके लिये सौभाग्यशाली है आदि का विस्तृत विवरण दिया गया है, जिसे पढ़कर आप अपना जीवन सामाजिक, व्यवसायिक, राजनैतिक एवं वैवाहिक रूप से खुशहाल एवं सफल बना सकते हैं।

अंक विज्ञान के गूढ़ रहस्यों का सरल भाषा में विस्तृत विवरण [illegible] की विश्व प्रसिद्ध कृ[illegible] अंक [illegible]



गोल्ड बुक्स (इण्डिया)